हरिभूमि

जबलपुर

रविवार 4 जनवरी 2026

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अमेरिका ने देर रात 7 ठिकानों पर बोला हमला, ट्रंप खुद बोले- सीआईए को दी वेनेजुएला पर कार्रवाई की मंजूरी

तेल की लड़ाई हमले तक आई

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, जिसे 303 अरब बैरल से भी ज्यादा आंका जाता है। कई प्रतिबंधों की वजह से यह अब तक अनछुआ भंडार है। इसके अलावा सोने और गैस का भी जबरदस्त भंडार है

राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व पत्नी को बंधक बनाकर देश से बाहर ले गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लीजिए, दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों पर कब्जे की लड़ाई हमले तक जा पहुंची। अमेरिका ने शुक्रवार रात 2 बजे वेनेजुएला के 7 ठिकानों पर टारगेटेड हमले किए। वेनेजुएला की राजधानी में शनिवार तड़के अचानक दहशत का माहौल बना,जब शहर के कई इलाकों में तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं। कम से कम सात जोरदार धमाके सुनाई दिए, वहीं आसमान में नीची उड़ान भरते विमानों की आवाज भी लोगों ने सुनी। राष्ट्रपति मादुरो ने हमले के दौरान देश में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी। धमाकों की आवाज सुनते ही कई इलाकों में लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। इस दौरान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा कि सरकार को राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के ठिकाने की कोई जानकारी नहीं है। रॉड्रिग्ज ने कहा कि अमेरिका द्वारा कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति कहां हैं, यह स्पष्ट नहीं है और सरकार उनकी प्रूफ ऑफ लाइफ की मांग कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावे के बाद वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने देश भर में सैन्य बलों की तैनाती की घोषणा की है। उन्होंने अमेरिका के सामने सरेंडर या फिर बातचीत से इंकार किया है।

राष्ट्रपति कहां हैं, यह स्पष्ट नहीं है? वेनेजुएला ने की प्रूफ ऑफ लाइफ की मांग

सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़े अमेरिकी सैनिकों का वीडियो वायरल

मादुरो सरकार अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी में शामिल

अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि वेनेजुएला की निकोलस मादुरो सरकार अमेरिका में ड्रग्स (विशेष रूप से फेंटेनाइल और कोकीन) की तस्करी में शामिल है। ट्रंप प्रशासन ने इसे एक राष्ट्रीय आपातकाल मानते हुए वेनेजुएला को निशाना बनाने की कोशिश की है। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि मादुरो के शासन में वेनेजुएला के लाखों नागरिकों को अमेरिका आने को मजबूर होना पड़ा है जिससे अमेरिका में प्रवासी संकट बढ़ा है। इन लोगों के 2013 से ही देश छोड़कर भागने का दावा किया गया है। अमेरिका ने वेनेजुएला के दो आपराधिक समूहों- ट्रेन डी अरागुआ और कार्टेल डी लॉस सोलेस (जिसका नेतृत्व कथित तौर पर मादुरो करते हैं) को विदेशी आतंकवादी संगठन (फॉरेन टेररिस्ट ऑर्गेनाइजेशन) के तौर पर चिन्हित किया है।

चीन, रूस व ईरान से दोस्ती बढ़ाना महंगा पड़ा

दोनों देशों के बीच विवाद की पहली चिंगारी 1999 में भड़की जब वेनेजुएला में वामपंथी राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की सरकार सत्ता में आई। शावेज ने तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसका असर यह हुआ कि वेनेजुएला के तेल उद्योग में अमेरिकी कंपनियों की भूमिका घट गई। इस बीच वेनेजुएला की वाम सरकार ने क्यूबा, रूस और चीन के साथ ईरान से करीबी बढ़ा ली, जो सीधे तौर पर अमेरिका की शक्ति को चुनौती देने के कदम के तौर पर देखा जाने लगा। दोनों देशों के रिश्ते तब और खराब हो गए, जब ह्यूगो शावेज के खिलाफ 2002 में तख्तापलट की असफल कोशिश हुई। 2013 में ह्यूगो शावेज की मौत के बाद निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने।

अमेरिका और वेनेजुएला में विवाद क्यों ?

1. ड्रग तस्करी करने वाली नावों को निशाना बनाया था

- सितंबर 2025 में अमेरिका ने दावा किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। वेनेजुएला ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी उठाया है। अमेरिका ने अब तक वेनेजुएला की नावों में मादक पदार्थ ले जाने जाने से जुड़े सबूत नहीं दिए हैं। मादुरो के शासन में वेनेजुएला के लाखों नागरिकों को अमेरिका आने को मजबूर होना पड़ा है, जिससे अमेरिका में प्रवासी संकट बढ़ा।

2. कैरिबियाई सागर में तैनात किए अमेरिकी युद्धपोत

- अमेरिकी रक्षा मंत्रालय- पेंटागन ने अक्तूबर में अमेरिकी नौसेना के सबसे खतरनाक और आधुनिक युद्धपोतों में से एक यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को कैरिबियाई सागर में तैनात कर दिया। इसके अलावा वेनेजुएला के आसपास 5000 अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती भी की गई है, जबकि अमेरिका के 15,000 बलों को दक्षिण अमेरिका में तैनात किया गया है।

इन ठिकानों को बनाया निशाना

01

काराकस सिटी

02

करलोटा एयरपोर्ट

03

ला कियारा पोर्ट

3. वेनेजुएला की घेराबंदी, तेल टैंकरों की जब्ती

- अमेरिकी बलों ने कैरिबियाई क्षेत्र में वेनेजुएला के तेल टैंकरों की जब्ती भी जारी रखी है। दरअसल, अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला के तेल पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

40 साल का हुआ सेंसेक्स, 10 हजार को बना दिया 15.7 लाख

नई दिल्ली। एशिया के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज बीएसई लिमिटेड यानी सेंसेक्स ने 40 साल का हो गया है। बीएसई सेंसेक्स 1 जनवरी, 1986 को लॉन्च हुआ था और इसने अपने अस्तित्व के 40 साल पूरे किए। सेबी चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि जैसे ही भारत का हार्टबीट इंडेक्स, सेंसेक्स अपने लॉन्च के 40 साल पूरे कर रहा है, इसके पीछे का आइडिया उस समय के हिसाब से दूरदर्शी था, जब इकॉनमी काफी हद तक अंदरूनी मामलों पर फोकस करती थी और मार्केट में हिस्सेदारी लिमिटेड और मैनुअल थी।

धनवर्षा के लालच में 6 साल के मासूम का अपहरण

22 दिनों तक की तांत्रिक क्रिया नहीं दिया खाना, चार गिरफ्तार

पुलिस ने खंडवा के पुनासा से आरोपियों को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरगोन

सनावद से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां छह वर्षीय मासूम का अपहरण कर 22 दिनों तक उसे तांत्रिक क्रियाओं का शिकार बनाया गया। पुलिस ने इस मामले में 'धनवर्षा' का लालच देने वाले पाखंडी तांत्रिक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सनावद के खंगवाड़ा फाटे गांव की है। टीआई धर्मेंद्र यादव के अनुसार 10 दिसंबर को छह वर्षीय बालक अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी आरोपियों ने उसे गेंद दिलाने का लालच दिया और उसका अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद आरोपित शुभम यादव खंडवा जिले के पुनासा में एक किराए का कमरा लेकर छिप गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि शुभम रात के समय एक बच्चे को साथ ले जाते हुए देखा गया है, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

(इंसेट में) मासूम, पिता ने पुलिस को कहा- धन्यवाद

मासूम को नग्न कर उसे सिंदूर लगाया जाता था

एसडीओपी अर्चना रावत ने बताया कि इस पूरे मामले का मुख्य सूत्रधार सुरेंद्र उर्फ पिंटू बघेल है, जो खुद को तंत्र विद्या में सिद्धि प्राप्त बाबा बताता था। उसने आरोपी रामपाल नरवरे को यह झांसा दिया था कि वह अपनी तांत्रिक शक्तियों से धनवर्षा करा सकता है और जमीन में गड़े हुए धन का पता लगा सकता है। लालच में आकर रामपाल और शुभम ने धनसिंह बडोले से संपर्क किया, जिसने इस पूरी किडनैपिंग की साजिश रची। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस के सामने दिल दहला देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि गड़े धन को निकालने की प्रक्रिया के तहत बच्चे को 22 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान मासूम को नग्न कर उसे सिंदूर लगाया जाता था और नींबू की माला पहनाई जाती थी।

नहीं मिल रहे यात्री: मेट्रो शुरु होने के 14 दिन बाद ही बदल गया टाइम टेबल

अब राजधानी के लोगों में उत्साह नहीं

अब सुबह 9 बजे नहीं, दोपहर 12 बजे से चलेगी, 17 की जगह लगाएगी 13 फेरे ही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यात्री नहीं मिलने के कारण राजधानी में अब मेट्रो सुबह 9 बजे नहीं, दोपहर 12 बजे से चलेगी। वह 17 की जगह अब 13 फेरे लगाएगी। पांच जनवरी यानि सोमवार से यह टाइम टेबल लागू होगा। सोमवार से भोपाल मेट्रो ट्रेन का संचालन एम्स मेट्रो स्टेशन से दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। जबकि सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से पहली मेट्रो दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर चलेगी। यानि 75 मिनट के अंतराल पर यह उपलब्ध होगी। इसी तरह एम्स मेट्रो स्टेशन से अंतिम मेट्रो शाम 7 बजकर 30 मिनट पर और सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से अंतिम ट्रेन 6 बजकर 55 मिनट पर रवाना होगी।

5 जनवरी से 75 मिनट के अंतराल में मिलेगी मेट्रो

केवल अवकाश के दिन मेट्रो में पहुंच रहे हैं लोग

ऐसे घटी यात्रियों की संख्या

- 21 दिसंबर को पहला दिन- 7000 यात्री मिले
- 22 दिसंबर- 2896
- 23 दिसंबर- 2163
- 24 दिसंबर- 1787
- 25 दिसंबर- 4264
- 26 दिसंबर- 1473
- 27 दिसंबर- 1200
- 28 दिसंबर- 2349

आठ दिन में 24 हजार से ज्यादा यात्री मिले

मेट्रो में आठ दिन में 24 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया। केवल रविवार को ही यात्रियों की संख्या बढ़ी। आम दिनों में यात्री घटते गए। 14 दिन में 29400 से ज्यादा यात्री मेट्रो को मिले।

पीएम ने पिपरहवा अवशेषों की प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं, उनके अवशेष पाकर हम सभी धन्य हो गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं।

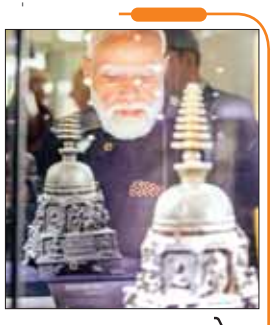

भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से यह साल दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव लेकर आए

गुलामी राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, यह विरासत को भी तबाह कर देनी वाली रही

कार्यक्रम के दौरान संतों को नमन करते हुए प्रधानमंत्री

2026 का मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम

उन्होंने कहा कि 2026 के शुरुआत में ही यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।

बुद्ध के पवित्र अवशेष हमारे आराध्य- सभ्यता के ही अंश

पीएम मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। अब इनकी प्राप्ति हो रही है।

देश को उनकी परंपरा का जीवंत वाहक बताया

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। जिस भूमि पर भगवान बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिए, वो सारनाथ आज मेरी कर्मभूमि है। भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष बुद्ध के संदेश की जीवित उपस्थिति है।

पूरी मानवता को ज्ञान दिया

उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया मार्ग... पूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया।

खबर संक्षेप

प्रताड़ना मामले में आरोपित प्रोफेसर सस्पेंड

सोलन। धर्मशाला कॉलेज की छात्रा से रैगिंग व प्रताड़ना के बाद मौत मामले में हिमाचल प्रदेश के

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के आदेश पर आरोपित एसोसिएट प्रोफेसर अशोक कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। विभाग ने इस संबंध में लिखित ऑर्डर जारी कर दिए हैं। आरोपित को शिक्षा निदेशालय शिमला भेज दिया है। उस पर शर्तें लगाई गई हैं।

तेलंगाना ने खत्म किया 2 बच्चों वाला नियम

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा ने स्थानीय निकाय चुनाव के लिए दो बच्चों के नियम को समाप्त करने

वाला विधेयक शनिवार को पारित कर दिया। इसके के तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाते थे। पंचायत राज मंत्री दानसारी अनुसूया ने कहा कि दो बच्चों का नियम जनसंख्या नियंत्रण को लागू किया गया था।

नशे में मंदिर के ऊपर चढ़ा शख्स, शराब मांगी

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित श्री गोविन्दराज स्वामी मंदिर में एक व्यक्ति ने शराब के नशे में

हंगामा किया। वह सुरक्षाकर्मियों को चकमा देने में कामयाब रहा और मंदिर की दीवारों पर चढ़कर शराब की बोतल की मांग करने लगा। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा। उसकी पहचान कुट्टाडी के रूप में हुई है।

पहली हाइड्रोजन ट्रेन 20 को सोनीपत जाएगी

जींद। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आखिर जींद पहुंच गई है। जीद से ही यह ट्रेन 20 जनवरी के बाद

सोनीपत के लिए पहली बार रवाना होगी। ट्रेन व हाइड्रोजन प्लांट की टेस्टिंग के लिए लखनऊ से अनुसंधान और विकास संगठन (आरडीएसओ) की दो टीमें भी जींद पहुंच चुकी हैं। यह टीमें प्लांट की मशीनों की टेस्टिंग कर रही हैं। इसके बाद टेस्टिंग के बाद हरी झंडी देगी।

गांधीनगर में टाइफाइड का कहर, 100 लोग भर्ती

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में टाइफाइड के मामलों में बढ़ोतरी से स्वास्थ्य विभाग में

हड़कंप है। 3दिनों में 100 से अधिक लोग, जिनमें बच्चे शामिल हैं, गांधीनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। प्रशासन और सरकार दोनों स्तर पर कदम उठाए गए हैं। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने भी कलेक्टर से फोन पर कई बार बात की।

संदेशखाली में मूसा मोल्लाह की गिरफ्तारी पर मचा बवाल

टीएमसी कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर किया हमला, 6 जवान घायल

एजेंसी ▶▶ संदेशखाली

गांव के एक समूह ने हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए। बताया जा रहा है कि नजात पुलिस थाने की टीम शुक्रवार रात संदेशखाली ब्लॉक के बोयरमारी गांव में टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने गई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों पर गांव के एक समूह ने हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। घायल छह पुलिसकर्मियों, जिनमें एक अधिकारी भी शामिल है, उनको स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि जब पुलिस टीम मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस की गाड़ी में ले जा रहे थे, तो गांव वालों के एक समूह ने टीम पर पत्थर फेंके, जिससे वे घायल हो गए।

भीड़ ने पत्थरबाजी भी की

एक अधिकारी भी इस दौरान घायल हो गए जिन्हें भर्ती कराया गया

पुलिस और भीड़ के बीच होती रही कहासुनी

2 टीएमसी नेताओं को भी हिरासत में लिया

एक अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मछली पालन के लिए जबरन तालाबों पर कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजे जाने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। अधिकारी ने बताया कि उसके अलावा, भीड़ को उकसाने के आरोप में ग्राम पंचायत प्रधान सहित दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

चक्रवर्ती का आरोप

बंगाल को 'वेस्ट पाकिस्तान' बना रहे कश्मीर फाइल्स जैसी स्थिति हो रही

भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। कूचबिहार में मिथुन ने आरोप लगाया कि बंगाल में जान-बूझकर ऐसे हालात बनाए जा रहे हैं, जो कश्मीर फाइल्स में दिखाए गए घटनाक्रम से मिलते-जुलते हैं। वे इसे वेस्ट पाकिस्तान बना रहे।

टीएमसी सांसद नूर कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा

सांसद मौसम बेनजीर नूर ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। अटकलों पर विराम लगाते हुए उनकी यह घर वापसी कांग्रेस के लिए बंगाल से आई बड़ी खुशखबरी मानी जा रही है। 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मौसम नूर का कांग्रेस में शामिल होना सिर्फ एक दल-बदल नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति में सियासी संतुलन बदलने वाला कदम माना जा रहा है।

अभिषेक का भाजपा पर हमला

भाजपा सांप की तरह, अपने आंगन में रखेंगे तो काटेंगे ही

अलीपुरद्वार। बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति गरमा गई है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बेनर्जी ने

शनिवार को बीजेपी पर बड़ा जुबानी हमला किया। बेनर्जी ने जनता से कहा कि भाजपा एक सांप की तरह है। अगर आप अपने आंगन में 1 या 18 सांप रखेंगे, तो आखिरकार वह आपको काटेंगे ही। इस बार आने वाले चुनावों में यह पक्का करें कि अलीपुरद्वार में कोई सांप न रहे। भाजपा को इस राज्य से बाहर करना होगा।

टीएमसी का नया चुनावी कैंपेन

घायल हूं, इसलिए घातक हूं

बंगाल चुनाव की औपचारिक घोषणा भले ही अभी नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक दलों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीएमसी ने भी अपने नए चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। अभिषेक की बंगाल यात्रा को लेकर एक नया वीडियो जारी किया गया है, जिसमें फिल्म 'धुरंधर' के डायलॉग और गाने का इस्तेमाल किया गया है। दरअसल, इस वीडियो में अभिषेक का संदेश 'घायल हूं इसीलिए घातक हूं' सामने रखा गया है, जिसे पार्टी के नए कैंपेन की टैगलाइन के तौर पर पेश किया गया है।

चुनाव के पहले ही महायुति का डंका

68 निर्विरोध जीते, भाजपा के अकेले 44 ने ही मार ली बाजी

22 शिंदे गुट के नेता रहे विजयी

2 अजित गुट के भी रहे विजयी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले भाजपा और महायुति गठबंधन के सहयोगियों ने 68 सीटें निर्विरोध जीत ली है। इसमें अकेले भाजपा के 44 उम्मीदवार, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 22 और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के 2 उम्मीदवार शामिल हैं।

वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने उन नगर निकायों से रिपोर्ट मांगी है, जहां सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में शुक्रवार को नामांकन वापसी का आखिरी दिन था। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने शुक्रवार देर शाम को बताया कि भाजपा और महायुति के 68 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जो नगर निकाय के चुनाव में पार्टी की बढ़ती ताकत और लोकप्रियता को दर्शाता है।

भाजपा ने चुनाव के पहले बाजी मारी

केशव उपाध्याय ने बताया कि निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों में भाजपा के 44 उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें सबसे अधिक 15 उम्मीदवार ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) से है, जबकि यहां से शिवसेना के 6 उम्मीदवार निर्विरोध जीते हैं। इसके बाद पुणे, पिंपरी-चिंचवड़, पनवेल, भिवंडी, धुले, जलगांव और अहिल्यानगर हैं। बड़ी संख्या में सत्तापक्ष के उम्मीदवारों के निर्विरोध जीतने के मामले में विपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग करेगा जांच

निर्वाचन आयोग ने फैसला किया है कि वह इस बात की जांच करेगा कि क्या निर्विरोध चुने जान के मकसद से नामांकन वापस लेने के लिए विपक्षी उम्मीदवारों पर कोई दबाव तो नहीं डाला गया या उन्हें कोई प्रलोभन तो नहीं दिया गया। 29 दिसंबर को महायुति ने आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए सीटों का फॉर्मूला फाइनल किया। इसके अनुसार, भाजपा 137 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

पटना में बोले सीजेआई

कानून प्रणाली में सहानुभूति जरूरी, त्वरित न्याय मिले

एजेंसी ▶▶ पटना

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कानून प्रणाली में 'सहानुभूति' होना जरूरी है, क्योंकि इसी से एक न्यायपूर्ण समाज और अन्यायपूर्ण समाज में फर्क होता है। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय सबसे ज्यादा उन लोगों और समुदायों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।सीजेआई ने ये बातें पटना के चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं। उन्होंने युवा वकीलों को कहा कि मेहनत और जोश होना जरूरी है।

न्याय मशीनों से नहीं मिलता

सीजेआई ने कहा कि न्याय मशीनों से नहीं, बल्कि संवेदनशील और सक्षम लोगों से मिलता है और इसी समझ के साथ न्याय व्यवस्था को एक समावेशी, सक्षम और मानवीय न्याय प्रणाली के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ना होगा।

एआईएमआईएम नेता के ये बोल

गलत इरादे से मुस्लिम महिलाओं को छुआ तो मैं हाथ काट दूंगा

एजेंसी ▶▶ जालना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला के चेहरे से नकाब

हटाए जाने और फिर इस पर उत्तर प्रदेश के एक मंत्री की टिप्पणी से उठे विवाद के बीच, एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील ने कहा है कि जो भी व्यक्ति मुस्लिम महिलाओं को गलत इरादे से छूने की हिम्मत करेगा, वह उसके हाथ काट देंगे। जलील ने महाराष्ट्र के जालना में कहा कि 'तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल' गुंडों और आपराधिक तत्वों का पक्ष लेते हैं, लेकिन मुसलमानों का समर्थन करने से हिचकते हैं। उन्होंने हिजाब विवाद को लेकर नीतीश कुमार पर निशाना साधा। औरंगाबाद के पूर्व सांसद ने कहा,उत्तर प्रदेश के एक मंत्री ने आपत्तिजनक बयान दिया था। अगर कोई भी मुस्लिम बहन को गलत इरादे से छूने की हिम्मत करेगा, तो मैं उसका हाथ काट दूंगा। उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद ने नीतीश कुमार से जुड़े हिजाब विवाद के सिलसिले में बात की थी।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग

गोपालगंज में रामायण मंदिर में स्थापित होगा

गोपालगंज। दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना मोतिहारी के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथवलिया गांव के जानकीनगर में बन रहे विराट रामायण मंदिर में की जाएगी। महाबलीपुरम से 38 दिन की यात्रा तय कर तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से बिहार पहुंचा।

शाह ने अंडमान एवं निकोबार में बैठक की अध्यक्षता की

रणनीतिक महत्व, नवीनतम प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर दिया जोर

एजेंसी ▶▶ श्री विजयपुरम

संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में शामिल रहे कई अधिकारी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की शनिवार को अध्यक्षता की। बताया गया कि यह बैठक पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुई और अपराह्न करीब दो बजकर 40 मिनट पर समाप्त हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय अवसंरचना से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।उन्होंने बताया कि अपराध से लड़ने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग किए जाने और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) एवं राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) जैसे अत्याधुनिक केंद्रों की क्षेत्रीय स्तर पर स्थापना किए जाने पर भी बैठक में जोर दिया गया।

आज पहुंचेंगे दिल्ली

राज्य के अधिकारियों ने किया शाह का सम्मान

प्रदर्शनी का उद्घाटन और परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया

शाह दोपहर बाद श्री विजय पुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) के 'आईटीएफ ग्राउंड' में 'नवीन न्याय संहिता' पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद वह नेताजी स्टेडियम में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एवं बंडी संजय कुमार, समिति के सदस्य, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

एक महीने में यह था दूसरा दौरा

यह एक महीने से भी कम समय में शाह का यहां दूसरा दौरा है। उन्होंने इससे पहले 12 दिसंबर को वीडी सावरकर की प्रतिष्ठित कविता 'सागर प्राण तलमाला' की 116वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में द्वीपसमूह का दौरा किया था। अधिकारियों ने बताया कि शाह के दौरे के मद्देनजर केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। शाह चार जनवरी को यहां से रवाना होंगे।

चुनावी माहौल में महाराष्ट्र में बयानबाजी तेज

भाजपा ने अजित पर किया पलटवार आरोप लगाने से पहले जरा सोच लें

मैं बोला तो अजित की मुश्किलें बढ़ जाएंगी: भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा

पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में भ्रष्टाचार और कर्ज के आरोप लगाए जाने पर भाजपा ने कड़ा पलटवार किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि आरोप लगाने से पहले अजित को आत्ममंथन करना चाहिए। अगर भाजपा भी आरोप-प्रत्यारोप शुरू करेगी तो इससे अजित के लिए गंभीर मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। अजित को यह बात अच्छी तरह से सोच लेनी चाहिए।

अजित महायुति को छोड़ें

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अजित की अगुवाई वाली एनसीपी को शरद पवार के नेतृत्व

वाली एनसीपी (एसपी) में विलय करने की सलाह दी है। राउत का कहना है कि जब पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निकाय चुनाव में दोनों गुट साथ आ गए , तो अजित को महायुति छोड़ देनी चाहिए।

जबलपुर, रविवार 4 जनवरी 2026 ■ माघ मास कृष्ण पक्ष-01 ■ वर्ष : 20, अंक : 246 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 23 न्यून. 11 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कोहरे ने ली युवक की जान

पिता के साथ परीक्षा देने जा रहा था छात्र, खड़े पिकअप में घुसी बाइक

मंडला। मंडला जिले के चौकी पिंडरई नैनपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे घने कोहरे के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक नवयुवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान करण यादव (21 वर्ष) पिता बसंत यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार करण यादव परीक्षा देने जबलपुर जाने के लिए ट्रेन पकड़ने बाइक से पिंडरई आ रहा था। इसी दौरान तुमेगांव मंदिर के पास सड़क किनारे खड़ी पिकअप वाहन को घने कोहरे के कारण वह देख नहीं सका। बाइक सीधे पिकअप से जा टकराई।

अचानक बढ़ी गलन, घना कोहरा, आज कोल्ड डे...कल से कोल्ड वेव भी

ठंड ने 'थरथरा' दिया

भोपाल में सीजन में पहली बार दिन का पारा 20.2 डिग्री, आज रात के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के मध्य और उत्तरी हिस्से में शनिवार को दिन में बादलों का डेरा रहा। शाम से अचानक बर्फीली हवाओं का असर बढ़ने से कंपकंपाने वाली सर्दी शुरू हो गई। भोपाल में सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। कुछ जिलों में अति घने से घना कोहरा रहने से विजिबिलिटी शून्य तक रही है। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को कुछ जिलों में घना कोहरा, कोल्ड डे और कोल्ड वेव भी रहेगी। अगले दो से तीन दिन प्रदेशभर में सर्दी तेजी से बढ़ेगी, भोपाल में भी कोहरा और कड़ाके की सर्दी का दौर रहेगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के आगे निकल जाने से हवाएं उत्तरी हैं। इससे दोपहर बाद से सर्दी तेजी से बढ़ी है। यह क्रम दो से तीन दिन रहेगा।

रेलवे ब्रिज, सुबह 10:40 बजे का दृश्य

आज यहां अति घने से घना कोहरा

रविवार को भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, जबलपुर, रीवा, सीधी में अति घने से घना और भोपाल में मध्यम कोहरा रहा। इन जिलों में दृश्यता 200 से 500 मीटर तक रही। ग्वालियर, भिंड, मुरैना आदि जिलों में अलसुबह अति घने कोहरे में दृश्यता शून्य यानि 50 मीटर तक पहुंच गई। सोमवार को दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुरकला में अति घना, शिवपुरी, रीवा, मऊगंज, सतना, पन्ना, छतरपुर, नौगांव आदि जिलों में घना कोहरा रहेगा। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, गुना, अशोकनगर, सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, दमोह, सागर, मैहर जिलों में मध्यम कोहरे का अलर्ट है।

रात के तापमान में भी तेजी से कमी आएगी

रविवार को दिन में बादलों से भोपाल में दिन का पारा 3.6 डिग्री गिरकर 20.2 डिग्री पर आ गया। यह इस सीजन में सबसे कम दिन का पारा है। रात का पारा बीते तीन दिन में करीब 5 डिग्री बढ़कर 11 डिग्री रहा है। प्रदेश में औसत दिन के पारे में शनिवार को 4 डिग्री की कमी आई, जबकि रात के तापमान 16 जिलों में औसतन डेढ़ डिग्री तक गिरकर 11.4 डिग्री तक रहा है। रीवा में कोल्ड डे रहा। रविवार से अब रात के तापमान में भी तेजी से कमी आएगी। रात का पारा औसतन 3 से 4 डिग्री तक गिर सकता है। रविवार को बादलों के असर से दिन के तापमान में सर्वाधिक कमी नर्मदापुरम में 9.2 डिग्री की रही।

खबर संक्षेप

डॉक्टर को स्कॉर्पियो से उतारा, गला रेता, मौत

जबलपुर। जिले के ग्वारा गांव में दिनदहाड़े एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान महेंद्र साहू (27) के रूप में हुई है। वह अपने बड़े भाई की स्कॉर्पियो कार (एमपी 04 टीबी 0383) से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए आरोपियों ने कार को घेर लिया। आरोपियों ने महेंद्र साहू को कार से जबरन नीचे उतारा और चाकुओं से गले पर ताबड़तोड़ वार कर उनकी हत्या कर दी।

इंडिगो फ्लाइट में देरी से नाराज यात्रियों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर शनिवार को पूर्णिया जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट लेट हो गई। इससे यात्रियों में गुस्सा फैल गया, जिन्होंने कहा कि एक दिन पहले भी सर्विस में दिक्कतें आई थीं। यात्रियों के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट 6ई 9076, जो दिल्ली से पूर्णिया जाने वाली थी, शुक्रवार को कैंसिल होने के बाद शनिवार को भी लेट हो गई, जिससे उन्हें अपने टिकट दोबारा बुक करने पड़े हैं।

मप्र पुलिस में सिंघम बनेंगे अब थर्ड जेंडर

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस में अब किन्नर भी भर्ती हो सकेंगे। गृह विभाग ने पुलिस भर्ती नियमों में संशोधन कर राजपत्र में सूचना जारी की है। इसके अनुसार थर्ड जेंडर को भी पुलिस भर्ती में मौका दिया जाएगा। इनको ओबीसी कैटेगिरी में माना जाएगा। मध्य प्रदेश के पुलिस बेड़े में अब एक नया और गौरवशाली अध्याय जुड़ने जा रहा है। अब हाथों में कानून की रक्षा का डंडा और कमर पर पिस्टल सजी होगी।

सामाजिक सद्भाव बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा

समाज को चलाने-जोड़कर रखने का कार्य 'सद्भावना' से ही संभव

राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के स्तर पर हम सभी एक

संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदू कोई संज्ञा नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो मत, पूजा पद्धति या जीवनशैली के आधार पर झगड़ा नहीं करता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि सामाजिक सद्भाव कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज का स्वभाव रहा है। समाज में सज्जन शक्ति का जागरण, आचरण में पंच परिवर्तन और निरंतर सद्भावना संवाद आज की अनिवार्य आवश्यकता है। यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई। प्रथम सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। मंच पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा तथा मध्यभारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय उपस्थित रहे। मध्यभारत प्रांत के 16 शासकीय जिलों के समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता इस बैठक की विशेषता रही। डॉ. भागवत ने कहा कि कानून समाज को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन समाज को चलाने और जोड़कर रखने का कार्य सद्भावना ही करती है। विविधता के बावजूद एकता ही हमारी पहचान है। बाहरी रूप से हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के स्तर पर हम सभी एक हैं। इसी विविधता में एकता को स्वीकार करने वाला समाज हिंदू समाज है। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई संज्ञा नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो मत, पूजा पद्धति या जीवनशैली के आधार पर झगड़ा नहीं करता।

विविधता में एकता को स्वीकार करने वाला समाज हिंदू समाज

मिलना, संवाद करना और एक-दूसरे के कार्यों को जानना ही सद्भावना की पहली शर्त

पंडित मिश्रा ने 'ग्रीन महाशिवरात्रि' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि घर-घर मिट्टी के शिवलिंग की पूजा सामाजिक समरसता का सशक्त उदाहरण

अखंड भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक

संघ प्रमुख ने कहा कि समाज में भ्रम फैलाकर जनजातीय और अन्य वर्गों को यह कहकर तोड़ने का प्रयास किया गया कि वे अलग हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हजारों वर्षों से अखंड भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक है। संकट के समय ही नहीं, बल्कि हर समय सद्भावना बनाए रखना आवश्यक है। मिलना, संवाद करना और एक-दूसरे के कार्यों को जानना ही सद्भावना की पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि समर्थ को दुर्बल की सहायता करनी चाहिए।

सभी समाजों ने बताया अपना अपना योगदान

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तेली साहू समाज की ओर से मेवा लाल साहू ने बताया कि समाज 1911 से घर वापसी और आर्थिक उन्नयन के लिए कार्य कर रहा है। जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र जैन ने पर्यावरण संरक्षण, गोशाला संचालन, स्वास्थ्य सेवा, रक्तदान और शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे कार्यों की जानकारी दी। मीणा समाज सेवा संगठन के गोमनिवास रावत ने प्रकृति संरक्षण, पौधारोपण और पर्यावरण जागरूकता के प्रयासों का उल्लेख किया।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा

संघ और शिव के भाव में अद्भुत समानता

पहले सत्र में पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि सभी समाज अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन यह प्रश्न भी आवश्यक है कि हमने राष्ट्र के लिए क्या किया और राष्ट्र को क्या दिया। उन्होंने कहा कि संघ और शिव के भाव में अद्भुत समानता है। जैसे शिव ने समस्त सृष्टि के लिए विष पीया, वैसे ही संघ प्रतिदिन आरोपों का विष पीकर भी संयम और राष्ट्रहित में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि जन्म चाहे किसी भी जाति में हुआ हो, पहचान अंततः हिंदू, सनातनी और भारतीय की ही है। प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रोत्थान और समाजोत्थान की अद्भुत क्षमता है। धर्मांतरण को उन्होंने केवल वर्तमान पीढ़ी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करने वाला गंभीर षड्यंत्र बताया और इसके प्रति समाज को सजग रहने का आह्वान किया।

इंदौर में 18 जनवरी को है मैच

भारत-न्यूजीलैंड तीसरे वन-डे मैच के टिकट 5 मिनट में बिके

सुबह 5 बजे खुली बुकिंग, कई फैंस रह गए खाली हाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वन-डे सीरीज के तीसरे मुकाबले को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। इंदौर के होलकर स्टेडियम में 18 जनवरी को होने वाले इस मैच के टिकट महज 5 मिनट में ही बिक गए। शनिवार सुबह लोग नींद से जागते, उससे पहले ही टिकट सोल्ड आउट हो चुके थे। शनिवार सुबह ठीक 5 बजे टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू हुई थी।

भारतीय टीम का ऐलान श्रेयस की हुई वापसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान किया गया। चोट के बाद वापसी कर रहे शुभमन गिल ही भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, श्रेयस अय्यर को उपकप्तानी सौंपी गई है।

बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर केकेआर से बाहर

बीसीसीआई के निर्देश के बाद शाहरुख की टीम ने निकाला

एजेंसी ⏭ मुंबई

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के कारण विरोध था

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद बीसीसीआई ने शाहरुख खान की आईपीएल टीम केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। केकेआर ने ट्वीट किया- बीसीसीआई के निर्देश के बाद सभी जरूरी प्रक्रियाओं और आपसी परामर्श के बाद मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया गया है। आईपीएल नियमों के अनुसार बीसीसीआई ने केकेआर को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लेने की अनुमति दी है। इससे जुड़ी आगे की जानकारी समय आने पर साझा की जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा

पत्रकारों ने जब सवाल किया तो पीसी छोड़कर भागे कांग्रेस नेता

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेताओं को घेरा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। लगातार हिंदू युवकों की लिंचिंग के मामले सामने आ रहे, इसे लेकर भारत में आक्रोश है। कांग्रेस नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी ये मुद्दा उठा।

हालांकि, कांग्रेस नेता जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर बोलने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं वो पीसी छोड़कर उठ गए। इस पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शेयर किए गए वीडियो में बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर पूछे गए सवाल को ही काट दिया।

जयराम रमेश पीसी छोड़कर जाते हुए

उसे वीडियो में रखा ही नहीं है। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत के बारे में पूछा गया, तो जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल वहां से चले गए। सोचिए, अगर यही सवाल गाजा के बारे में होता तो कितना हंगामा होता, प्रेस कॉन्फ्रेंस होतीं और बयान दिए जाते!

प्रयागराज में माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ

'पौष पूर्णिमा' स्नान पर्व में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार को माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। संगम तट की ओर तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने पुण्य लाभ अर्जित किया। पहले ही दिन मेले क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। माघ मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा› पौष पूर्णिमा स्नान पर्व शांतिपूर्ण रहा। मेले की सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व बताई जा रही है। पूरे मेला क्षेत्र में 400 से अधिक एआई-इनेबल्ड सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके जरिए हर गतिविधि पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। इसके अलावा ड्रोन के माध्यम से भी भीड़ और यातायात की लगातार निगरानी की जा रही है।

द्वितीय दिवस पर देश-विदेश के विद्वानों ने रखे विचार

रामायण के मूल्य से हो सकती है रामराज्य की 'संकल्पना' साकार

रामकथा की सर्वकालिक प्रासंगिकता को बताया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस में आयोजित विभिन्न सत्रों में रामायण के सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, दार्शनिक एवं वैश्विक आयामों पर गहन विमर्श हुआ। देश-विदेश से आए विद्वानों, शोधकर्ताओं और कलाकारों ने रामकथा की सर्वकालिक प्रासंगिकता को विविध दृष्टिकोणों से प्रस्तुत किया। द्वितीय दिवस के आठवें सत्र में 'रामायण एवं पर्यावरणः संरक्षण और संवर्धन' विषय पर वक्ताओं ने विचार रखे। बांग्लादेश से आए डॉ. सरीन ने कहा कि यदि रामचरितमानस के मूल्यों को व्यवस्थित रूप से समाज में लागू किया जाए, तो आधुनिक युग में भी रामराज्य की संकल्पना साकार हो सकती है। थाईलैंड की डॉ. करुणा शर्मा ने रामायण के अंतिम प्रसंगों में रावण (थोसाकन) की मनःस्थिति का विश्लेषण करते हुए रामचरितमानस और थाई रामायण रामाकियन के अंतर बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

समारोह में शामिल अतिथिगण

सिंघल प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रशिक्षण लेने जाने वाले थे, अब बाद में जाएंगे

इंदौर में पक्ष और विपक्ष के कार्यकर्ताओं के बीच दिनभर चली नोकझोंक

आईएएस क्षितिज सिंघल को इंदौर नगर निगम का कमिश्नर बनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

इंदौर में सीवर का जहरीला पानी पीने से हुई 15 मौतों के बाद राज्य सरकार ने नगर निगम कमिश्नर दिलीप कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से हटा दिया था। उनकी जगह पर 2014 बैच के आईएएस क्षितिज सिंघल को नगर निगम कमिश्नर के पद पर पदस्थ किया गया है।सिंघल अभी तक मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल में एमडी के पद पर पदस्थ थे। सिंघल को एक दिन बाद ही लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रशिक्षण के लिए जाना था। हालांकि, अब वे प्रशिक्षण बाद में प्राप्त करेंगे। उन्हें तत्काल अपनी ज्वॉनिंग देने के लिए कहा गया है। यादव को लेकर दो तीन दिनों से गतिरोध बना हुआ था। यहां तक कि खुद महापौर पुष्यमित्र ने यादव की शिकायत करते हुए आरोप लगाया था उनकी बातें ही नहीं सुनी जा रही है, ऐसे में महापौर रहने का कोई मतलब नहीं रहता।

कांग्रेस द्वारा गठित जांच कमेटी के सदस्य और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित कई विधायक और नेता प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे, भाजपा ने किया विरोध

क्षितिज सिंघल

आज कांग्रेस भाजपा नेताओं के घर घड़ियाल बजाएगी

कांग्रेस द्वारा गठित जांच कमेटी के सदस्य और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित कई विधायक और नेता प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे। कांग्रेस के इस दौरे का भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुरजोर विरोध किया, जिसके चलते दोनों दल आमने-सामने आ गए। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने घोषणा की कि इस त्रासदी के विरोध में शनिवार को कांग्रेस पूरे प्रदेश में भाजपा के बड़े नेताओं के घरों के बाहर घड़ियाल बजाकर सोई हुई सरकार को जगाने का काम करेगी। हालांकि, कमेटी के सदस्य जयवर्धन सिंह इस दौरे में शामिल नहीं हो सके।

चूड़ियां, काले झंडे और धक्का-मुक्की

कांग्रेस नेताओं के पहुंचने से पहले ही भाजपा कार्यकर्ता भारी संख्या में भागीरथपुरा में जमा हो गए थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन्हें क्षेत्र में घुसने से रोकने की कोशिश की। माहौल तब और तनावपूर्ण हो गया जब कुछ महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं की ओर चूड़ियां फेंकी और काले झंडे दिखाए। इस दौरान पुलिस को स्थिति संभालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की मौत

खोकन चंद्र दास ने इलाज के दौरान तोड़ा दम, भीड़ ने लगाई थी आग

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शरियतपुर जिले के बाजार में मेडिकल स्टोर चलाने वाले हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार सुबह ढाका के नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट में इलाज के दौरान मौत हो गई। नए साल की पूर्व संध्या पर हमलावरों ने उन पर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था। डॉक्टरों के मुताबिक, खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

मृतक खोकन दास

डॉक्टरों के मुताबिक खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली

शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था

आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

31 दिसंबर की रात किया था हमला

यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुदिया उपजिला के कोनेश्वर यूनियन स्थित केउरभांगा बाजार के पास हुई। दुकान बंद कर घर लौट रहे खोकन दास को रास्ते में बदमाशों ने रोका, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

पहचान होने पर की हत्या

खोकन दास की पत्नी सीमा दास ने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच और सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। रिश्तेदार प्रांतो दास ने कहा कि दोषियों को बख्शा न जाए।

दो आरोपी पहचाने गए

दामुदिया थाने के प्रभारी मोहम्मद रबिउल हक के अनुसार, पुलिस ने दो आरोपियों रब्बी और सोहाग की पहचान कर ली है। दोनों स्थानीय निवासी हैं और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। अन्य संभावित आरोपियों की भी तलाश जारी है।

दिसंबर माह में पांचवें हिंदू व्यक्ति की मौत

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजोल देबनाथ ने कहा कि दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत है और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यक समुदायों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। इस महीने अल्पसंख्यकों पर सात हमले दर्ज किए हैं। देबनाथ ने कहा कि किसी व्यक्ति या उसके घर को जलाने के लिए पेट्रोल या बारूद का इस्तेमाल करना सिर्फ आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि एक अशुभ संकेत है... शायद हम एक कट्टरपंथी (दक्षिणपंथी) संस्कृति के उदय के साक्षी बन रहे हैं।

वायरल वीडियो में छात्र नेता का दावा

एसआई संतोष को हमने जिंदा जलाया

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में बांग्लादेश का एक कथित छात्र नेता खुलेआम एक हिंदू पुलिस अफसर की लिंचिंग पर डींग मारता दिखाई दे रहा है। यह वीडियो 'एक्स' पर एक पत्रकार और लेखक साहिदुल हसन खोकोन ने शेयर किया था। वीडियो में युवक खुद को हबीगंज जिले का छात्र समन्वयक बताते हुए पुलिस अधिकारियों को खुलेआम धमकी देता नजर आता है। वह कहता है कि जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान उन्होंने एक पुलिस स्टेशन को आग के हवाले कर दिया था और हिंदू सब-इंस्पेक्टर संतोष भाभू को जिंदा जला दिया।

पुराने जख्म एक बार फिर हरे

इस बयान ने अगस्त 2024 में हुई उस भयावह घटना को फिर से चर्चा में ला दिया है, जब हबीगंज जिले के बनियाचोंग थाने में तैनात सब-इंस्पेक्टर संतोष भाभू की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

खबर संक्षेप

उमर-शरजील की बेल पर कल होगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अन्य की जमानत याचिकाओं पर 5 जनवरी को अपना फैसला सुनाएगा। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ इस मामले में निर्णय सुनाएगी। शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को इन आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपस्थित थे।

'फर्जी' डिग्री में दो लोग भगोड़े अपराधी घोषित

शिमला। शिमला की विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम अदालत ने हिमाचल प्रदेश के कथित फर्जी डिग्री घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में राज्य के एक निजी विश्वविद्यालय के दो प्रवर्तकों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत मनदीप राणा और उसकी मां अशोनी कंवर के खिलाफ यह घोषणा की गई है। ये दोनों सोलन स्थित मानव भारती विश्वविद्यालय के प्रवर्तक हैं और कंवर का पति राजकुमार राणा विश्वविद्यालय का मुख्य प्रवर्तक है।

एआईएमएसए की जयशंकर से गुहार

ईरान में फंसे 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र, कदम उठाएं

ईरान में सड़कों पर प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान में लगातार फैल रहे हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएमएसए) के फॉरन स्टूडेंट विंग ने शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से दखल देने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि इस समय करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र मध्य-पूर्व के इस देश में हैं, जहां कई शहरों में अशांति फैलती जा रही है। इस चिट्ठी में ईरान में मौजूद भारतीय मेडिकल छात्रों और उनके परिवार वालों में सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की अपील की गई है। बता दें, ईरान में विरोध प्रदर्शन छठे दिन में प्रवेश कर गए हैं। कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन और गिरफ्तारियों की खबरें हैं। अमेरिका स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी (एचआरएएनए) ने बताया कि अब तक 10 प्रदर्शनकारी मारे जा चुके हैं और दर्जनों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शन की शुरुआत सोमवार को हुई, जब तेहरान में कारोबारियों ने बाजार को बंद किया।

छात्र और परिवार वाले गहरी चिंता में

शुक्रवार को एआईएमएसए ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर उनसे दखल की मांग की थी, ताकि वहां रह रहे भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, खासकर जो घाटी से हैं और ईरान में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। अब शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखी चिट्ठी में एआईएमएसए के जम्मू और कश्मीर यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद मोमिन खान ने कहा कि ईरान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा और हितों को लेकर बढ़ती हुई चिंता की ओर आपका ध्यान खींचना चाहता हूं। ईरान की जमीनी स्थिति को देखते हुए वे छात्र और उनके परिवार वाले बहुत ज्यादा दहशत में हैं।

ऐहतियाती कदम उठाने की अपील

एसोसिएशन ने विदेश मंत्रालय से सभी एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया है, जिसमें इमरजेंसी हेल्पलाइन स्थापित करने के अलावा जरूरत पड़ने पर वहां से निकालने की योजना भी शामिल है। भारत सरकार से विनम्र निवेदन करता है कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रखे और ईरान में मौजूद भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा, सलामती और बिना किसी रुकावट के संपर्क सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय और एहतियाती कदम उठाए।

अमेरिका की गिरफ्त में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी

ट्रंप का बड़ा आरोप- मादुरो मादक पदार्थ तस्करों और आतंकी संगठनों के मददगार, छोड़ेंगे नहीं

एजेंसी ▶▶ काराकस

अमेरिका ने शनिवार को दक्षिण अमेरिका में वेनेजुएला पर हमला बोला। यह हमला राजधानी काराकास में किया गया। इस घटना के कई वीडियो वायरल हुए, जिसके बाद खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि की।

अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं। वेनेजुएला में लोकतंत्र खत्म हो चुका है और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा था। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अवैध गतिविधियों और हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे। अमेरिका के न्याय विभाग ने 2020 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो पर नार्को-आतंकवाद के गंभीर आरोप लगाए थे। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दायर कई अभियोगों में कहा गया कि मादुरो और उनके सहयोगियों ने वेनेजुएला को मादक पदार्थ तस्करों और आतंकी संगठनों के हित में काम करने वाले एक आपराधिक उद्यम में बदल दिया। इस नेटवर्क के जरिए अरबों डॉलर की लूट की गई।

अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं। वेनेजुएला में लोकतंत्र खत्म हो चुका है और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा था। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अवैध गतिविधियों और हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे

2020 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो पर नार्को-आतंकवाद के गंभीर आरोप लगे थे

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस

सब तेल के लिए हुआ: रक्षा मंत्री

निकोलस मादुरो को बंधक बनाए जाने के बाद वेनेजुएला के रक्षा मंत्री जनरल व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने कहा, यह हमला देश पर अब तक का सबसे बड़ा अत्याचार है। उन्होंने हम पर हमला किया है, लेकिन वे हमें हरा नहीं पाएंगे, हम प्रतिरोध की एक अटूट दीवार बनाएंगे।

तेल सेक्टर खोलने का दबाव

2013 में वेनेजुएला में वामपंथी राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की मौत के बाद निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने। तबसे लेकर अब तक वेनेजुएला की विदेश नीति अमेरिका के प्रति जैसी की तैसी ही बनी हुई है। हालांकि, अमेरिका लगातार वेनेजुएला पर अपने तेल सेक्टर को खोलने का दबाव बनाने के लिए तरह-तरह के प्रतिबंध लगाता रहा है। इससे वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ा है।

तेल, सोना और गैस का बड़ा भंडार

अर्थशास्त्रियों के अनुसार वेनेजुएला के पास है दुनिया में सर्वाधिक 303 अरब बैरल से अधिक का तेल भंडार, 8900 टन सोना, 2.8 करोड़ टन निकेल, दुनिया में 8वें स्थान पर 201 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस, 14600 टन लोहा और बॉक्साइट 32 करोड़ टन है। अगर अमेरिका की इस तक पहुंच होती है तो ट्रंप प्रशासन तेल खरीद पर निर्भर नहीं रहेगा।

बस ड्राइवर से राष्ट्रपति तक का सफर

निकोलस मादुरो राजनीति में आने से पहले राजधानी काराकास में एक बस ड्राइवर थे। अपने इसी पेशे के दौरान ही पहली बार उनका राजनीति से परिचय तब हुआ, जब उन्हें बस ड्राइवरों की यूनियन का नेता चुना गया। 1992 में जब वेनेजुएला में सैन्य अफसर रह चुके ह्यूगो शावेज ने सरकार के तख्तापलट की असफल कोशिश की तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। 2012 में शावेज को कैंसर का पता चला और उन्होंने मादुरो को उपराष्ट्रपति नामित किया। शावेज ने मादुरो को अपना उत्तराधिकारी चुना था।

अंतिम वर्ष में जल सहयोग जारी

भारत-बांग्लादेश ने शुरू की गंगा पद्मा नदियों की संयुक्त माप

फरक्का बांध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश ने गुरुवार से गंगा और पद्मा नदियों पर संयुक्त जल माप की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब 30 साल पुरानी गंगा जल बंटवारा संधि अपने अंतिम वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। यह संधि वर्ष 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हस्ताक्षरित हुई थी और इसकी अवधि दिसंबर 2026 में समाप्त होनी है। बांग्लादेश में पद्मा नदी पर हार्डिंग ब्रिज से करीब 3,500 फीट ऊपर एक बिंदु पर जल माप शुरू की गई है। वहीं भारत में गंगा नदी पर फरक्का बिंदु पर भी संयुक्त माप की जा रही है। यह प्रक्रिया दोनों देशों के जल संसाधन विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में की जा रही है। संयुक्त माप के लिए भारत की ओर से दो सदस्यीय टीम बांग्लादेश पहुंची है।

चमोली के नीती घाटी में पहली बर्फबारी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में भारत चीन सीमा से लगी नीती घाटी में साल की पहली बर्फबारी देखने को मिली है। सैलानी लंबे समय से बर्फबारी का इंतजार कर रहे थे। अब नीती घाटी के आखिरी बसे गांव में मौसम की पहली बर्फबारी हुई। जिससे अल्पाइन वनस्पति बर्फ की चादर से ढक गई। नीती घाटी बर्फ की चादर ओढ़े नजर आई, यहाँ पर बर्फबारी का सुन्दर दृश्य देखने को मिल रहा है।

अमेरिका में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत

सुपीरियर। अमेरिका में एरिजोना के पहाड़ी इलाके में एक हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि यह दुर्घटना फीनिक्स से लगभग 103 किलोमीटर पूर्व में स्थित टेलीग्राफ कैन्यन के पास शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। हेलिकॉप्टर में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 59 वर्षीय पायलट, 21 वर्षीय दो महिलाएं और 22 वर्षीय एक अन्य महिला शामिल हैं। 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' (एफएए) और 'नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड' (एनटीएसबी) दुर्घटना की जांच कर रहे हैं।

मेयर बनने पर किया था पंजाबी डांस

मेयर ममदानी ने बंगाली खाने का उठाया लुत्फ, कामकाज संभाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यूयॉर्क शहर के नए मेयर जोहरान ममदानी का ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस समारोह के दौरान ममदानी पंजाबी गाने पर थिरकते नजर आए। अब ममदानी ने अपने मेयर बनने के दूसरे दिन बंगाली व्यंजनों का लुत्फ उठाया है।

ममदानी ने बंगाली भोजन की तस्वीर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर की है। जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि 'दूसरे दिन का

जोहरान ममदानी

सबसे अच्छा अंत, बोइशाखी से चिकन रोस्ट और आलू भर्ता।' ममदानी ने जन भागीदारी कार्यालय की स्थापना के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य न्यूयॉर्क के लोगों को सरकारी निर्णयों में भाग लेने म मदद करना है।

ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तूफान से प्रभावित श्रीलंका को मदद जारी

कैंडी में 100 फीट लंबे बेली ब्रिज का निर्माण जारी

बुनियादी ढांचे और सड़क नेटवर्क को बहाल करने जुटी भारतीय सेना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

श्रीलंका में बुनियादी ढांचे की बहाली और आपसी सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय सेना द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन 'सागर बंधु' के तहत एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। भारतीय सेना के इंजीनियरों ने किलिनोच्ची, जाफना में क्रिटिकल ड्यूल कैरिजवे बेली ब्रिज को सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद अब कैंडी के केएम-21 क्षेत्र में 100 फीट लंबे बेली ब्रिज के निर्माण की दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। इस पुल के निर्माण से बी-492 हाईवे पर बाधित संपर्क बहाल होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

चिलाव क्षेत्र में पुल बनाने की तैयारियां शुरू की

श्रीलंका में नए पुल और सड़क का निर्माण करती भारतीय सेना

श्रीलंका ने भारतीय सहयोग को सराहा

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि किलिनोच्ची, जाफना में महत्वपूर्ण डबल लेन बेली ब्रिज को सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद, भारतीय सेना के इंजीनियरों ने बी-492 हाईवे पर कनेक्टिविटी बहाल करने के लिए केएम-21, कैंडी में 100 फीट बेली ब्रिज के निर्माण के लिए साइट को बेहतर बनाने का काम शुरू कर दिया है। मेजर जनरल रोहन मेडागोडा, जीओसी 11 डिवीजन और ब्रिगेडियर सीडी विक्रमनायके, श्रीलंकाई सेना के फील्ड चीफ इंजीनियर ने ब्रिज साइट का दौरा किया, श्रीलंका को सहायता देने के लिए सैनिकों के प्रयासों और भारतीय सेना के इंजीनियरों और श्रीलंकाई सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा पुल बनाने के इस चुनौतीपूर्ण काम में दिखाए गए संयुक्त सहयोग की सराहना की।

एके-47 आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल

सुरक्षा बलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया, शव बरामद

एजेंसी ▶▶ बस्तर

रेंज में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीजापुर और सुकमा जिलों में चलाए गए सघन तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। मारे गए माओवादियों में कुख्यात माओवादी कोंटा एरिया कमेटी प्रभारी वेट्टी मंगडू उर्फ मुक्का और कोंटा एरिया कमेटी सचिव माड़वी हितेश उर्फहुंगा शामिल हैं। इन नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में एके-47, आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल जैसे अत्याधुनिक हथियार भी जब्त किए गए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है।

मारे गए नक्सलियों के शव

20 और नक्सलियों ने हथियार डाले

वहीं, हैदराबाद में पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है कि हैदराबाद में देवा समेत 20 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। देवा अपने साथियों के साथ तेलंगाना के मुलुगु पहुंचा था, जहां से पुलिस उसे हैदराबाद लेकर पहुंची थी। बड़ी संख्या में हथियार और कैश भी नक्सलियों ने सरेंडर किए हैं।

सूचना मिलते ही कार्रवाई शुरू: *बीजापुर और सुकमा जिलों के दक्षिणी इलाकों में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।*

भारतीय संस्कृति ज्ञान परंपरा के प्रवाहक आरिफ मोहम्मद का आगमन आज

चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस देश–विदेश के विद्वानों ने रखे विचार

जबलपुर

चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के तृतिय दिवस पर आज सुबह 11 बजे बिहार के राज्यपाल एवं भारतीय संस्कृति–ज्ञान परंपरा के प्रवाहक माननीय आरिफ मोहम्मद जी का आगमन हो रहा है। कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस में आयोजित विभिन्न सत्रों में रामायण के सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय एवं वैश्विक पक्षों पर गहन विमर्श हुआ।

द्वितीय दिवस के आठवें सत्र में "रामायण एवं पर्यावरण: संरक्षण और संवर्धन" विषय पर वक्ताओं ने विचार रखे। बांग्लादेश से आए डॉ. सरीन ने कहा कि यदि रामचरितमानस के मूल्यों को व्यवस्थित रूप से समाज में लागू किया जाए तो आधुनिक युग में भी रामराज्य की संकल्पना साकार हो सकती है।

थाईलैंड की डॉ. करुणा शर्मा ने रामायण के अंतिम क्षणों में रावण (थोसाकन) की मनःस्थिति पर प्रकाश डालते हुए रामचरितमानस और थाई रामायण रामाकियन के अंतर बिंदुओं की विवेचना की।

जीवन मूल्यों की सार्वकालिक प्रासंगिकता

प्रो. निशा पांडे ने रामायण में निहित जीवन मूल्यों की प्रासंगिकता बताते हुए कहा कि मानस का प्रत्येक पात्र हमें धर्म, कर्तव्य और राजनीति के संतुलित जीवन का मार्ग दिखाता है। उन्होंने धर्म के "पाँच स्तंभों" के माध्यम से विकास और धर्म की पुनः स्थापना पर बल दिया।

"रोम में राम" और वैश्विक रामकथा

"रोम में राम" विषय पर श्री नमः शिवाय अरजरिया, जिला पंचायत सीईओ (छतरपुर) ने बताया कि ईसा पूर्व 950–70 ई.पू. के कालखंड की एट्रस्केन सभ्यता की पेंटिंग्स इटली के संग्रहालयों में उपलब्ध हैं, जिनमें रामकथा के संकेत मिलते हैं। उन्होंने विभिन्न देशों की रामायण परंपराओं में पात्रों के दार्शनिक पक्ष पर विस्तार से चर्चा की।

मॉरीशस और थाईलैंड में जीवंत रामायण परंपरा

डॉ. वीनू अरुण (मॉरीशस) ने रामायण शोध संस्थान के माध्यम से युवाओं के बीच किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। वहीं श्री घनश्याम शर्मा ने मॉरीशस को बताते हुए कहा कि वहां विवाह और उत्सवों में भी राम से जुड़े गीत गाए जाते हैं। थाईलैंड से आए मिस्टर किट्टी पोंग ने हिंदी में वक्तव्य देते हुए बताया कि थाई रामायण रामाकियन को बच्चों और युवाओं को नृत्य के माध्यम से सिखाया जाता है तथा रामानंद सागर की रामायण का थाई अनुवाद भी किया गया है।

न्याय व्यवस्था में रामायण की भूमिका

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति पंकज गौर ने अपने शोध पत्र में जिला न्यायालय, उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार न्यायालयों ने अपने फैसलों में रामायण के संदर्भों का उपयोग किया है। उन्होंने भारतीय न्याय व्यवस्था में रामचरितमानस की उपादेयता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया।

रामायण स्कूल बना आकर्षण का केंद्र

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के हॉल–2 में प्रसिद्ध लेखक एवं राजनीतिक विश्लेषक डॉ. शांतनु गुप्ता द्वारा संचालित रामायण स्कूल विशेष आकर्षण रहा। विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। डॉ. गुप्ता ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सरल एवं रोचक शैली में संपूर्ण रामायण की प्रासंगिकता समझाई। इस अवसर पर श्रीमती अलका विश्नोई,डाक्टर नीना भूपेंद्र उपाध्याय,राजेन्द्र नेमा,अजय तिवारी सहित अनेक शिक्षाविद एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

पूज्य प्रज्ञाभारती के हुए प्रवचन सांय 7बजे से प्रज्ञाभारती जी के प्रवचन हुए ।आपने काव्य, नाट्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन कवि कोविद कहिए सके कहां ते पर सुदीप भोला ने श्री अभय सिंह निर्भीक एवं आलोक पाठक के साथ सामाजिक चेतना और समसामयिक विषयों पर आधारित काव्य प्रस्तुति दी। आलोक पाठक जी की कविता कैकई को कोष संघ कोसों डगर चलत कविता ने सभी को मंत्र मुक्त कर दिया।

छत्तीसगढ़ के रामनामी संप्रदाय के सदस्यों ने राम नाम की भक्ति परंपरा से सभी का ध्यान आकर्षित किया। रामनवमी संप्रदाय के लोग मुख्य रूप से भक्ति और राम नाम की महिमा पर आधारित हैं इसे छत्तीसगढ़ के प्राचीन संतों और भक्तों ने विकसित किया और इसका उद्देश्य लोगों में आध्यात्मिक जागरूकता फैलाना है इस संप्रदाय में राम के भजन कीर्तन और ध्यान पर विशेष जोर दिया जाता है यह संप्रदाय छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

नंदीग्राम की एक शाम के अंतर्गत डॉ. अखिलेश गुमास्ता ने किया भरत चरित्र का प्रभावशाली मंचन

श्रीलंका के डॉन डिनेश ने रावण से जुड़े प्राचीन संगीत वाद्य यंत्रों का वादन किया। पटना की नाट्य मंडली, थाईलैंड की कथक कलाकार मिस इन्कारत, तथा मणिपुर से आए कलाकारों की मणिपुरी रामलीला ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी मैत्रेय दीदी ,आयोजन अध्यक्ष अजय विश्नोई, आयोजन सचिव डॉक्टर अखिलेश गुमास्ता, विनोद गोटिया,एडवोकेट रवी रंजन, संकेत मालैया, राम जी अग्रवाल, सहित समिति के सभी सदस्य एवं संस्कारधानी वासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर 60 बस्तियों में हिंदू सम्मेलन की तैयारी, अक्षत कलश पूजन से हुआ शुभारंभ

मां नर्मदा के तट से गूंजा संगठन और संस्कार का संकल्प

हरिभूमि, जबलपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर नर्मदा जिला द्वारा प्रस्तावित जिले की 60 बस्तियों में आयोजित होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन की श्रृंखला का शुभारंभ मां नर्मदा के पावन तट से हुआ। इस अवसर पर विधिवत अक्षत कलश पूजन कर संकल्प के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धा, अनुशासन और संस्कार का अनुपम दृश्य देखने को मिला।

विधि विधान से हुआ अक्षत कलश पूजन-

माँ नर्मदा के पावन तट पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में वैदिक विधि-विधान के साथ अक्षत कलश पूजन संपन्न हुआ। कलश पूजन के साथ ही समाज को जोड़ने, संस्कृति को सशक्त करने और राष्ट्रभाव को जागृत करने का संकल्प लिया गया। शोभायात्रा के दौरान सेवा, संस्कार और संगठन के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए स्वयंसेवकों और नागरिकों ने सहभागिता की।

सनातन परंपराओं का भावपूर्ण स्मरण-

अक्षत कलश वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत गौ पूजन, कन्या पूजन, भारत माता पूजन एवं मां नर्मदा की दिव्य आरती का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से सनातन संस्कृति की जड़ों को स्मरण करते हुए समाज में नैतिक मूल्यों, श्रद्धा और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर आध्यात्मिक वातावरण और भक्तिभाव की अनुभूति होती रही।

समाज को जोड़ने का सशक्त प्रयास-

यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान न होकर समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बना। आयोजकों ने बताया कि जिले की 60 बस्तियों में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलन के माध्यम से राष्ट्र, संस्कृति और समाज के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक मजबूती दी जाएगी।

संतों और संघ पदाधिकारी रहे उपस्थित-

कार्यक्रम में पूज्यपाद महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद महाराज, पूज्य पगलानंद महाराज, उत्तम बैनर्जी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक ब्रजकांत, प्रहलाद पटैल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बालिग युवती को नाबालिग बताकर आरोपी को दी गई उम्रकैद की सजा निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में बालिग युवती को नाबालिग बताकर आरोपी को दी गई उम्रकैद की सजा को गंभीर भूल बताकर निरस्त कर दिया । जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस रामकुमार चौबे की डिवीजन बेंच ने आरोपी को दोषमुक्त करते हुए कहा कि लड़की बालिग थी और एक्स-रे रिपोर्ट में भी उसकी उम्र 18 साल से ज्यादा बताई गई। इसके बावजूद भी आरोपी को तीन साल तक जेल में रखकर उसके साथ अन्याय किया गया। न्यायालय ने मामले में फैसला सुनाने वाली महिला जज व सरकारी वकील को नोटिस जारी कर चेम्बर में स्पष्टीकरण पेश करने के निर्देश दिये ।ताकि आगे की कार्रवाई के निर्देश दिये जा सकें।

हाईकोर्ट ने महिला जज व सरकारी वकील को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

पनागर थानांतर्गत ग्राम तिलगवां में रहने वाले रवि कोल ने यह अपील दायर की है। इसके अनुसार,एक नाबालिग के दुष्कर्म करने के आरोप में आरोपी को जबलपुर की विशेष न्यायाधीश बरखा दिनकर की अदालत ने 30 नवम्बर 2023 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। रवि कोल पर आरोप था कि शादी का लालच देकर उसने एक नाबालिग लड़की का अपहरण करके उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर 31 जनवरी 2022 को माढ़ोताल थाने में प्रकरण दर्ज हुआ था। पूरे मामले का अवलोकन करने के बाद न्यायालय ने पाया कि पीड़िता बालिग थी, लेकिन नाबालिग मानकर आरोपी को उक्त सजा दी गई। जबकि मामला आपसी सहमति से बने संबंधों का है, जहां आरोपी को सजा नहीं होनी थी।

अधिकारियों को बेहतर कार्य करने के दिए निर्देश

कलेक्टर और निगमायुक्त ने की विकास कार्यों की समीक्षा

जबलपुर।

शहर के विकास और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ स्मार्ट सिटी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की प्रगति का बारीकी से विश्लेषण किया और शहर की तस्वीर बदलने के साथ अन्य कार्यों को भी बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पीएम आवास योजना की छह प्रमुख परियोजनाओंमोहनिया, कुदवारी, तेवर, परसवाड़ा (ए और बी) तथा तिलहरी की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आवासों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो और इन्हें समय सीमा के भीतर हितग्राहियों को सौंपा जाए।

कलेक्टर ने नगर निगम के स्वच्छता प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शहर का सीएनडी प्लांट और अन्य स्वच्छता इकाइयां बेहतर ढंग से कार्य कर रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर निगम के सुव्यवस्थित कचरा प्रबंधन और प्लांट संचालन के दम पर इस वर्ष स्वच्छता रैंकिंग में जबलपुर और भी शानदार सुधार दर्ज करेगा। शहर की जलापूर्ति और सीवर व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अमृत योजना के कार्यों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के कारण जनता को असुविधा न हो और सीवर व जल प्रदाय के प्रोजेक्ट्स को निर्धारित डेडलाइन में पूरा किया जाए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने पीएम स्वनिधि के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान स्मार्ट सिटी के परियोजनाओं की भी कलेक्टर ने समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया मप्र शील्ड से सम्मानित

जबलपुर। होम्योपैथिक मेडिकल असोसिएशन ऑफ इंडिया (**HMAI**) के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गोल्डेन जुबली समारोह विश्व बंगला कंवेंशन सेंटर, कोलकाता में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्या, मंत्री, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग थीं। इस अवसर पर डाक विभाग द्वारा **HMAI** पर विशेष कवर भी जारी किया गया। देश भर से 3,500 डेलिगेट शामिल हुए। डॉ. आर. के. चतुर्वेदी ने संस्था के 50 वर्षों के गौरवशाली इतिहास पर प्रदर्शनी लगाई, जो आकर्षण का केंद्र रही। समारोह में 130 शोध पत्रों का वैज्ञानिक सत्र भी आयोजित किया गया।गोल्डेन जुबली समारोह में मध्य प्रदेश राज्य शाखा को उत्कृष्ट कार्य के लिए शील्ड प्रदान किया गया। मध्य प्रदेश से 62 प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें डॉ. आर. के. चतुर्वेदी, डॉ. आर. के. गुप्ता (प्रदेश अध्यक्ष), डॉ. अवधेश भट्ट (महामंत्री), डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. ललित चतुर्वेदी, डॉ. वीरेंद्र साहू, डॉ. विकास विश्वकर्मा, डॉ. हुमा नाज और डॉ. अली मुख्य रूप से उपस्थित थे।

नगर निगम की जलापूर्ति व्यवस्था है दुरुस्त: कलेक्टर

कलेक्टर और निगमायुक्त ने खुद पानी पीकर जांची गुणवत्ता

जबलपुर। शहर के नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शनिवार को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने रमनगरा, भोंगाद्वार और गौर नदी स्थित जल शोधन संयंत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि स्वयं पानी पीकर उसकी शुद्धता को परखा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर और निगमायुक्त ने अपनी उपस्थिति में पेयजल की लैब टेस्टिंग करवाई। पानी के विभिन्न मानकों की जांच के बाद रिपोर्ट संतोषजनक पाई गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि शहर में की जा रही जल आपूर्ति पूरी तरह से पीने योग्य और मानक स्तर की है। स्वच्छता के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल की शुद्धता की डेली जांच सुनिश्चित की जाए। जल स्रोतों और पाइपलाइन में किसी भी प्रकार के लीकेज या प्रदूषण की संभावना को तुरंत खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों तक पहुंचने वाला पानी हर हाल में संक्रमण मुक्त होना चाहिए।

इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान नगर निगम का तकनीकी अमला भी सक्रिय रहा। मौके पर अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, सहायक यंत्री राजेश खंपरिया, उपयंत्री मंसूरी और शमीम खान सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्णिमा पर हुई नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा एवं शाही स्नान

जबलपुर। कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली 470 वीं नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा एवं शाही स्नान पोश पुर्णिमा पर भयंकर ठंड एवं कोहरे के बीच सुबह परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज जी की सूचहम उपस्थिति में पूज्य संत सवामी प्रकाशानंद महाराज रामेश्वरानंद जी महाराज योगी राजेश महाराज भोला दास जी महाराज पवन दास जी महाराज सानिध्य में संकीर्तन करते हुए निकाली गयी दुल दुल घोड़ी शेर संकीर्तन मंडल आकाड़ा नर्मदा जी के जयकारों के साथ हाथों में भगवाध्वज लिए निकल रहे थे। शाही स्नान हरे कृष्णा आश्रम से प्रारंभ होकर सरस्वती घाट तक गया जहां अखाड़े की विशेष प्रस्तुति के साथ पूजन अर्चन कर नर्मदा पंचकोशी पारिकर प्रारंभ हुई सरस्वती घाट में प्रयागराज संगम जैसा नजरा लग रहा था जब भव्य शाही स्नान हो रहा था। पंचकोशी आश्रम से होते हुए पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन से लमेटा घाट में नाव द्वारा पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सिद्धन माताजी के आश्रम के सामने से सरस्वती घाट में नाव पार करके आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा। हरे कृष्णा आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास महाराज के सानिध्य में बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण प्रसाद स्वरूप किया जाएगा।

मरम्मत से सुधरेगी आपूर्ति की व्यवस्था

जबलपुर। शहर की पेयजल व्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से व्यवस्थित और सुचारू बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन मुस्तैदी से जुट गया है। इसी कड़ी में, कोतवाली टैंक में तकनीकी सुधार करते हुए 'डक फूट बेंड' बदलने का कार्य किया जा रहा है।

भाजपा महिला नेत्री का वीडियो वायरल, गत दिनों रोका था सीएम का काफिला

खुद तीन-तीन मर्डर किए मैंने!

हरिभूमि, जबलपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार में मंत्री हों या पार्टी पदाधिकारी, बेलगाम बयानबाजी अब लगातार मुसीबत का कारण बनती जा रही है। ताजा मामला शनिवार को जबलपुर से सामने आया है, जहां भाजपा की एक महिला नेत्री से जुड़ा विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हल्कों में हलचल मच गई। मामला इतना संवेदनशील है कि इससे सत्ताधारी दल की जवाबदेही पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीएम का काफिला रोकने से शुरू हुआ विवाद-

भाजपा महिला नेत्री शिखा शर्मा पति केके शर्मा उस समय चर्चा में आई थी, जब उन्होंने गत दिनों सीएम डॉ. मोहन यादव का काफिला रोककर मदन महल पुलिस

पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि पुलिस ने एक दुकान मालिक से साठगांठ कर जबरन दुकान खाली करवाई। इस घटनाक्रम के बाद मामला राजनीतिक रंग ले बैठा।

दुकान मालिक के आरोप, कार्रवाई पर सवाल-

दूसरी ओर दुकान मालिक रवि पटेल का आरोप है कि दुकान एग्रीमेंट के आधार पर किराए पर दी गई थी, लेकिन शिखा शर्मा न तो किराया दे रही थीं और न ही दुकान खाली कर रही थीं। रवि पटेल ने मदन महल थाना और तहसीलदार कार्यालय में लिखित शिकायत भी की थी, परंतु प्रभावशाली राजनीतिक रसूख के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया।

वायरल वीडियो ने बढ़ाई मुश्किलें-

अब इस पूरे प्रकरण में नया मोड़ उस समय आया, जब शिखा शर्मा का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में वह स्वयं तीन-तीन हत्या करने का सनसनीखेज दावा करती दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं वीडियो में दो पुलिस अधिकारियों के नाम लिए जाने की भी चर्चा है। हालांकि वीडियो की प्रामाणिकता की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन इसके सामने आते ही शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

सत्ताधारी दल की साख पर सवाल-

इस घटनाक्रम ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि यदि सत्ताधारी दल की नेत्री इस तरह के बयान देती नजर आएं, तो आम जनता का भरोसा व्यवस्था पर कैसे कायम रहेगा। लोगों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच जरूरी है, ताकि सच सामने आ सके और कानून का राज स्थापित हो।

इनका कहना है-

वर्तमान में शिखा शर्मा महिला मोर्चा के किसी भी पद पर नहीं है। वीडियो की जानकारी मुझे नहीं है देखने के उपरांत ही कुछ बोलना मुनासिब होगा।

-अश्वनी पराजंपे, प्रदेश अध्यक्ष
भाजपा महिला मोर्चा

श्री बगलामुखी सिद्धपीठ में सूर्योपासना महायज्ञ का भव्य समापन

भगवान श्री सूर्य नारायण सर्वज्ञ और सर्वाधार हैं : ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्दजी

हरिभूमि, जबलपुर।

श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मढ़ाताल में विश्वकल्याण के संकल्प के साथ पौष मास के पावन अवसर पर मास पर्यन्त चली सूर्योपासना का समापन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। समापन दिवस पर सिद्धपीठ परिसर वेद मंत्रों की गूंज, धूप-दीप की सुगंध और भक्तों की आस्था से पूर्णतः आलोकित दिखाई दिया।

महारुद्राभिषेक और सहस्त्रार्चन से गूंजा सिद्धपीठ

समापन अवसर पर ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द जी महाराज एवं ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानन्द जी महाराज ने अपने करकमलों से भगवान सदाशिव का भव्य महारुद्राभिषेक किया। इसके पश्चात भगवान श्री सूर्य नारायण को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अर्घ्य अर्पित किया गया तथा 11 हजार पाटल पुष्पों से सहस्त्रार्चन सम्पन्न हुआ। वैदिक ब्राह्मणों द्वारा किए गए मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की सामूहिक सहभागिता से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया।

सूर्य सृष्टि के जीवन-तत्त्व और प्राणशक्ति

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द जी महाराज ने कहा कि भगवान श्री सूर्य नारायण सर्वज्ञ, सर्वाधार और समस्त सृष्टि के जीवन-तत्त्व हैं। सूर्य की प्रकाशमय किरणों से ही समस्त रूप, रंग और आकृतियाँ उत्पन्न होती हैं। सविता ही समस्त जगत के उत्पत्ति-स्थान हैं और वही जीवन-ज्योति के मूल स्रोत हैं। सूर्य प्राणशक्ति के रूप में सर्वत्र व्याप्त होकर समस्त चराचर को धारण किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि सहस्त्ररश्मि सूर्य प्रतिदिन उदित होकर हमारे जीवन को ऊर्जा, गति और दिशा प्रदान करते हैं। सूर्य के समान विश्व में कोई अन्य जीवनी शक्ति नहीं है, क्योंकि समस्त प्राणियों का अस्तित्व उन्हीं पर आश्रित है।

प्रतिदिन अर्घ्य और द्वादश नामों का स्मरण आवश्यक

ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द जी ने कहा कि प्रत्येक सनातनी को प्रतिदिन प्रातःकाल भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए तथा उनके द्वादश नामों आदित्य, दिवाकर, भास्कर, प्रभाकर, सहस्त्रांशु, त्रिलोचन, हरिदश्व, विभावसु, दिनकृत, द्वादशात्मक, त्रयीमूर्ति और सूर्य—का श्रद्धापूर्वक स्मरण करना चाहिए। इन नामों के जप से अशुभ स्वप्नों का नाश होता है, दुःख दूर होते हैं और जीवन में शुभता का संचार होता है।

आदित्य हृदय स्तोत्र से सुख, आरोग्य और मोक्ष

उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य कुष्ठनाशक, दारिद्र्य हरने वाले तथा समस्त तीर्थों के फल प्रदान करने वाले हैं। आदित्य हृदय स्तोत्र भगवान सूर्य को अत्यंत प्रिय है। जो साधक प्रतिदिन श्रद्धा और एकाग्रता के साथ इसका पाठ करता है, उसे सुख, संपत्ति, दीर्घायु, आरोग्य और अंततः मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गणमान्यजनों की रहीं गरिमामयी उपस्थिति

समापन अवसर पर आचार्य राजेंद्र शास्त्री, महापौर जगतबहादुर सिंह 'अन्नू', विधायक अभिलाष पांडेय, विधायक अशोक रोहानी, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, कुलपति राजेश वर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, नगर भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, संदीप जैन, पंकज दुबे, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. दीपक बहरानी, बालकृष्ण पटेल, आर शतीश कुमार, अनुराधा शरीन, विश्रांति ठाकुर, प्रभा यादव, मधु यादव, चन्द्रशेखर पटेल, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, आशीष चौकसे, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, पीयूष दुबे, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य ,राज गुप्ता, गोविंदा साहू, शिव गुप्ता, लकी शर्मा, सुनील गुप्ता, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, मीडिया प्रभारी मनोज सेन समेत अनेक जनप्रतिनिधि, विद्वानजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ब्रेल दिवस पर दिव्यांग प्रकोष्ठ ने आयोजित किया कार्यक्रम

जबलपुर। दिव्यांग प्रकोष्ठ, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल कॉलेज जबलपुर द्वारा विश्व ब्रेल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार है। उन्होंने बताया कि शासकीय महाकौशल कॉलेज प्रदेश का पहला महाविद्यालय है, जहां दृष्टिबाधित दिव्यांग विद्यार्थियों के असाइनमेंट एवं क्लास टेस्ट ब्रेल लिपि में लिए जाएंगे। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि विश्व ब्रेल दिवस का उद्देश्य ब्रेल लिपि के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, जिससे दृष्टिबाधित व्यक्तियों को शिक्षा, सूचना और संचार में समान अवसर मिल सकें। डॉ. शिवेन्द्र परिहार ने ब्रेल लिपि को दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए स्वतंत्र अध्ययन और उच्च शिक्षा में सफलता का माध्यम बताया। कार्यक्रम में डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. अंजली कनौजिया, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, श्रीमती लल्ला बाई लोधी, डॉ. प्रज्ञा रामगिरी, डॉ. संज्ञा सिंह, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत सहित लगभग 42 दिव्यांग विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी अरुण यादव सम्मानित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ द्वारा पूर्व हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी जगत के बेताज बादशाह के नाम से विख्यात अरुण यादव (लड्डू भैया) को सम्मानित किया गया। जागरूक खेल संघ के प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि संघ द्वारा समय-समय पर शहर के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को उनके खेल योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में अरुण यादव को पुष्पमाला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि अरुण यादव न केवल अपने समय के ख्यातिप्राप्त हॉकी खिलाड़ी रहे हैं, बल्कि वे लंबे समय से खेल जगत में सक्रिय रहकर उभरते खिलाड़ियों को मार्गदर्शन भी दे रहे हैं। उनकी खेल के प्रति निष्ठा, समर्पण और खेल भावना को देखते हुए यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर अब्दुल क़यूम, सुनील यादव, राकेश श्रीवास, फ्रांसिस एंथोनी, क्रिस्टोफर नरोन्हा, क्लेमेंट पायस, राजकुमार बावरिया, हरीश बहोरिया, राजकुमार यादव, धनराज पिल्ले, तेजभान सिंह, शशिरमन स्वामी, कुलदीप सिंह, रिंकू पीटर सहित अनेक खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

माँ बगलामुखी मंदिर में पं. चैतन्यानंद महाराज ने किया कैलेंडर का विमोचन

जबलपुर। शासन द्वारा मान्यता प्राप्त मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला शाखा जबलपुर के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन सिविक सेंटर स्थित बगलामुखी माता मंदिर प्रांगण में पंडित चैतन्यानंद ब्रम्हचारी महाराज द्वारा किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने माता बगलामुखी का पूजन अर्चना किया व महाराज श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया, तत्पश्चात कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों का नववर्ष मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला शाखा जबलपुर के कैलेंडर में आकस्मिक अवकाश, ऐच्छिक अवकाश एवं स्थानीय अवकाश, अधिकारियों के फोन नंबर, कार्यालयों की जानकारियां, पेंशन कार्यालय, कोषालय कार्यालय के साथ ही जरूरी कार्यालयों से संबंधित अधिकारियों के संबंध में जानकारियां दी गई हैं। कर्मचारी हितैषी बहुमुखी कैलेंडर में अवकाश समाहित किये गए हैं। कर्मचारी आवश्यकता के अनुसार अवकाश का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। कैलेंडर विमोचन के दौरान योगेन्द्र दुबे, अटल उपाध्याय, देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, छाया पवार, बृजेश मिश्रा, वीरेन्द्र चंदेल, अमर ग्रावकर, मुकेश सिंह, अर्जुन सोमवंशी, राजाराम डेहरिया, राहुल पांडेय आदि उपस्थित रहे।

पौष पूर्णिमा पर किया कलश यात्रा व भंडारे का आयोजन

जबलपुर। पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर अखिल भारतीय मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति जबलपुर द्वारा सीताराम आश्रम, सरस्वती घाट भेड़ाघाट में कलश यात्रा एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। माघ मास के प्रथम दिवस पर महंत बालयोगी कृष्ण दास महात्यागी महाराज एवं साध्वी श्री कल्याणी दासी माता के सानिध्य में कल्पवासियों ने सीताराम संकीर्तन करते हुए मां नर्मदा के पावन तट पर 108 ध्वजों के साथ कलश यात्रा निकाली और विधिवत पूजन-अर्चन किया। समिति के उपाध्यक्ष मोहित तिवारी ने बताया कि विगत 10 वर्षों से नर्मदा तट पर प्रयागराज की तर्ज पर माघ मास कल्पवास का आयोजन किया जा रहा है। माघ मास में संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे के मुखारबिंद से एक माह तक श्रीमद् भागवत अमृत कथा, प्रभात फेरी एवं संकीर्तन आयोजित होंगे। कार्यक्रम के अंत में पौष पूर्णिमा के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव सुरेश विश्वकर्मा, सहसचिव दीपक तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

जबलपुर में स्किन, हेयर और प्लास्टिक सर्जरी उपचार संभव

जबलपुर। डॉ. निधि गुप्ता द्वारा गोलबाजार, नेशनल हॉस्पिटल के पास संचालित सर्जरी क्लीनिक चेहरे की सफाई, एंटी एजिंग, जैसी आधुनिक सेवाएं प्रदान कर रही है। विशेषज्ञ डॉक्टर व आधुनिक तकनीक क्लीनिक की प्रमुख डॉ. निधि गुप्ता एमबीबीएस, एमडी (स्किन एंड वीडी) हैं तथा कोलकाता के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज से प्रशिक्षित हैं। यह जबलपुर का पहला केंद्र है जहां स्किन, हेयर और प्लास्टिक सर्जरी सभी उपचार एक छत के नीचे उपलब्ध है। सर्जरी क्लीनिक, 712 गोलबाजार, नेशनल हॉस्पिटल के पास जबलपुर में स्थित है।

खितौला बस स्टैंड पर अवैध पार्किंग से यात्री व छात्राएं परेशान

सिहोरा। उप नगर खितौला के बस स्टैंड परिसर में लोडिंग वाहनों की अवैध पार्किंग से यात्री सुविधाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। बस स्टैंड के सामने सामुदायिक भवन के पास बेतरतीब खड़े भारवाहक वाहनों के कारण यात्रियों के साथ-साथ समीप स्थित यशोदा बाई कन्या शाला की छात्राओं को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड का पक्कीकरण, प्रतीक्षालय व शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, लेकिन पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। बसों को स्टैंड में जगह न मिलने के कारण वे मुख्य मार्ग पर सवारियां उतारती हैं, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। रेलवे स्टेशन नजदीक होने से यात्रियों का दबाव अधिक रहता है और लोगों को सड़क किनारे खुले में बसों का इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध पार्किंग के चलते असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी बढ़ रहा है। बावजूद इसके नगर पालिका व प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

विधायक लखन घनघोरिया ने संजय गांधी वार्ड में कई निर्माण कार्यों का किया शुभारंभ

जबलपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक लखन घनघोरिया ने संजय गांधी वार्ड क्रमांक 41 में अनेक विकास कार्यों का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। मक्का नगर गली नंबर 4, राजीव नगर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वार्डवासी महिला-पुरुष उपस्थित रहे। वार्ड पार्षद मोहम्मद कलीम खान ने बताया कि विधायक लखन घनघोरिया की सक्रियता और प्रयासों से संजय गांधी वार्ड में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। शुभारंभ किए गए कार्यों में मक्का नगर गली नंबर 3 में नाली निर्माण, गली नंबर 4 में सड़क निर्माण, आजाद नगर गली नंबर 4 में दोनों ओर नाली निर्माण तथा राजीव नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर नालियों के निर्माण कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष आजम अली खान, हाजी डॉ. असलम खान, अबरार अंसारी, इरशाद भाई, नईम खान, इरफान अली, महबूब खान, नियाज अहमद, अब्दुल गफ्फार, गुलशेर अहमद, मोहसिन अंसारी, शेख शहादत मंसूरी सहित सैकड़ों क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

"एक बगिया माँ के नाम" योजना से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

पनागर। जनपद पंचायत पनागर अंतर्गत ग्राम फूटाताल में "एक बगिया माँ के नाम" योजना के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और मातृ-सम्मान का संदेश देने की अनूठी पहल की गई है। जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपाल अधिकारी आयुषी उपाध्याय ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल वृक्षारोपण के साथ भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक चेतना को भी प्रोत्साहित करती है। योजना के अंतर्गत आधा एकड़ से 5 एकड़ भूमि रखने वाले किसान लाभ ले सकते हैं। किसानों को प्रति एकड़ 100 हाइब्रिड फलदार पौधे निःशुल्क दिए जाएंगे। साथ ही प्रोत्साहन राशि, तार फेंसिंग सुविधा तथा पौधों की देखभाल के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। इस योजना से फल उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इच्छुक किसान योजना का लाभ लेने के लिए अपनी ग्राम पंचायत से संपर्क कर सकते हैं।

रोमांचक मुकाबले में नेशनल क्लब मझौली ने झांसी को हराया

मझौली।

श्री विष्णु बाराह कप अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 के लीग मुकाबले में नेशनल क्लब मझौली ने कबूतरा इलेवन झांसी को पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। झांसी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 121 रन बनाए। जीतू कंजर ने 34 तथा कप्तान रूपेश कबूतरा ने 30 रन बनाए। मझौली की ओर से आरव पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट एवं अंशुल राय ने 2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए नेशनल क्लब मझौली ने 18.5 ओवर में जीत हासिल कर ली। जयंत अवस्थी ने 35 और रमन ठाकुर ने 21 रन बनाए। झांसी की ओर से दिनेश परवाई ने 3 विकेट लिए। शानदार प्रदर्शन के लिए आरव पटेल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच के निर्णायक शाहिद खान एवं संजय पटेल रहे। प्रतियोगिता का अगला लीग मुकाबला जबलपुर बॉयज और पठानकोट के बीच दोपहर 12 बजे खेला जाएगा। मैच में राजेंद्र चौरसिया, गिरीश पालीवाल, मनोरंजन राय, महेंद्र कोस्टा, उमेश उपाध्याय एवं गुड्डू जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सोनू पांडे बुधुआ के सरपंच निर्वाचित, 180 मतों से दर्ज की जीत

सिहोरा। जनपद पंचायत सिहोरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बुधुआ में सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव में सोनू पांडे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रदीप लोधी को 180 मतों से पराजित कर जीत हासिल की। सोनू पांडे को 634 जबकि प्रदीप लोधी को 454 मत प्राप्त हुए। कुल 1320 मत तीन मतदान केंद्रों पर डाले गए थे।

मतगणना शुक्रवार को तहसील कार्यालय में संपन्न हुई, जहां परिणाम जानने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। तहसीलदार रुपेश्वरी कुंजाम ने नव निर्वाचित सरपंच को विजय प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर पंचायत इंस्पेक्टर रामचरण पटेल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। निर्वाचन के बाद समर्थकों ने ग्राम में विजय जुलूस निकाला। उल्लेखनीय है कि पूर्व सरपंच श्याम तिवारी के आकस्मिक निधन के कारण यह पद रिक्त हुआ था, जिसके लिए 29 दिसंबर को ईवीएम से मतदान कराया गया था।

श्रीमती जमुना देवी चौधरी- यूनिक अपार्टमेंट हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री एमएल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती जमुना देवी चौधरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सुनीता साहू- एलआईजी 255, मदर टेरेसा नगर निवासी श्री शिव बालक साहू की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता साहू (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्रेष्ठ गुप्ता- कम्बोज रेसीडेंसी पिपरिया खमरिया निवासी श्री राम गुप्ता के पुत्र श्री श्रेष्ठ गुप्ता (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री मनोहर लाल शर्मा- बड़ी ओमती घंटाघर के पास निवासी श्री मदन लाल शर्मा के पुत्र श्री मनोहर लाल शर्मा (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री दालचंद चौहान- फूटाताल उर्दू स्कूल के पास निवासी श्री दालचंद चौहान (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री मुरली कुम्हार- शीतलामाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री मुरली कुम्हार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री शिवनाथ यादव- रेतनाका गौरीघाट निवासी श्री शिवनाथ यादव (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री प्रहलाद विश्वकर्मा- सिद्धबाबा बिहारी मोहल्ला निवासी श्री प्रहलाद विश्वकर्मा (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री गिरधारी लाल रावत- बिलहरी जनता स्कूल के पास निवासी श्री गिरधारी लाल रावत (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती जसबीर कौर हरयाल- गोरखपुर सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री गुरचरन सिंह हरयाल की धर्मपत्नी श्रीमती जसबीर कौर हरयाल (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

कु. रश्मि- सिहोरा निवासी श्री श्याम बिहारी मिश्रा की पुत्री कु. रश्मि (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री हीरा लाल साहू- नई बस्ती माढ़ोताल हनुमान मंदिर के पास निवासी श्री हीरा लाल साहू (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदम्बा प्रसाद- कंचनपुर मैदा मिल के पीछे अधारताल निवासी श्री जगदम्बा प्रसाद (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री संतोष पात्रो- रामकृष्ण आश्रम के पास घमापुर निवासी श्री संतोष पात्रो (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री संतोष सिंह ठाकुर- रामनगर रामपुर निवासी श्री धनराज सिंह ठाकुर के पुत्र श्री संतोष सिंह ठाकुर (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री दुर्गेश कश्यप- फूटाताल मैदान के पास ढीमर मोहल्ला निवासी श्री दुर्गेश कश्यप (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती माया एस थवानी- सिग्मा गोल्ड साउथ सिविल लाइन निवासी श्री एसजे थवानी की धर्मपत्नी श्रीमती माया एस थवानी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती द्रोपदी कोष्टा- बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी श्री जीवन दास कोष्टा की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपदी बाई कोष्टा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री रामादीन वर्मा- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री रामादीन वर्मा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री बृजलाल महावर- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री बृजलाल महावर (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वेदराज कठेरिया- अधारताल निवासी श्री वेदराज कठेरिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री हर्ष वाल्मीक- हैलटगंज सदर निवासी श्री घनश्याम वाल्मीक के पुत्र श्री हर्ष वाल्मीक (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुंती बाई- लाल कुआं पोलीपाथर निवासी श्री चुन्नीलाल की धर्मपत्नी श्रीमती कुंती बाई (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती वर्षा राठौर- सिग्मा कान्हा गौर सालीवाड़ा निवासी श्री किशोर सिंह राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती वर्षा राठौर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति वर्गाकार से.मी.
सिंगल साइज:- 1x4 सें.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 1x4 सें.मी. रंगीन 400/-
डबल साइज 1x8 सें.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303208294, 9407362100

निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर से पशुपालकों को मिला लाभ

कुंडम। ग्रामीण अंचल में पशुपालन को आजीविका का मजबूत साधन बनाने के उद्देश्य से पशु चिकित्सालय पड़रिया, कुंडम द्वारा राष्ट्रीय आजीविका मिशन कुंडम एवं रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम देहरी खुर्द में एकदिवसीय निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पशुओं के उपचार के साथ-साथ आजीविका मिशन से जुड़ी पशुसाखियों से संवाद कर मुर्गी पालन एवं बकरी पालन की संभावनाओं पर चर्चा की गई। एवीएफओ श्रीवास्तव ने बताया कि पड़रिया-कुंडम क्षेत्र में पशुपालन की व्यापक संभावनाएं हैं और वैज्ञानिक तरीके से किया गया मुर्गी व बकरी पालन ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ा सकता है। उन्होंने शासन की पशुपालन योजनाओं, आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी दी। ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए पशुओं की देखभाल, रहवास को ढकने और मुर्गियों के लिए पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। शिविर में पशुओं का किलनी-पटार उपचार एवं अन्य आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान की गईं। ग्रामीणों एवं पशुसाखियों की सक्रिय सहभागिता ने पशुपालन को आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम के रूप में स्थापित किया।

सरनेम सुधार सूचना

श्री देवी उम्र 43 वर्ष (आधार कार्ड नंबर 938060587834) पति श्री रॉकी जॉनसन निवासी-811 बिलहरी मण्डला रोड जबलपुर शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि:- यह कि शादी के पूर्व मेरा नाम सुश्री श्री देवी पिता श्री वेणुगोपाल स्वामी निवासी - 9/4 मलिक कम्पाउण्ड सदर केन्ट जबलपुर जो कि मेरे समस्त शासकीय शैक्षणिक रिकार्ड मे दर्ज है। यह कि मेरा विवाह श्री रॉकी जॉनसन पिता श्री सनी जॉनसन निवासी-811 बिलहरी मण्डला रोड जबलपुर मे दिनांक 29/11/2007 को हो चुका है। यह कि शादी के बाद मेरा नाम श्रीमती श्रीदेवी जॉनसन पति श्री रॉकी जॉनसन हो चुका है। यह कि मुझ शपथकर्ता का पेनकार्ड मे श्रीदेवी जानसन दर्ज है जो कि गलत है मुझ शपथकर्ता का नाम श्री देवी है जिसके सुधार के लिये मुझ शपथकर्ता द्वारा पेनकार्ड मे सुधार कराया जा रहा है। यह कि श्री देवी एवं श्रीदेवी जॉनसन दोनो ही नाम मुझ शपथकर्ता के है। यह कि मुझ शपथकर्ता का पेनकार्ड मे नाम श्रीदेवी जॉनसन दर्ज है। मै शपथकर्ता अपना सरनेम जॉनसन विलोपित करवाना चाहती हूँ। अत: अब से मुझे मेरे सही नाम श्री देवी के नाम से जाना-पहचाना एवं पढ़ा-लिखा जावे।

सही नाम :- श्री देवी
गलत नाम :- श्रीदेवी जॉनसन

खबर संक्षेप

अब थर्ड जेंडर बन सकेंगे पुलिस सब इंस्पेक्टर-सूबेदार

भोपाल। मप्र में थर्ड जेंडर अब सब-इंस्पेक्टर और सूबेदार भी बन सकेंगे। इस संबंध में राज्य शासन ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इससे पहले यह व्यवस्था 2025 में आरक्षक भर्ती परीक्षा में लागू की गई थी। अब सब इंस्पेक्टर और सूबेदार में भी इस वर्ग को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का मौका दी गया है। इसके लिए इन्हें अपने जिले के कलेक्टर से जेंडर सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा। नोटिफिकेशन के अनुसार, थर्ड जेंडर उम्मीदवारों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा, जिसके आधार पर कलेक्टर यह प्रमाणित करेंगे कि संबंधित अभ्यर्थी का मूल लिंग पुरुष है या महिला। इसी प्रमाण पत्र के आधार पर उन्हें आगे की भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। जेंडर सर्टिफिकेट मिलने के बाद ही ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। लिखित परीक्षा में सफल होने वाले थर्ड जेंडर उम्मीदवारों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा के मापदंड भी इसी प्रमाण पत्र के अनुरूप तय किए गए हैं।

वर्मा को बर्खास्त करने भेजे 10 हजार पोस्टकार्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश सवर्ण अधिकारी-कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने फर्जी आईएएस संतोष वर्मा को बर्खास्त कर एफआईआर दर्ज करके गिरफ्तार करने की मांग के समर्थन में 15 दिन में पूरे प्रदेश से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम 10 हजार पोस्टकार्ड भेजे है। पोस्टकार्ड अभियान का कर्मचारी नेता सुधीर नायक, उमाशंकर तिवारी, श्याम सुंदर शर्मा, अनुज शर्मा, मयूर उपाध्याय, अनूप शर्मा, सुनील पाठक आदि ने समर्थन किया है। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार पिछले लंबे समय से संतोष वर्मा के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। दिल्ली भेजे गए प्रस्ताव पर भी अभी तक करवाई नहीं हुई है। सवर्ण अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा संतोष वर्मा को बर्खास्त करने एवं गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पिछले 15 दिन से पोस्टकार्ड अभियान चला रहा है। अभियान पूरे एक माह चलाया जाएगा। उसके बाद भी यदि सरकार द्वारा मांग मंजूर नहीं की गई तो प्रदेश स्त्रीय जन जागरण आंदोलन शुरू किया जाएगा।

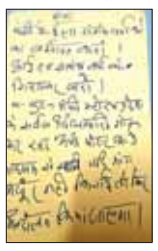

सीएम डॉ. यादव ने महापौर, संभागायुक्त, कलेक्टर और ननि कमिश्नरों की बैठक ली

जलापूर्ति की शिकायतें इमरजेंसी कैटेगरी में शामिल, 48 घंटे में निराकरण के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में भागीरथपुरा में दूषित जल प्रदाय से हुई घटना को लेकर मुख्यमंत्री निवास से शुक्रवार रात वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश के सभी नगर पालिक निगम के महापौर के साथ-साथ संभागायुक्त, कलेक्टर और कमिश्नर नगर निगम के साथ बैठक में नागरिकों को साफ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि सघन आबादी अथवा 20 वर्ष से अधिक पुरानी, बार-बार लीकेज, नालियों, सीवर पाइपलाइन के समीप अथवा नीचे से गुजरने वाली पाइपलाइन का चिन्हांकन का किया जाए। चिन्हांकन में पाए गए रिसाव की 48 घंटे के भीतर मरम्मत सुनिश्चित करें। जल शोधन संयंत्र तथा टंकियां की साफ-सफाई का 7 दिनों के अंदर निरीक्षण, जल शोधन संयंत्रों, जल स्त्रोतों तथा टंकियों पर तत्काल जल नमूना परीक्षण किया जाए। प्रदूषण पाए जाने पर तत्काल जल आपूर्ति रोकी जाए एवं वैकल्पिक सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। क्लोरिनेशन सिस्टम की 24x7 निगरानी की जाए। पाइपलाइन लीकेज डिटेक्शन के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। जल आपूर्ति की शिकायतों को इमरजेंसी श्रेणी में रखा जाए। लीकेज-दूषित जल शिकायतों का 24 से 48 घंटों में अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। सीएम हेल्पलाइन में गंदा-दूषित पेयजल तथा सीवेज से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

खाचरौद में बनेगा संयुक्त तहसील कार्यालय और जनपद पंचायत का नया भवन

मुख्यमंत्री ने खाचरौद में 78.61 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

खाचरौद में विकास कार्यों का लोकार्पण करते सीएम डॉ. यादव।

खाचरौद को विकास कार्यों की सौगात दी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को उज्जैन जिले के खाचरौद में विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने यहां 78 करोड़ 61 लाख रुपए की लागत वाले पूर्ण एवं प्रस्तावित 39 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें 48 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत के 16 कार्यों का लोकार्पण एवं 30 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत वाले 23 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

5 करोड़ की लागत से बनेगा फोरलेन हाईवे

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागदा से खाचरौद से जावरा से उज्जैन होते हुए करीब 5 हजार करोड़ रुपए की लागत से नया फोरलेन हाई-वे बनाया जा रहा है। इससे पूरे क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना से मालवा-निमाड़ और चंबल का पूरा क्षेत्र भरपूर सिंचाई की स्थायी सुविधा से लाभान्वित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 5 सालों में हम प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाकर 100 लाख हेक्टेयर कृषि रकबे तक पहुंचा देंगे।

नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन, नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खाचरौद में 35 करोड़ 40 लाख की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन, 11 करोड़ 30 लाख की लागत से नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण सहित अन्य कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में शिक्षा मुख्यमंत्री ने कहा कि खाचरौद के नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण में किसानों की सुविधा के लिए कृषक विश्राम भवन, भोजनालय, पानी की टंकी एवं प्याऊ भी बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने खाचरौद में 9 करोड़ 10 लाख रुपए लागत से बनने वाले संयुक्त तहसील कार्यालय के नवीन भवन, 5 करोड़ 25 लाख लागत से बनने वाले जनपद पंचायत भवन एवं 6 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम-2.0) सहित अन्य प्रस्तावित कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

खाचरौद में बनेगा फूड प्रोसेसिंग पार्क

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र में बहुतायत से होने वाली हरी मटर को देश-विदेश तक पहुंचाने और अन्य सभी फसलों को भी मार्केट लिंकेज दिलाने के लिए खाचरौद में फूड प्रोसेसिंग पार्क बनाने और खिलाड़ियों के लिए नया स्टेडियम बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खाचरौद से रतलाम को डायरेक्ट फोर लेन से जोड़ा जाएगा, जिससे खाचरौद को भी इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन एरिया की सीधी पहुंच मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि गेहूं की खरीदी पर हम किसानों को 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दे रहे हैं। किसानों को ऊर्जादाता बनाएंगे। प्रदेश के 32 लाख किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराएंगे। हर साल 10 लाख किसानों को सोलर पम्प देंगे।

हाईकोर्ट के आदेश पर पंजीयन विभाग ने किया बदलाव

भौंरी में बढ़ाए 300 फीसदी रेट, 9 महीने बाद दो करोड़ रुपए घटाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एक अप्रैल 2025 में भौरी क्षेत्र में खेती की जमीन के दाम तीन सौ फीसदी बढ़ाने के बाद यहां जमीनों की खरीद-फरोख्त गिर गई थी।

जिसके बाद किसानों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर रेट कम करने की गुहार लगाई। हाईकोर्ट के आदेश के बाद पंजीयन विभाग ने भौरी में बढ़ी हुई कलेक्टर गाइडलाइन को 5 करोड़ 60 लाख प्रति हेक्टेयर से घटाकर 3 करोड़ 60 लाख प्रति हेक्टेयर कर दिया है। इस बदलाव से भौंरी क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कोर्ट ने आईजी पंजीयन को यहां बदलाव करने के लिए 90 दिन का समय दिया था। भोपाल के अधिवक्ता पारस पंजवानी ने एक किसान ने याचिका में जबलपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जिसमें बताया गया कि फरवरी 2025 में जारी अधिसूचना के माध्यम से आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे, जिसके तहत याचिकाकर्ता द्वारा समय पर अभ्यावेदन पेश किया गया था, लेकिन उस पर कोई विचार नहीं किया गया।

जमीनों की खरीद-फरोख्त बढ़ेगी

पंजीयन विभाग ने भौरी में कलेक्टर गाइडलाइन को 300 फीसदी तक बढ़ा दिया था। जिसकी वजह से यहां पर प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री का काम प्रभावित हो गया था। मामले की सुनवाई के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने 1 जुलाई 2025 को आदेश पारित करते हुए महानिरीक्षक पंजीयन एवं जिला पंजीयक भोपाल को आपत्तियों पर विचार कर उचित आदेश पारित करने के निर्देश दिए थे।

एसआईआरः मतदान केंद्रों से गायब दो बीएलओ सस्पेंड, ढाई हजार वोटर्स का रिकार्ड किया अपलोड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुल्तानिया रोड पर बैठे बीएलओ।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का 23 दिसंबर को ड्राफ्ट रोल जारी होने के बाद से बीएलओ को मतदान केंद्रों पर बैठकर नए नाम जोड़ना और संशोधन करने के आवेदन लेने थे, लेकिन गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग बूथ नंबर-295 और 96 के बीएलओ मतदान केंद्रों से गायब रहे, जिसके आधार पर लोक शिक्षण संस्थान में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 रविंद्र कुमार डीकाते और आईटीआई में सहायक प्रशिक्षण अधिकारी मीनू बाला रील को सस्पेंड कर दिया गया है। इनकी जगह पर दूसरे बीएलओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिले की बैरसिया, उत्तर, नरेला, मध्य, दक्षिण-पश्चिम, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर का काम जारी है। जिसके तहत जिले में नो मैपिंग वाले एक लाख 16 हजार 925 मतदाताओं को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। इन मतदाताओं में से 3 हजार 752 मतदाताओं को नोटिस तामील कर दिए गए हैं, जिसमें से 2 हजार 508 मतदाताओं के दस्तावेज भी अपलोड हो गए हैं। नोटिस और सुनवाई का काम 14 जनवरी तक जारी रहेगा। अगर कोई मतदाता तय तारीख पर सुनवाई के लिए नहीं आएगा, तो उसे दूसरा मौका भी दिया जाएगा। उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता का कहना है कि सभी विस के बीएलओ को मतदान केंद्रों पर बैठकर नए नाम जोड़ना और संशोधन के आवेदन लेना है। लापरवाही करने वाले बीएलओ पर कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर विधानसभा में चल रहा तेज काम

नोटिस तामील करना और मतदाताओं के वेलिड दस्तावेजों को बीएलओ एप पर अपलोड करने के काम में उत्तर विधानसभा सबसे आगे चल रही है। यहां 10 हजार 80 मतदाताओं को नोटिस तामील किए जाने हैं, जिनमें से अब तक 1037 को नोटिस देकर 401 मतदाताओं के दस्तावेज भी अपलोड कर दिए गए हैं। सबसे स्लो काम मध्य में है, यहां अब तक मात्र 23 मतदाताओं के दस्तावेज अपलोड किए गए हैं, जबकि यहां दस हजार 88 मतदाताओं को नोटिस दिए जाने हैं।

ग्राम तरपोंगी पहुंची मंत्री टंकराम, घर-घर जाकर किया अन्न दान ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक छेरछेरा तिहार इस वर्ष भी पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा धरसींवा विकासखंड के ग्राम तरपोंगी पहुंचे, जहां उन्होंने पारंपरिक रीति से घर-घर जाकर अन्न दान ग्रहण किया।

गांव में लोक पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे वातावरण में अपनत्व व सांस्कृतिक उल्लास झलकता रहा। छेरछेरा की परंपरा निभाते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया और अन्न दान स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि छेरछेरा छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा ऐसा लोक पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना को मजबूत करता है।

उल्लासपूर्वक मनाया सामाजिक समरसता का पर्व छेरछेरा तिहार

अपनी जड़ों से जोड़ता है यह पर्व

यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि छेरछेरा केवल अन्न संग्रह तक सीमित पर्व नहीं है, बल्कि यह लोक संस्कृति, सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाओं का उत्सव है।

छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं हमारी पहचान हैं और इन्हें संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे पर्व नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने पारंपरिक अंदाज में मंत्री का स्वागत किया। गांव में छेरछेरा तिहार की रौनक देखते ही बन रही थी। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ लोक पर्व में भागीदारी निभाई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। छेरछेरा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख पारंपरिक लोक पर्व है, जिसे धान की कटाई के बाद पौष मास (दिसंबर-जनवरी) में मनाया जाता है। यह पर्व कृषि संस्कृति से गहराई से जुड़ा है, जहां किसान फसल कटने के बाद ईश्वर और समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। छेरछेरा दान, सहयोग और सामाजिक एकता का पर्व माना जाता है।

फर्जी नियुक्ति मामले में 4 कर्मचारी बर्खास्त

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। जिला शिक्षा विभाग की ओर से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। विभागीय स्तर पर की गई विस्तृत जांच के बाद चार कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इस कार्रवाई को विभाग की अब तक की सबसे कड़ी अनुशासनात्मक पहल माना जा रहा है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि टीकमचंद साहू, फगेंद्र सिंहा, रजिया अहमद और अजहर अहमद की नियुक्ति वर्ष 2021 में सहायक ग्रेड-3 सहित अन्य पदों पर जिन आदेशों के आधार पर दिखाई गई थी, वे विभागीय रिकॉर्ड में अस्तित्व में ही नहीं थे।

जांच के दौरान नियुक्ति पत्रों पर अंकित क्रमांक और हस्ताक्षर भी आधिकारिक अभिलेखों से मेल नहीं खा सके। मामले के उजागर होने के बाद संबंधित कर्मचारियों से जवाब मांगा गया, लेकिन उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज और स्पष्टीकरण नियुक्ति की वैधता साबित करने में असफल रहे। इसके बाद शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए चारों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक करने का आदेश जारी कर दिया।

ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के बारे में दी गई सभी तरह की जानकारी

मप्र में कैबिनेट की बैठक अब ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के जरिए होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मंत्रियों के स्टाफ को दिया प्रशिक्षण, दस्तावेजों की डिजिटल प्रस्तुति की जानकारी दी

मप्र में कैबिनेट की बैठक अब ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के जरिए होगी। संभवतः इस वर्ष की पहली बैठक भी उसी एप्लीकेशन के जरिए होगी। पहले जहां कैबिनेट की बैठक में मंत्रियों को खुद मौजूद रहना पड़ता था, अब यह जरूरी नहीं होगा। मंत्री जहां भी मौजूद रहेंगे, वहीं से कैबिनेट की बैठक में जुड़ जाएंगे।

वहीं से बड़े से बड़ा निर्णय कैबिनेट में ले लिया जाएगा। आज से ही इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। मंत्रालय में मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों के विशेष सहायकों, विशेष कर्त्तव्य अधिकारी और निज सचिवों को ई-कैबिनेट एप्लीकेशन का प्रशिक्षण दिया गया। शीघ्र ही कैबिनेट बैठकें ई-कैबिनेट एप्लीकेशन पर आयोजित होंगी।

बैठक में शामिल प्रतिभागियों को मुख्य सचिव कार्यालय के उपसचिव डीके नागेंद्र, एनआईसी के डायरेक्टर अमित जैन, रजिस्टार वल्लभ भवन मनोज श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में ई-कैबिनेट के एजेंडा की जरूरत के बारे में जानकारी दी गई। कैबिनेट से संबंधित सूचनाओं और दस्तावेजों के डिजिटल रूप में तत्काल, सुरक्षित, स्मार्ट और प्रभावी प्रस्तुति और ई-कैबिनेट में प्रयोग के साथ ही बैठक की तैयारी एवं समीक्षा में होने वाली आसानी को बताया गया। प्रशिक्षण में इस नवीन प्रणाली से समय के प्रबंधन और बचत के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि कैसे कागज रहित, सुरक्षित और आसानी से उपयोग होने वाला आधुनिक, डिजिटल इंटरफेस पूर्णतः गोपनीयता रखता है। इससे कभी भी कहीं भी बैठक की कार्य सूची को अपनी सुविधा अनुसार देखा जा सकता है। इस दौरान प्रतिभागियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया गया।

प्रशिक्षण लेते अधिकारी।

हाथी ने मचाया भारी उत्पात छह घरों को किया क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलरामपुर-रामानुजगंज

रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम आनंदपुर में बीती रात एक हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। रात करीब 2 बजे गांव में घुसे हाथी ने सुबह लगभग 4 बजे तक आतंक मचाया, जिससे गांव के 6 घर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद से पूरे गांव में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथी के उत्पात के दौरान लोग जान बचाने के लिए अपने घरों से निकलकर इधर-उधर छिपते रहे। करीब दो घंटे तक चले इस घटनाक्रम से पूरा गांव सहम गया। हाथी के गांव में प्रवेश की सूचना मिलते ही वन विभाग की दो टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और गांव में तैनात रहीं। उत्पात मचाने के बाद हाथी पास के आवे आनंदपुर जंगल की ओर चला गया। वन विभाग की टीम ने प्रभावित घरों का निरीक्षण कर नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है।

कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर
AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग,साउथ सिविल लाईन, जबलपुर (म. प्र.) पिन-482001 Phone No. 0761-2621541 E-mail:- cepwdcentral@nic.in

निविदा सूचना क्रमांक - 16/सा/2025-26 **निविदा आमंत्रण सूचना** जबलपुर, दिनांक 29.12.2025

निम्नलिखित कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	टेण्डर आई.डी.	जिला/ लो.नि.वि. संभाग	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि रू. (लाख में)	अमानत राशि रू.	निविदा प्रपत्र राशि रू.	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWDRB_471241_1	जबलपुर क्रं.-1	कटंगा तिराहा से छोटी प्रथम लाईन फाटक तक लंबाई 1.60 कि.मी. मार्ग का केबिल डक्ट के साथ सुदृढ़ीकरण एवं नाली निर्माण अण्डर ग्राउण्ड एच.टी.एल.टी.लाईन तथा इन्यूमिनेशन कार्य सहित।	प्रथम	1368.04 लाख	10,00,000/-	30,000/-	12 माह वर्षा ऋतु सहित
2	2025_PWDRB_471506_1	जबलपुर क्रं.-1	सांई मंदिर, आदर्श नगर से ग्वारीघाट मार्ग तक व्हाईट टॉपिंग कार्य लंबाई 3.10 कि.मी. (4 लेन) का कार्य विद्युतीकरण सहित ।	प्रथम	1547.18 लाख	10,00,000/-	30,000/-	12 माह वर्षा ऋतु सहित
3	2025_PWDRB_471510_1	मण्डला	मगरधा से बोधा बांध तिलहरी मार्ग का निर्माण लं.4.50 कि.मी. का कार्य विद्युतीकरण सहित ।	प्रथम	770.45 लाख	7,70,500/-	20,000/-	8 माह वर्षा ऋतु सहित
4	2025_PWDRB_471483_1	नरसिंहपुर	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत ढोंडा (हेमरा) से केसला मार्ग लं. 4.75 कि. मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित ।	द्वितीय	608.17 लाख	6,08,500/-	20,000/-	7 माह वर्षा ऋतु सहित
5	2025_PWDRB_471484_1	नरसिंहपुर	गाडरवारा उपसंभाग के अंतर्गत सिहोरा से मेहगवां मार्ग लं. 7.00 कि.गी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित ।	द्वितीय	726.52 लाख	7,27,000/-	20,000/-	7 माह वर्षा ऋतु सहित
6	2025_PWDRB_471485_1	नरसिंहपुर	गाडरवारा उपसंभाग के अंतर्गत बम्होरीकलां से सुपारी मार्ग लं. 4.30 कि. सहित मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	द्वितीय	508.35 लाख	5,08,100/-	20,000/-	6 माह वर्षा ऋतु सहित

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेंगे । निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि 15.01.2026 समय 5:30 PM तक है । निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जावेगा । पृथक समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा ।

मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

G-23799/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

एटीआर के कोर जोन में हथियार लहराकर अंधाधुंध फायरिंग, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आया एटीआर प्रबंधन

बेरियर गार्ड हटा और रेंजर को नोटिस जारी: अचानकमार टाइगर रिजर्व के संवेदनशील इलाके में बाहरी युवकों का गाड़ी सहित प्रवेश करना सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर रहा था। एटीआर के उपसंचालक ने ड्यूटी पर तैनात बैरियर गार्ड को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इसके साथ ही रेंजर की भूमिका की भी जांच की जा रही है कि आखिर उनकी मौजूदगी में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई है।

अचानकमार टाइगर रिजर्व एटीआर के प्रतिबंधित कोर जोन में भ्रमण करने के लिए पहुंचे सैलानियों ने हथियार लहराते हुए अंधाधुंध फायरिंग की, इसके बाद रील बनाकर सोशल मीडियम में वीडियो वायरल कर दिया, हंगामा मचने के बाद हरकत में आए एटीआर प्रबंधन ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, सभी आरोपियों को 14 दिन की रिमांड में जेल भेज दिया गया है। एक जनवरी से अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में भ्रमण करने वाले सैलानियों की संख्या काफी बढ़ गई है। बफर को छोड़कर कोर जोन में शाकाहारी और मांसाहारी वन्यप्राणियों के अलावा टाइगर भी हैं, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। इन सैलानियों के सामानों की कोई भी जांच बेरियर में नहीं की जाती है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुरही और जाखड़बांधा वन परिक्षेत्र के कोर जोन का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें कुछ युवक लग्जरी गाड़ी के साथ जंगल के भीतर नजर आ रहे थे और उनके पास हथियार भी दिखाई दे रहे थे। वीडियो में युवक बेखौफ होकर फायरिंग करते दिख रहे थे, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आते ही विभाग सक्रिय हुआ और आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रतिबंधित कोर जोन से लगे क्षेत्र में घुसकर हथियार लहराने और फायरिंग करने के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।

पकड़े गए हैं आरोपी

अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में कुछ लोग अंदर प्रवेश कर लिए थे। इस दौरान उनके पास एयरगन भी था, जिसे लहराने और अंधाधुंध फायरिंग का रील बनाने वाले वीडियो भी वायरल हुआ। इसके बाद विभाग ने तत्काल एक्शन लेते हुए तीन युवकों को पकड़ा है, इसमें से एक नाबालिक फरार है। वहीं स्टाफ से भी गाड़ी और एयरगन के अंदर कैसे प्रवेश किया गया, इसके संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
अरूण पाण्डेय, पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

गाड़ी और एयरगन जब्त कर आरोपियों पर केस दर्ज

पकड़े गए आरोपियों के पास से घटना में उपयोग की गई गाड़ी और एयरगन को विभाग ने जब्त कर लिया है। एटीआर उपसंचालक के अनुसार वन्यजीवों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। रेंजर को नोटिस जारी कर पूछा गया है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में बाहरी लोगों का प्रवेश कैसे हुआ। यह घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि बिलासपुर हाईकोर्ट लगातार टाइगर रिजर्व की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश दे रहा है। ऐसे में वन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई को एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है ताकि भविष्य में कोई भी नियमों को तोड़ने की हिम्मत न करे।

भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। देश ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबल पावर बन कर उभर रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं। भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जब भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा। भारत की रक्षा क्षेत्र में इसी उपलब्धि का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

रक्षा उत्पादन का स्वदेशीकरण

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

वरिष्ठ स्तंभकार

2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से आगे बढ़ रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में देश ने आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

भारत की रक्षा व्यवस्था के जटिल यक्ष प्रश्न की विवेचना करनी है तो फिर सबसे पहले अत्यंत शक्तिशाली चीन की सैन्य चुनौती हमारे समक्ष उपस्थित हो जाती है। सन् 1947 में आजादी हासिल करने के पश्चात शांति और अहिंसा का परचम लहराते हुए तत्काल तौर पर भारतीय हुकूमत द्वारा अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान केंद्रित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप 1962 में विस्तारवादी फितरत के चीन द्वारा जब भारत पर भीषण आक्रमण अंजाम दिया गया तो फिर भारत को शर्मनाक तौर पर सैन्य पराजय का सामना करना पड़ा। इस ऐतिहासिक पराजय के तत्पश्चात भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान देना प्रारंभ किया और सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने अपनी फतह का झंडा लहरा दिया। भारत वस्तुतः पाकिस्तान को चार विकट युद्धों में पराजित कर चुका है। यहां तक कि सन् 1971 में बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित भी कर चुका है। विगत तकरीबन 36 वर्षों से कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का भी अत्यंत कामयाबी से मुकाबला कर रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान में संचालित आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में जबरदस्त कामयाबी हासिल की है।

विदेशी सैन्य निर्भरता

आजादी के तत्पश्चात एक लंबे ऐतिहासिक दौर तक भारत को अपनी सेना के लिए आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शस्त्रों की खातिर विदेशी सैन्य शक्तियों पर, विशेष कर सोवियत रूस पर निर्भर बना रहना पड़ा। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंक, तोप, बारुद तक भारत की सैन्य निर्भरता रूस पर कायम रही। भारत में सन् 1988 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल पृथ्वी का कामयाब परीक्षण किया गया। सन् 1990 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल आकाश का सफल परीक्षण किया गया और वर्ष 2008 में इसे भारतीय वायु सेना को प्रदान किया गया। सन् 2001 में भारत द्वारा रूस के टेक्नोलॉजिकल सहयोग

से निर्मित की गई ब्रह्मोस मिसाइल को भारतीय रक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया। 21वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल से ही भारत ने अपनी रक्षा उद्योगों में आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के स्वदेश में ही निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण में विशिष्ट किरदार निभाया गया है। सैन्य रक्षा उद्यमों में रक्षा सामग्री का स्वदेश में निर्माण करने के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में भारत सरकार द्वारा प्राइवेट सेक्टर को भी निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी गई।

एयर डिफेंस सिस्टम

26 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिफेंस मिशन सुदर्शन चक्र के तहत रूस द्वारा प्रदत एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 का भारत में ही निर्माण करने का ऐलान किया गया। उल्लेखनीय है कि रूस द्वारा सन् 2018 में भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम निर्माण टेक्नोलॉजी के साथ प्रदत्त किया गया था। अमेरिका द्वारा इजराइल को प्रदत्त आयरन डोम की तुलना में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम रक्षा विशेषज्ञों द्वारा कहीं अधिक कारगर करार दिया जाता है। भारत और इजराइल रक्षा सहयोग के तहत बराक-8 और स्पाइडर मिसाइल प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं। 2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से अग्रसर हो रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

रक्षा उत्पादन उच्च स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में अट्ठारह फीसदी अधिक रहा और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में नब्बे फीसदी की वृद्धि हासिल की है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने सत्तर फीसदी का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर तेईस फीसदी हो गई। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें निजी क्षेत्र और डीपीएसयू द्वारा क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान रहा। सन् 2029 के लिए रक्षा सामग्री के निर्यात लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय को रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में दस फ़ीसदी अधिक और कुल बजट का चौदह फ़ीसदी हैं, जोकि सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है। पूंजीगत व्यय 1.80 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें से 75 फीसदी (1.12 लाख करोड़ रुपये घरेलू खरीद के लिए और 28,000 करोड़ रुपये निजी उद्योग के लिए आरक्षित रहे। सुधारों के सन् 2025 के लक्ष्य के अनुरूप ही सन् 2026 में भी रक्षा उद्योगों के स्वदेशीकरण और आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के समावेश का लक्ष्य रखा गया है। 23 अक्टूबर को जारी और एक नवंबर से लागू होने वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट मैनुअल 2025 ने सालाना लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेवेन्यू प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 62,370 करोड़ रुपये में 97 एलसीए विमानों के निर्माण करने का ऑर्डर दिया गया है, मिसाइलों, रडारों और गोला-बारूद के लिए डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के साथ कई रक्षा अनुबंध किए गए हैं।

एरो इंडिया का आयोजन

सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली में डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग-डीपीएसयू-भवन का उद्घाटन अंजाम दिया गया और बेंगलुरु में एरो इंडिया 2025 का सफल आयोजन किया गया । भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जबकि भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा

उल्लेखनीय है स्वदेशी रक्षा प्रणाली की प्रगति

मुद्दा

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंततः रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन् 2025 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में 'इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की विशाल भूमिका रही है। इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण 'आकाश प्राइम' में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉर्ड्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिये विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोड़कर बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस शृंखला का महत्वपूर्ण अंग है तेजस। तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपये 21,083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारतीय शासन ने 2024-25 तक रक्षा उत्पादन का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रखा था, जिसमें 35,000 करोड़ का निर्यात लक्ष्य सम्मिलित है, जिसे पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। शासन ने 5,000 से अधिक रक्षा मदों की 'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' निर्गत की है। इन मदों का निर्माण अब केवल भारत में ही किया जाएगा।

इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है।

स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली सामरिक तस्वीर

तकनीक

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

साल के आखिरी दिन ओडिशा के तट पर आसमान में जो दृश्य उभरा, उसने भारत की सामरिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। कुछ ही सेकंड के अंतर पर दागी गईं दो प्रलय मिसाइलें न सिर्फ अपने तय लक्ष्यों तक सटीकता के साथ पहुंचीं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक अब परिपक्वता के उस स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां भरोसे, सटीकता और ताकत एक साथ दिखाई देती है। परीक्षण के बाद जो निष्कर्ष सामने आया, उसने रक्षा वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया। प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है। यही कारण है कि प्रलय को थिएटर लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के युद्ध परिदृश्यों में भारत को बढ़त दिला सकती है। यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है। दुश्मन देशों के लिए यह संदेश साफ है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। प्रलय जैसी मिसाइलें यह साबित करती हैं कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत तेजी से और सटीक जवाब देने में सक्षम है। यही कारण है कि इस परीक्षण के बाद दुश्मन देशों की भृकुटियां तनना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक मिसाइल का सफल परीक्षण नहीं, बल्कि भारत की सामरिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। आने वाले समय में जब प्रलय मिसाइल आधिकारिक तौर पर सेना में शामिल होगी, तो यह भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता को एक नई धार देगी। देश के वैज्ञानिक और सैनिक मिलकर भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में लगातार जुटे हुए हैं। साल के आखिरी दिन हुआ यह परीक्षण नए साल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है।

भारतीय रक्षा व्यवस्था की विश्व पटल पर बन रही पहचान

उपलब्धि

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत जैसे देश को युद्ध व लड़ाइयों को लेकर हमेशा तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमेशा ही विजय प्राप्त की। इसका कारण था कि हमारी रक्षा व्यवस्था व सैन्य शक्ति को हम समय-समय पर अपडेट व अपग्रेड करते रहे। हमारे शौर्य का जलवा पूरा विश्व जानता है। देश की रक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। अपने 68 साल के इतिहास में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

बीता वर्ष डीआरडीओ के लिए ऐतिहासिक रहा चूंकि 1.30 लाख करोड़ की डील करने में सफलता हासिल की है। यह एक साल में अभी तक का सर्वाधिक आंकड़ा बताया जा रहा है जिसको देखकर विश्व के संपन्न देश भी चौक गए। डिफेंस सेक्टर में भारत ग्लोबल पावर बनता जा रहा है। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों का ही कमाल है कि भारत आज के दिन डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्टर बन गया है। आज इस उपलब्धि से देश का हर नागरिक खुश है तो वहीं दूसरी ओर विश्व पटल पर हमारी इज्जत बढ़ी है। लगभग दो दशक पूर्व भी कुछ शक्तिशाली देश हमें रक्षा व्यवस्था के आधार पर बेहतरीन नहीं मानते थे। समय बदला तो बाहरी देशों की मिथ्या बदली, चूंकि रक्षा व्यवस्था को लेकर हमारा बजट व सोच बहुत बड़े स्तर पर बढ़ी।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है, जो पिछले वर्ष के 6.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इतने बड़े बजट के साथ हम बलशाली बनकर उभरे हैं। आज हम जनसंख्या के आधार पर प्रथम स्थान पर आते हैं और हमारे देश पर सबकी निगाहें रहती हैं,

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है। इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंध किए हैं।

जिसकी वजह से हमें हर समय चौकन्ना रहना होता है। डीआरडीओ की 68वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चीफ कामत ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2025 में लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 22 स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के लिए 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' प्रदान की है। यह किसी एक वर्ष में दी गई सबसे अधिक मंजूरी है।

इस प्रकरण की सबसे अच्छी बात यह है कि सभी प्रणालियां भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित की जाएंगी, जिससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित जिन प्रमुख सिस्टम्स को एओएन मिली है उनमें इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, कन्वेंशनल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम 'अनंत शास्त्र', लंबी दूरी की हवा से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II और हवा से हवा में मार करने वाली 'अस्त्र' एमके-II मिसाइल शामिल हैं। इसके अलावा एंटी-टैंक नाग मिसाइल सिस्टम एमके-2, एडवांस्ड लाइटवेट टॉरपीडो, प्रोसेसर बेस्ड मूरड माइन की नेक्स्ट जनरेशन, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल वनए, माउंटेन रडार और एलसीए तेजस एमके-1ए के लिए फुल मिशन सिम्युलेटर को भी मंजूरी दी गई है। एओएन रक्षा खरीद प्रक्रिया का पहला और अहम चरण होता है। भारत की सैन्य शक्ति लगातार मजबूत हो रही है। खासकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के तहत स्वदेशी उत्पादन, गोला-बारूद में आत्मनिर्भरता, उन्नत मिसाइलों (प्रलय, ब्रह्मोस) के सफल परीक्षण, और ड्रोन व नई तकनीक के एकीकरण के कारण जिससे भारत एक बड़ी रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है और आयात पर निर्भरता कम कर रहा है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है और पाकिस्तान टॉप-10 से बाहर हो गया है। भारत के पास बड़ी संख्या में सक्रिय सैनिक, टैंक, विमान और नौसैनिक पोत हैं और यह लगातार अपनी सैन्य क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। आज जरूरत है कि हम अपनी रक्षा व्यवस्था को लगातार अपडेट व अपग्रेड करते रहें।

डीआरडीओ ने दी देश की डिफेंस क्षमता को नई ऊंचाई

योगदान

डॉ. एन. के. सोमानी

स्वतंत्र स्तंभकार

बीते वर्ष ने भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत को यह उपलब्धि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' (आईएडीडब्लूएएस) के सफल परीक्षण के जरिए हासिल हुई है। आईएडीडब्लूएएस के सफल परीक्षण के बाद न केवल भारत की एयर डिफेस क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी बड़ी मजबूती मिली है। अहम बात यह है कि आईएडीडब्लूएएस पूरी तरह से भारत में स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया रक्षा उपकरन है। इस बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार किया गया है।

इसमें क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस मिसाइल और लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल है। यह प्रणाली दुश्मन देशों की ओर से लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और क्रूज मिसाइल से किए गए हमलों को अलग-अलग स्तर पर रोकने और दुश्मन के विमानों को हवा में ही मार गिराने में मदद करती है। खासतौर पर इसमें लगा हाई-पावर लेजर हथियार पलक झपकते ही शत्रु के हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस साल के अंत तक आईएडीडब्लूएएस को सेना में शामिल कर किए जाने की संभावना है।

आईएडीडब्लूएएस के सफल परीक्षण के बाद भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास आधुनिक और बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। दरअसल भारत को लंबे समय से पश्चिम और उत्तर-पूर्व से सामरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर-पूर्व में चीन से उसके संबंध तनाव पूर्ण हालात में रहे हैं। भारत के दोनों परम्परगात शत्रुओं के पास आधुनिक लड़ाकू विमान, क्रुज मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइलें और उच्च तकनीक के ड्रोन सिस्टम का बड़ा जखीरा है। ऐसी स्थिति में भारत एक ऐसी प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता महसूस कर रहा था तो शत्रु देशों के हवाई हमलों को नाकाम कर सके। आईएडीडब्लूएएस 'सुदर्शन चक्र' भारत की इसी सोच का परिणाम है। भारत का सुरक्षा कवच 'सुद्रर्शन चक्र': मिसाइल डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र अपनी तकनीकी क्षमताओं के कारण बेहद खास है। यह सिस्टम 2500 किलोमीटर तक की रेंज में पाकिस्तान और चीन से आने वाली मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम

डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी गति दी है।

होगा। सुदर्शन चक्र 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में किसी भी मिसाइल को इटरसेप्ट करने में सक्षम होगा। इसमें आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और लेजर-गाइडेड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल हुआ है। यह 5 किलोमीटर प्रति सेंकड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है और इसकी संरचना एक ग्रांउड-बेस्ट और स्पेस बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम पर आधारित है जिसमें सैटेलाइट और रडार नेडवर्क दोनों शामिल है। इसका लक्ष्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रुज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को निष्क्रिय करना है। इसकी अनुमानित लागत 50,000 करोड़ रूपये बताई जा रही है। कहना गलत नहीं होगा कि सुदर्शन चक्र भारतीय वायु सेना के लिए एक आधुनिक एकीकृत और शक्तिशाली 'आयरन डोम' है, जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे की हवाई हमलों से रक्षा करने में मदद करेगा। साल 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने व रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। सरकार के इन प्रयासों को गति देने व देश की रक्षा व्यवस्था को दुरस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओं न केवल भारत की रक्षा जरूरतों को पुरा कर रहा है बल्कि भारत के हथियार निर्यात को भी बढ़ा रहा है। वर्तमान में भारत 100 से अधिक देशों का रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख खरीददार है। इसके अलावा रूस, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, फिलीपींस, सऊदी अरब, स्पेन, अर्जेंटीना, नाइजीरिया, वियतनाम और मॉरिशस भी भारत से हथियार खरीद रहा है। भारत इन देशों को तेजस विमान, आकाश मिसाइल, पिनाक रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी गन और ब्रहमोस जैसी मिसाइलों के साथ-साथ सॉफ्टवेयर व कल-पुर्जे भी निर्यात कर रहा है। डीआरडीओं का योगदानः आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर भारत दुनिया की बड़ी ताकत के तौर पर उभर रहा है। सैन्य मोर्चे पर भारत को शक्तिशाली देश बनाने में डीआरडीओं का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि डीआरडीओं ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूती देने के लिए कई पहल की है। ब्रहमोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबन पॉवर बन कर उभर रहा है। कोई दो राय नहीं कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं।

कर्ज से मुक्ति पाने के लिए पत्नी को पिलाया फिनाइल, आरोपी पति गिरफ्तार

सतना। जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ बगहा इलाके में एक युवक ने बैंक के 35 लाख रुपए के कर्ज से बचने के लिए अपनी ही पत्नी की हत्या का प्रयास किया। आरोपी ने पत्नी को जबरन फिनाइल की गोलियां घोलकर पिला दीं,ताकि उसकी मौत के बाद फर्म का कर्ज माफ हो जाए। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

35 लाख का कर्ज और मौत का खौफनाक प्लान

पीड़िता पूर्णिमा त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि उनके पति अनुराग सोहन त्रिपाठी ने उनके नाम पर "रुद्रा इंटरप्राइजेज" नाम की एक सर्जिकल सामग्री की फर्म पंजीकृत कराई थी। इसी फर्म के नाम पर भारतीय स्टेट बैंक से 35 लाख रुपए का लोन लिया गया था। पीड़िता का आरोप है कि लोन की पूरी राशि का उपयोग उसके पति ने किया,लेकिन कागजों पर जिम्मेदारी पत्नी की थी। आरोपी अनुराग को लगा कि यदि उसकी पत्नी की मृत्यु हो जाती है,तो बैंक का यह भारी-भरकम कर्ज माफ हो जाएगा। इसी सनक में उसने वारदात को अंजाम दिया।

दो दिनों तक चला प्रताड़ना का सिलसिला

घटनाक्रम की शुरुआत 28 दिसंबर की रात से हुई। 28 दिसंबर अनुराग शराब के नशे में घर पहुँचा और पूर्णिमा के साथ गाली-गलौज करते हुए जमकर मारपीट की। इस हमले में पूर्णिमा के चेहरे और मुँह पर गंभीर चोटें आईं। 29 दिसंबर सुबह करीब 10:30 बजे आरोपी ने फिर विवाद शुरू किया। इस बार उसने बाथरूम से फिनाइल की गोलियां निकालीं,उन्हें पीसा और पानी में घोलकर पूर्णिमा को जबरन पिला दिया। पीड़िता के अनुसार, फिनाइल पिलाते समय आरोपी ने कहा, तेरे मरने के बाद मेरा 35 लाख का लोन माफ हो जाएगा।

अस्पताल में संघर्ष और पुलिस कार्रवाई

फिनाइल पीने के बाद पूर्णिमा की हालत बिगड़ने लगी और उन्हें लगातार उल्टियां होने लगीं। किसी तरह होश आने पर उन्होंने अपने पिता को फोन कर जानकारी दी। मायके पक्ष के लोग तुरंत मौके पर पहुँचे और उन्हें बिरला अस्पताल में भर्ती कराया। पूर्णिमा 1 जनवरी तक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझती रहीं। छुट्टी मिलने के बाद उन्होंने परिजनों के साथ सिविल लाइन थाने पहुँचकर आपबीती सुनाई और सबूत के तौर पर मारपीट की पुरानी तस्वीरें भी पुलिस को सौंपी।

शादी के बाद से ही मिल रही थी प्रताड़ना

पीड़िता के पिता राजकुमार पांडेय ने बताया कि उनकी बेटी की शादी जून 2020 में हुई थी। शादी के महज तीन महीने बाद से ही दामाद अनुराग का व्यवहार हिंसक हो गया था। इस संबंध में पहले भी जसो थाने में शिकायत की गई थी,लेकिन सामाजिक दबाव के कारण समझौता हो गया था। दंपति का एक साढ़े तीन साल का बेटा भी है।

मामला दर्ज

पीड़िता की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के

आधार पर आरोपी पति अनुराग त्रिपाठी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(2) के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

पुलिस विभाग,सिविल लाइन थाना

सतना स्टेशन पर माघ मेला श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम

सतना। पश्चिम मध्य रेलवे के सतना जंक्शन पर प्रयागराज के माघ मेले में जाने वाले यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रयागराज में माघ मेले का प्रथम स्नान प्रारंभ होने जा रहा है,जिसे देखते हुए रेलवे प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सतना स्टेशन प्रबंधक मतीन के अनुसार श्रद्धालुओं को शीतलहर से बचाने के लिए आरपीएफ थाने के सामने एक बड़ा टेंट (आश्रय स्थल) लगाया गया है। इसमें यात्रियों के बैठने और रुकने के लिए कालीन (कारपेट) बिछाए गए हैं। यात्रियों को ठंड से राहत देने के लिए अलाव का इंतजाम किया जा रहा है। रेल विभाग अपने संसाधनों से अलाव जलाएगा। आश्रय स्थल पर ही यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यात्रियों को गाडियों की सही जानकारी देने के लिए अलग से पूछताछ केंद्र और एनाउंसमेंट सिस्टम लगाया गया है। अचानक बीमार होने वाले यात्रियों के लिए आपातकालीन चिकित्सा शिविर लगाया गया है। इसके लिए बिरला अस्पताल के डॉक्टरों से भी समन्वय किया गया है।

रिश्तों का कत्ल: नशे की आग में जला शहडोल

कलयुगी बेटे की लात ने छीनी पिता की सांसें

शहडोल।

विंध्य की इस धरा पर रिश्तों की मर्यादा अब शराब के नशे और क्षणिक आवेश की भेंट चढ़ रही है। नए साल के स्वागत का जश्न दो परिवारों के लिए ऐसा काल बनकर आया कि कहीं पिता की अर्थी उठी, तो कहीं एक अजन्मे मासूम के साथ मां की सांसें थम गईं। सिंहपुर और गोहपारू थाना क्षेत्रों से आई इन दो खबरों ने न केवल मानवता को शर्मसार किया है, बल्कि पुलिस और समाज के सामने भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

300 रुपये के लिए मर्डर

सिंहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुदवार खुर्द में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए। यहां एक कलयुगी बेटे दयाराम ने महज 300 रुपये के विवाद में अपने ही पिता ददनू की जान ले ली। 31 दिसंबर की रात, जब दुनिया नए साल का स्वागत कर रही थी, दयाराम अपने पिता और परिवार के साथ शराब की पार्टी मना रहा था। इसी दौरान बूढ़े पिता ने अपने ही खेत में की गई मेहनत की मजदूरी के रूप में बेटे से 300 रुपये मांगे। पिता का कसूर सिर्फ इतना था कि वह अपने खर्च के लिए अपने ही बेटे के सामने हाथ फैला रहा था। पैसे देने के बजाय हैवान बने बेटे ने पिता के गुप्तांग पर जोरदार लात जड़ दी।

तड़प-तड़प कर निकले प्राण

शर्मनाक बात यह रही कि लात लगने से घायल पिता घर में 24 घंटे तक दर्द से चीखते रहे, लेकिन पत्थरदिल बेटे का दिल नहीं पसीजा। अगले दिन जब हालत बिगड़ी, तो अस्पताल ले जाकर उसने डॉक्टरों से झूठ बोला कि पेट में दर्द है, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था, डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भाई को सच बताने के बाद अब आरोपी बेटा पुलिस की गिरफ्त में है। सिंहपुर थाना प्रभारी एम.एल. रहंगडाले का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हत्या की धाराएं बढ़ाई जाएंगी।

गर्भवती ने कुएं में लगाई छलांग

रिश्तों के कत्ल की दूसरी दास्तां गोहपारू के ग्राम सोनटोला से आई है। यहां नए साल का सूरज एक घर के लिए मातम लेकर आया। 22 वर्षीय नवविवाहिता सरोज, जिसके गर्भ में एक नन्हीं जान पल रही थी, उसने कुएं में कूदकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि सरोज का पति चंद्रभान सिंह नए साल की रात शराब के नशे में धुत होकर घर लौटा। नशे की हालत में पति-पत्नी के बीच तीखी नोकझोंक हुई। विवाद इतना बढ़ा कि गर्भवती सरोज मानसिक संतुलन खो बैठी और उसने आंगन के कुएं को अपनी कब्र बना लिया।

जब तक ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला, तब तक एक मां और एक अजन्मे मासूम की मौत हो चुकी थी। शहडोल उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ. राघवेंद्र द्विवेदी ने

मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि घरेलू विवाद और नशे की वजह से यह आत्मघाती कदम उठाया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खाकी का सर्जिकल स्ट्राइक या महकमे की साख पर बट्टा?

शहडोल। पुलिस ने जुए के काली कमाई वाले साम्राज्य पर एक और बड़ा प्रहार किया है, लेकिन इस बार जो मछली जाल में फंसी है, उसने समूचे प्रशासनिक तंत्र को शर्मसार कर दिया है। जयसिंहनगर पुलिस ने गोपालपुर की छुलहनी पहाड़ियों की ओट में चल रहे हाईप्रोफाइल जुआ फड़ को नेस्तनाबूद करते हुए 9 जुआरियों को दबोचा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इन जुआरियों में शहडोल नगर पालिका का एआरआई (राजस्व निरीक्षक) पराग दुबे भी शामिल है। यह गिरफ्तारी साबित करती है कि सिस्टम की नाक के नीचे ही जिम्मेदार कुर्सियों पर बैठे लोग अपराधियों के साथ ताश की गड्डियां फेंट रहे हैं। बीते सप्ताह सिंहपुर पुलिस की धमक के बाद, अब जयसिंहनगर थाना प्रभारी अजय सिंह बैगा की टीम ने मुखबिर की सूचना पर सर्जिकल स्ट्राइक की। छुलहनी पहाड़िया के सुनसान इलाके में जब पुलिस ने दबिश दी, तो वहां मोमबत्ती की रोशनी में 66,340 रुपये के दांव लगाए जा रहे थे। अचानक हुई कार्रवाई से फड़ पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से ताश के पत्तों के साथ नपा अधिकारी पराग दुबे सहित टेटका, कुबरा, मोहनी और गोहपारू के दिग्गज जुआरियों को रंगे हाथों धर दबोचा। स्थानीय गलियारों में चर्चा है कि सोहागपुर थाना क्षेत्र में आज भी जुआ फड़ बेखौफ संचालित हो रहे हैं, लेकिन वहां की पुलिस कुंभकर्णी नींद सो रही है। इतना ही नहीं, पड़ोसी जिले अनूपपुर के राजेंद्रग्राम में पिछले एक सप्ताह से बड़े पैमाने पर फड़ सज रहे हैं, मगर वहां का अमला हाथ पर हाथ धरे बैठा है।

ध्वनि प्रदूषण पर पुलिस का कड़ा प्रहार: शोर मचाने वाले वाहनों पर चला बुलडोजर

125 अमानक साइलेंसर किए गए नष्ट

सतना।

शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण और 'पटाखा' छोड़ने वाली बुलेट के खिलाफ यातायात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बीते कुछ महीनों में जब्त किए गए 125 अमानक साइलेंसरों पर बुलडोजर चलवाकर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया।आम जनता की परेशानी को देख चलाया अभियान यातायात पुलिस के अनुसार,शहर में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज आवाज करने वाले वाहनों की संख्या बढ़ गई थी।इससे बुजुर्गों,बीमार व्यक्तियों और बच्चों को काफी असुविधा हो रही थी। इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया और मौकेपर ही अमानक साइलेंसर निकलवा कर उन्हें जब्त किया। डीएसपी ट्रैफिक की चेतावनी कार्रवाई के दौरान डीएसपी ट्रैफिक संजय खरे ने बताया कि अधिकांश साइलेंसर बुलेट मोटरसाइकिलों के हैं। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि वे केवल कंपनी द्वारा निर्धारित मानक साइलेंसरों का ही प्रयोग करें। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि शोर मचाने वाले वाहनों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों पर सख्त जुर्माना लगाया जाएगा।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी, पीड़ित से 5 लाख रुपए लेने पहुंचा आरोपी

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

पिता का कथित अश्लील वीडियो दिखाकर पहले बेटे से पैसों की मांग और फिर पिता को भी ब्लैकमेल करने वाले 02 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया जबकि इसी मामले में एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया है। पुरा मामला बालाघाट जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने जिन आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की है उनमें 17 वर्ष का नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राथी ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी हर्षल पिता दिलीप मेश्राम ने उनका वीडियो दिखाकर पहले बेटे से लगातार पैसों की उगाही की और फिर इस वीडियो को डिलीट करने के एवज में उनसे 05 लाख रुपए की डिमांड की। पीड़ीत ने आरोपी की प्रताड़ना से तंग आकर थाने में शिकायत दर्ज करवाई और पुलिस को यह भी बताया कि इस पूरे मामले में आरोपी और उसका पिता दिलीप मेश्राम और एक अन्य नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया और योजनाबद्ध तरीके से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसके बाद पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ है। आरोपी ने आवेदक ने 05 लाख रुपए की मांग रखी। शिकायत के बाद आरोपी हर्षल मेश्राम उम्र 21 वर्ष निवासी तिरोड़ी को शुक्रवार की देर रात महाराष्ट्र के कन्हान थाना क्षेत्र के ग्राम वाघोली से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ीत के बुलाने पर आरोपी पैसों की लालच में वहां आया था। हर्षल ने पुलिस पूछताछ में अन्य आरोपी यानी अपने पिता दिलीप पिता शिवराम मेश्राम और अन्य एक नाबालिक के भी इसमें शामिल होने की जानकारी दी। पुलिस ने तीनों के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 308 (2), 3/5, 294 की कार्रवाई की है। आरोपी हर्षल के पास से पुलिस ने होंडा कंपनी की यूनिकॉर्न मोटरसाइकिल भी जब्त की है जिसका क्रमांक एमएच 40 सीबी 5594 है। आरोपियों को व्यवहार न्यायालय कटंगी के समक्ष पेश किया गया वही नाबालिग को किशोर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। सबसे पहले यह कथित अश्लील वीडियो आरोपित नाबालिग के पास था। जिसने हर्षल को वीडियो की जानकारी दी। हर्षल ने प्रार्थी के पुत्र जो कक्षा दसवीं का छात्र है उसे यह वीडियो दिखाया और पिता का कथित अश्लील वीडियो वायरल ना करने के एवज में उससे लगातार पैसों की उगाही करते रहे। वहीं अधिक पैसों की लालच में आरोपी ने सीधे आवेदक से संपर्क किया और उन्हें ब्लैकमेल करने लगा। आवेदक ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई और पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की।

इनका कहना है-

शिकायत के आधार पर जांच करते हुए 03 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। पूरे मामले में पिता-पुत्र और एक नाबालिग आरोपी है जिनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

उमेश दियेवार
सहायक उपनिरीक्षक

नाबालिग से प्रसव का गंभीर मामला परिजनों पर आरोपियों को भगाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बटवानी से एक गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां 15 वर्षीय नाबालिग बालिका द्वारा एक पुत्र को जन्म देने का प्रकरण प्रकाश में आया है। आरोप है कि मामले के मुख्य आरोपी आरिफ़ खान को उसके परिजनों द्वारा पुलिस से बचाने के उद्देश्य से फरार करा दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाबालिग बालिका को 23 दिसंबर 2025 को प्रसव पीड़ा होने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कहानी ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में पंजीयन के दौरान बालिका की वास्तविक उम्र छिपाने का प्रयास किया गया और रजिस्टर में उम्र अधिक दर्शाई गई। बाद में दस्तावेजों की जांच में बालिका की उम्र आधार कार्ड व जन्मतिथि के अनुसार 15 वर्ष होना सामने आया।

मामले की सूचना महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से पुलिस को दी गई। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी आरिफ़ खान, निवासी बटवानी, घटना के बाद से फरार है। आरोप है कि आरोपी के पिता अल्ताफ़ खान, रिश्तेदार महमूद खान एवं एक अन्य परिजन द्वारा मोटरसाइकिल से उसे भगाने में सहयोग किया गया।

इस संबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत सौंपते हुए पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष व गहन जांच की मांग की गई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। साथ ही आरोपी व सहयोगियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

इनका कहना है

परियोजना अधिकारी घंसौर के माध्यम से मौखिक रूप से उपरोक्त घटना की जानकारी दी गई थी तत्काल बाद हमने वित्त प्रभारी एएसआई को मौके पर पहुंचा शिकायतकर्ता के साथ मिलकर देवेश दी किंतु मौके पर कोई भी अपराधी नहीं मिला जिसका पंचनामा तैयार किया गया।

लक्ष्मण झरिया घंसौर थाना प्रभारी

आज कांग्रेसी करेंगे घंटा बजाकर विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। इंदौर में भाजपा-शासित नगर निगम द्वारा आपूर्ति किए गए मल-मूत्र युक्त अत्यंत गंदे पेयजल के सेवन से 14 निर्दोष नागरिकों की दर्दनाक मृत्यु हो जाना अत्यंत गंभीर, संवेदनशील एवं निंदनीय घटना है। इस मानवीय त्रासदी पर प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा पत्रकार के प्रश्न के उत्तर में "घंटा" जैसे अशोभनीय शब्द का प्रयोग करना, न केवल मृतकों और उनके परिजनों का अपमान है, बल्कि सत्ता की असंवेदनशीलता, अमानवीयता एवं निरंकुश सोच को भी दर्शाता है।इस अमानवीय एवं गैर-जिम्मेदाराना बयान के विरोध में 4 जनवरी को सांसद कार्यालय के समक्ष घंटा बजाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

खेत में बकरी: जानलेवा हमला

दोनों आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजे गए

सतना। खेत में बकरी चराने जैसी मामूली बात को लेकर जान से मारने की नीयत से हमला करने वाले दो सगे भाइयों को कोलगवां पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

क्या है पूरा मामला?

घटना 31 दिसंबर की शाम करीब 5 बजे की है। फरियादी मोनू चिकवा 28 वर्ष,निवासी माधवगढ़, अपनी बकरियां कब्रिस्तान के पास चरा रहा था। इसी दौरान उसकी बकरी सादिक खान के खेत में चली गई। इसी बात से आक्रोशित होकर सादिक खान और उसका भाई बाबू खान वहां पहुंचे और गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों भाइयों ने जान से मारने की नीयत से मोनू पर कुल्हाड़ी (टंगिया) से हमला कर दिया। सादिक ने मोनू के सिर पर और बाबू ने उसके पेट पर वार किया,जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक सतना,हंसराज सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ.शिवेश सिंह बघेल व नगर पुलिस अधीक्षक डी.पी.सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी एवं उनकी टीम ने तत्परता दिखाई।पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर भारतीय न्याय संहिता,2023 की धारा 109(1) हत्या का प्रयास,296(a) अश्लील गालियां देना 3(5): सामान्य आशय के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने घेराबंदी कर माधवगढ़ क्षेत्र से दोनों आरोपियों को दबोच लिया मो.साबिर उर्फ बाबू 30 वर्ष,पिता मो.सादिक मो.साजिद उर्फ सादिक 32 वर्ष,पिता मरहूम मो.सादिक दोनों निवासी माधवगढ़ छिपहटी मोहल्ला,सतना है।गिरफ्तारी के बाद दोनों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

प्रधानमंत्री से भी शिकायत कर लो, जांच तो हम ही करेंगे...

कोटर थाने के एएसआई का धमकाते हुए वीडियो वायरल

सतना।

जिले के कोटर थाने में पदस्थ एक एएसआई का दबंगई भरा अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी ग्राम पंचायत अकौना के सरपंच पति को कथित तौर पर धमकाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एएसआई यह

कहते सुनाई दे रहे हैं कि-प्रधानमंत्री से भी शिकायत कर लो,जांच तो हम ही करेंगे।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार,अकौना ग्राम पंचायत की सरपंच श्रद्धा सिंह ने बीट प्रभारी नरेश सिंह बघेल के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि बीट प्रभारी ग्रामीणों को बेवजह परेशान करते हैं। हैरान करने वाली बात यह रही कि इस शिकायत की जांच का जिम्मा भी संबंधित पुलिसकर्मी को ही मिल गया। आधी रात को सरपंच के घर पहुंचे एएस आई सरपंच पति अनुराग सिंह का आरोप है कि शिकायत से बौखलाए एएसआई रात के समय उनके घर पहुंचे और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने लगे। अंधेरे के कारण वीडियो में चेहरा साफ नहीं है,लेकिन आवाज स्पष्ट है जिसमें वे उच्च अधिकारियों और प्रधानमंत्री तक का खौफ न होने की बात कह रहे हैं। फिलहाल,वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप है और अब सबकी नजरें पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई पर टिकी हैं।

धापेवाड़ा में वैनगंगा नदी में बनाया अस्थायी पुल ध्वस्त किया गया

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिला बालाघाट में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 02 जनवरी 2026 को उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां के नेतृत्व में खनिज विभाग के अमले द्वारा रात्रि भ्रमण के दौरान ग्राम टिटवा, तहसील बालाघाट में अवैध रूप से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए एक हाईवा वाहन क्रमांक **MP**50-**H**-0645 को पकड़ा गया। वाहन को जप्त कर पुलिस चौकी चरेगांव की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।

बॉर्डर 2 का 'घर कब आओगे' गीत रिलीज, गायकों ने जीता दिल

मुंबई। फैंस का इंतजार खत्म हुआ और 'बॉर्डर 2' का मच अवेटेड गाना 'घर कब आओगे'शुक्रवार को रिलीज हो गया है। 'घर कब आओगे' फिल्म बॉर्डर के लोकप्रिय गीत 'संदेसे आते हैं'का री-क्रिएटेड वर्जन है। जिसे उसी धुन के साथ नए अंदाज और लिरिक्स में पेश किया गया है। जावेद अख्तर द्वारा लिखित और अनु मलिक के संगीत से सजे 'संदेसे आते हैं'के इस नए वर्जन को मनोज मुंतशिर ने लिखा है। जबकि संगीत मिथुन का है। पिछली बार इस गाने को सोनू निगम और रूप कुमार राठौड़ ने गाया था। लेकिन, इस बारे गाने में दो नहीं, बल्कि चार गायकों की आवाज है। इस बारे गाने को सोनू निगम के साथ अरिजीत सिंह, दिलजीत दोसांझ और विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इन चारों की आवाज में इस गाने को सुनकर फैंस उत्साहित हैं। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म में सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। जबकि मोना सिंह, सोनम बाजवा, आन्या सिंह और मेधा राणा भी फिल्म में अहम किरदारों में दिखाई देंगे।

लाइफ Style

कृति नहीं लेती बॉक्स ऑफिस नंबर्स का दबाव

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कृति सेनन अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। 'तेरे इश्क में'की सफलता के बाद अब 'कॉकटेल 2' पर भी अच्छे प्रदर्शन का दबाव है। कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई।

कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं। कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ों को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती है। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी। कॉकटेल 2 के दर्शक, तेरे इश्क में से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं वह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि, मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं। मैं उत्साहित हूं। इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने कॉकटेल 2 के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2 बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी।

हॉलीवुड मसाला

पिता बनने का साझा किया अनुभव

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता और मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के 'लोकी' के नाम से दुनियाभर में पहचान बना चुके टॉम हिडलस्टन एक बार फिर पिता बन गए हैं। नए साल की शुरुआत उनके लिए बेहद खास रही। टॉम हिडलस्टन और उनकी पार्टनर और अभिनेत्री जावे एश्टन ने अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया है। टॉम हिडलस्टन ने पिता बनने के एहसास को शब्दों में बयां करते हुए कहा कि यह अनुभव ऐसा है, जिसे महसूस किए बिना समझा नहीं जा सकता। उनके मुताबिक, यह पल न सिर्फ भावनात्मक है, बल्कि इंसान की पूरी सोच और जिंदगी को नई दिशा दे देता है। हालांकि, कपल ने अपने बच्चे के नाम और जेंडर को लेकर फिलहाल कोई जानकारी साझा नहीं की है। दोनों हमेशा से अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखने के लिए जाने जाते रहे हैं।

ओशन्स 11 गैंग की 19 साल बाद वापसी

लॉस एंजिल्स। 'ओशन्स' फिल्म फ्रेंचाइजी के फैंस के लिए खुशखबरी है। जॉर्ज क्लूनी ने खुलासा किया है कि वह सीरीज की चौथी फिल्म की तैयारी में हैं। एक बार फिर से ब्रैड पिट, मैट डेमन और जूलिया रॉबर्ट्स संग बाकी टीम लौटेगी। उन्होंने फिल्म के प्लॉट को लेकर भी हिंट दिया है। जॉर्ज क्लूनी, ब्रैड पिट, मैट डेमन, जूलिया रॉबर्ट्स जैसे दिग्गज सितारों से सजी 'ओशन सीरीज' की तीनों फिल्में आज करीब दो दशक बाद भी दर्शकों की फेवरेट हैं। साल 2001 में आई 'ओशन्स 11', 2004 में रिलीज ओशन्स 12 और 2007 में आई ओशन्स 13', वो फिल्में साबित हुईं, जिन्होंने बड़े पर्दे हाइस्ट जॉनर को पॉपुलर बनाया। इन फिल्मों का असर सिर्फ हॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में हुआ। आज भी दुनिया के किसी कोने में 'हाइस्ट' यानी लूट पर कोई फिल्म या सीरीज बनती है, तो उसमें 'ओशन सीरीज' का असर दिखता है। खुशखबरी यह है कि अब सुपरस्टार्स की फौज और शानदार चोरियों का दौर फिर से लौट रहा है। जी हां, फिल्म में लुटेरों की टीम के लीडर डैनी ओशन का किरदार निभाने वाले जॉर्ज क्लूनी ने इस ओर इशारा किया है।

अक्षय के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करेंगी रानी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' की नई फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय पहली बार रानी मुखर्जी के साथ काम करने जा रहे हैं। बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड'एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'ओह माई गॉड' इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है।

40 की उम्र में फिर प्यार में पड़ीं कीर्ति

मुंबई। नए साल के मौके पर 1 जनवरी की देर रात कीर्ति कुल्हारी ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अपने रिलेशनशिप को ओपेन किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की है, जिसमें कई अलग-अलग फोटोज हैं। इन फोटोज में कीर्ति कुल्हारी अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ नजर आ रही हैं। इस रील में राजीव और कीर्ति की कई रोमांटिक तस्वीरें भी हैं। इस रील के साथ ही कीर्ति ने राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया है। कीर्ति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 मुबारक हो।'आजकल किसी भी रिलेशनशिप के सामने आते ही पार्टनर्स के बीच उम्र का फासला जानने के लिए भी फैंस उत्साहित रहते हैं। इसी तरह राजीव सिद्धार्थ और कीर्ति कुल्हारी के बीच के उम्र के फासले को लेकर भी फैंस उत्साहित हैं।

टीवी मसाला

शार्क टैंक इंडिया सीजन 5 में दिखेंगे नए आइडियाज

नई दिल्ली। छोटे पर्दे पर मचअवेटेड स्टार्टअप्स शो 'शार्क टैंक इंडिया' सीजन 5 एक बार फिर सोनी टीवी पर वापसी कर रहा है। शो से जुड़े कई प्रोमो सामने आए हैं, जिसमें नए उद्यमियों को अपना आइडिया जजों के सामने पेश करते हुए दिखाया गया है। शो का पहला सीजन साल 2021 में आया था, जिसमें 700 से ज्यादा नई डील्स को लॉक किया गया था, लेकिन अब पांचवें सीजन के साथ 6 नए जज और नए आइडिया शो में दिखने वाले हैं। ये शार्क्स न सिर्फ स्टार्टअप्स में निवेश करेंगे, बल्कि उद्यमियों को मेंटरशिप और स्ट्रैटेजिक गाइडेंस भी देंगे। सीजन 5 का प्रीमियर 5 जनवरी को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा और इसे सोनी लिव ऐप पर स्ट्रीम किया जा सकेगा। शो का फॉर्मेट वही रहेगा। जहां कई राउंड्स की स्क्रीनिंग के बाद चुनिंदा स्टार्टअप्स को शार्क्स के सामने पिच करने का मौका मिलेगा। सीजन पांच में पुराने जज विराज बहल, कुणाल बहल, अमित जैन, रितेश अग्रवाल, पीयूष बंसल, नमिता थापर, अमन गुप्ता, विनिता सिंह और अनुपम मित्तल भी दिखेंगे. इनके साथ शैली मेहरोत्रा (सीईओ, फिक्सडर्मा इंडिया), हार्दिक कोठिया (रेजॉन सोलर के संस्थापक और प्रबंध निदेशक), मोहित यादव (मिनिमलिस्ट के सह-संस्थापक) वरुण अलघ (होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के सीईओ और सह-संस्थापक), कनिका टेकरीवाल (जेटसेटगो एविएशन की संस्थापक) और प्रथम मित्तल (मास्टर्स यूनियन और टेट्रा के संस्थापक) 'शार्क टैंक इंडिया' के नए शार्क्स होंगे।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' रहा अव्वल

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत में यानी शुक्रवार को 51वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट जारी की गई। पिछले साल जुलाई महीने में स्मृति ईरानी स्टारर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' ने टीवी पर पच्चीस साल बाद वापसी की। यह सीरियल पहले हफ्ते से ही टीआरपी लिस्ट में टॉप 5 में जगह बनाने में कामयाब रहा, साथ ही इसने बचे हुए साल में भी टॉप 5 में अपने लिए जगह बनाए रखी। 51वें हफ्ते में यह सीरियल अव्वल रहा, इसे 2.2 की टीआरपी मिली है। इसकी वजह है कि सीरियल में इन दिनों बहुत ट्विस्ट आ रहे हैं। लीड कैरेक्टर तुलसी और मिहिर एक-दूसरे से दूर हो चुके हैं। 51वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में रुपाली गांगुली के सीरियल 'अनुपमा'को दूसरा स्थान मिला है। इसकी टीआरपी 2.1 रही है। जबकि पिछले साल यह सीरियल हर हफ्ते टॉप पर बना रहा, कभी-कभी ही ऐसा हुआ कि यह खिसककर नीचे आया हो। साल के आखिरी हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में टॉप 5 में कई और सीरियल्स ने जगह बनाई है। इसमें उड़ने की आशा और तुम से तुम तक को 1.9 की टीआरपी मिली है। यह सीरियल एक-दूसरे को टक्कर दे रहे हैं।

द्रौपदी 2 दिखाएगी दक्षिण भारत के 14वीं सदी का इतिहास

मुंबई। 'द्रौपदी 2' को सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। यह फिल्म दक्षिण भारत के 14वीं सदी के इतिहास को दिखाएगी। ऑरिजनली तमिल में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 23 जनवरी को रिलीज होनी है। इसी दिन सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ स्टारर 'बॉर्डर 2' भी रिलीज होगी। तमिल और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में ऐतिहासिक विषयों पर बनने वाली फिल्मों में हमेशा से दर्शकों की खास दिलचस्पी मिलती रही है। जब ऐसी फिल्मों में इतिहास, वीरता, संस्कृति और सामाजिक संघर्ष की झलक मिलती है, तो दर्शक उनसे खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। 'द्रौपदी 2' 14वीं सदी के उस दौर को दिखाएगी, जिसे इतिहास का एक अंधकारमय और उथल-पुथल भरा समय माना जाता है।' यह फिल्म दक्षिण भारत के इतिहास को बड़े पर्दे पर जीवंत रूप में पेश करेगी और इसी महीने सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले खबर थी कि फिल्म निर्माता इसे 23 जनवरी 2026 को रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट मिलने के बाद लगभग तय माना जा रहा है कि फिल्म जल्द ही दर्शकों के सामने होगी। 'द्रौपदी 2' का निर्माण चोला चक्रवर्ती ने नेटाजी प्रोडक्शन्स के बैनर तले किया है। फिल्म को लेकर दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है।

बैंड बाजा बारात फिर से हो रही रिलीज

मुंबई। इन दिनों री-रिलीज फिल्मों का ट्रेंड जोर पकड़ रहा है और अब इस कड़ी में रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की सुपरहिट रोमांटिक फिल्म 'बैंड बाजा बारात'का नाम भी जुड़ गया है। ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में लौट रही है। इस फिल्म ने न सिर्फ रणवीर सिंह को बॉलीवुड में पहचान दिलाई थी, बल्कि अनुष्का के साथ उनकी जोड़ी को भी काफी पसंद किया गया था। साल 2010 में रिलीज हुई यह फिल्म अब करीब 16 साल बाद फिर से थिएटर्स में दिखाई जाएगी। मेकर्स ने इसकी री-रिलीज डेट 16 जनवरी 2026 तय की है। इस खबर के सामने आते ही फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। खासकर उन दर्शकों के लिए यह एक खास मौका है, जिन्होंने पहली बार इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखा था या जो नई पीढ़ी के दर्शक हैं।'बैंड बाजा बारात' की कहानी दो युवा और महत्वाकांक्षी लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दिल्ली की चकाचौंध भरी शादी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने निकलते हैं। फिल्म में दोस्ती, प्यार, महत्वाकांक्षा और टकराव को बेहद हल्के-फुल्के लेकिन असरदार तरीके से दिखाया गया है। यही वजह है कि फिल्म आज भी दर्शकों को उतनी ही ताजा लगती है, जितनी अपनी पहली रिलीज के समय लगी थी। रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की जोड़ी को इस फिल्म से जबरदस्त लोकप्रियता मिली थी। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री, डायलॉग्स और किरदारों की सादगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

महाकाली में शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे अक्षय

मुंबई। धुरंधर में रहमान डकैत की भूमिका से चर्चाएं बटोरने वाले अक्षय खन्ना इन दिनों आरोपों को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बीच अक्षय खन्ना की अगली फिल्म महाकाली से उनकी बीटीएस तस्वीर सामने आई है। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली'के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। इसके अलावा पूजा ने 2025 के अपने सफर की कई और तस्वीरें भी साझा की हैं, जिनमें सेट की भी कुछ और तस्वीरें हैं। महाकाली से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। महाकाली प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक सामने आया था, जिसमें उन्हें पहचानना बिल्कुल मुश्किल हो रहा था। इस लुक के सामने आने के बाद से ही फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। महाकाली में भूमि शेट्टी महाकाली के मुख्य किरदार में नजर आएंगी। अक्षय खन्ना के शामिल होने से फिल्म की और भी चर्चा हो रही है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित धुरंधर में अक्षय खन्ना ने बलोच नेता और अंडरवर्ल्ड डॉन रहमान डकैत की भूमिका निभाई है। इस किरदार में अभिनय के लिए अक्षय खन्ना की जमकर प्रशंसा हो रही है। सबसे ज्यादा वायरल उनका डांस स्टेप हुआ है, जिसे लोग काफी कॉपी कर रहे हैं।

कोर्टरूम ड्रामा से लेकर एक्शन और रोमांस तक

वीकेंड घर बैठकर देखिए अलग-अलग प्रकार की फिल्में और सीरीज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए साल का आगाज हो चुका है। नए साल के पहले दिन सिनेमाघरों में अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' रिलीज हुई है। इसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं, दूसरी ओर नए साल के पहले हफ्ते में ओटीटी पर भी कई फिल्में व सीरीज आ रहे हैं और कुछ आ चुके हैं। जिन्हें आप घर बैठे ही देख सकते हैं और नए साल का आनंद ले सकते हैं।

हक

इमरान हाशमी और यामी गौतम की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'हक' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। फिल्म आज यानी 2 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर मौजूद है। शाह बानो केस पर आधारित 'हक' को क्रिटिक्स ने सराहा था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।

ब्यूटी

तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर 'ब्यूटी' एक लड़की के प्रेम में पड़ने के बाद अपने घर से भाग जाने और माता-पिता के उसे ढूंढने की कहानी है। इमोशनल पारिवारिक ड्रामा और शॉकिंग ट्विस्ट से भरी यह फिल्म 2 जनवरी से ओटीटी के प्लेटफॉर्म जी5 पर मौजूद है।

रन अवे

ब्रिटिश थ्रिलर वेब सीरीज 'रन अवे' भी 1 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर मौजूद है। इसमें जेम्स नेसबिट, एली डी लैंग, रुथ जोनस और अल्फ्रेड एनोच समेत कई कलाकार दिखाई देंगे।

कुमकी 2

तमिल फिल्म 'कुमकी 2' शनिवार 3 जनवरी से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर मौजूद रहेगी। इस फिल्म की कहानी भूमि और उसके हाथी नीला के बीच गहरे बॉन्ड पर आधारित है। बचपन में भूमि की मां द्वारा चुपके से हाथी को बेच दिए जाने के बाद, बड़े होकर भूमि अपने साथी को खोजने के लिए एक मिशन पर निकल पड़ता है।

स्ट्रेंजर थिंग्स 5 फाइनल एपिसोड

नेटफ्लिक्स की सबसे लोकप्रिय सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स' के पांचवे सीजन का आखिरी एपिसोड भी आ चुका है। 1 जनवरी से यह फाइनल एपिसोड नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर रहा है।

एलबीडब्ल्यू: लव बियॉन्ड विकेट

क्रिकेट पर आधारित स्पोर्ट ड्रामा सीरीज 'एलबीडब्ल्यू: लव बियॉन्ड विकेट' रंगन की कहानी है, जो एक होनहार खिलाड़ी रह चुका है। लेकिन, कॅरियर में ज्यादा सफलता न मिलने पर अब कोच बन गया है। सीरीज आत्मसम्मान के लिए रंगन के संघर्ष और खिलाड़ियों के इमोशनल संघर्षों को दिखाती है। यह सीरीज 1 जनवरी से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम कर रही है।

लव फ्रॉम 9 टू 5

ऑफिस रोमांटिक-कॉमेडी सीरीज 'लव फ्रॉम 9 टू 5' 1 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर मौजूद है। इस सीरीज में ऑफिस पॉलिटिक्स से लेकर सहकर्मियों के बीच के रिलेशन तक को दिखाया गया है।

माई कोरियन बॉयफ्रेंड

'माई कोरियन बॉयफ्रेंड' एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज है, जो 1 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर रही है। सियोल में 22 दिनों में फिल्माई गई यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज, प्यार के अलग-अलग पड़ावों पर हर जोड़े की कहानी बयां करती है।

स्टेट कैपिटल रीजन के सेटअप को मंजूरी, अब बनेगा बोर्ड, सीएम अध्यक्ष, चार मंत्री भी होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ के स्टेट कैपिटल रीजन यानी (एससीआर) के 210 पदों के सेटअप को राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही अब नया राजधानी क्षेत्र के विकास का पहला दरवाजा खुल गया है। सेटअप की मंजूरी के बाद अब बोर्ड का गठन किया जाएगा।

- सीएसआर अब लेगा तेजी से आकार, नए बजट में बड़े प्रावधान संभावित
- चार निगम सहित 23 निकाय और 700 गांव होंगे शामिल

अब एससीआर का कामकाज होगा तेज

बताया गया है कि सेटअप को मंजूरी मिलने के साथ ही एससीआर के कामकाज में तेजी आएगी। दरअसल एससीआर गठन की प्रक्रिया के अलग-अलग दौर में कई तरह के काम किए गए हैं। इसमें सेटअप बनाने से लेकर विधि विभाग से परामर्श आदि भी शामिल है। इसी क्रम में अब एससीआर बोर्ड का गठन किया जाएगा। बताया गया है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित होने वाले इस बोर्ड में सरकार के चार मंत्री शामिल हो सकते है। बोर्ड की संरचना में मुख्यमंत्री (चेयरपर्सन), शहरी प्रशासन, पीडब्ल्यूडी, पर्यावरण मंत्री, राज्य सचिव और स्थानीय प्रतिनिधि शामिल रहेंगे।

4 निगम सहित 23 निकाय होंगे हिस्सा

एससीआर में रायपुर, नवा रायपुर और दुर्ग-भिलाई को शामिल किया गया है। कुल 4 नगर निगम और 23 नगरीय निकाय इसका हिस्सा होंगे। अधिकारियों का अनुमान है कि कैपिटल रीजन की जनसंख्या 2031 तक 50 लाख तक पहुंच सकती है। यह क्षेत्र शहर नियोजन, निवेश, भूमि उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और विकास गतिविधियों के समन्वय का केंद्र होगा। इसके लिए कैपिटल रीजन डेवलपमेंट फंड बनाया जाएगा और सीआरडीए को विशेष अवसंरचना उपकर लगाने का अधिकार दिया जाएगा।

700 गांव भी होंगे शामिल

बताया गया है कि शुरुआत में लगभग 700 गांवों को कैपिटल रीजन में शामिल करने की योजना है ताकि शहरी और ग्रामीण विकास को संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जा सके। पूरे क्षेत्र का मास्टर प्लान 'ओवल शेप' में तैयार होगा, जो सभी प्रमुख कस्बों और शहरों को जोड़ेगा। वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक इस बात की संभावना भी है कि अगर एससीआर का विस्तार जरुरी हुआ तो इसमें अभनपुर और राजनांदगांव को भी शामिल किया जा सकता है।

नए बजट में हो सकता है बड़ा प्रावधान

इधर राज्य सरकार का नया बजट 2026-27 फरवरी-मार्च में आने वाला है। जानकारों का कहना है कि नए बजट में एससी आर के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया जा सकता है। 2024-25 के बजट में एससीआर कार्यालय और डीपीआर तैयार करने के लिए 5 करोड़ रुपये अलग रखे गए थे। रायपुर-दुर्ग मेट्रो रेल लिंक के लिए भी 5 करोड़ रुपये की प्रारंभिक सर्वे व्यवस्था की गई है।

प्रयागराज में प्रारम्भ हुआ माघ मेला

'मेला रेल सेवा ऐप' देगा ट्रेन से लेकर मेडिकल हेल्प तक की मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 3 जनवरी से माघ मेला 2026 की शुरुआत हो रही है, जो 15 फरवरी तक चलेगा.पिछले साल महाकुंभ 2025 की तरह इस बार भी रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष तैयारियां की हैं। मेला रेल सेवा–2026 पोर्टल उत्तर मध्य रेलवे की ओर से बनाया गया है। इसमें यात्रियों को घर बैठे ही सभी जानकारियां मिल जाएंगी। इसके अलावा रेलवे ने मेला के दौरान कई विशेष ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। प्रयागराज जंक्शन, रामबाग, झूसी सहित 9 स्टेशनों से स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। कुछ ट्रेनों का अस्थाई ठहराव भी बढ़ाया गया है, ताकि श्रद्धालु आसानी से चढ़-उतर सकें।

कुंभ में भी शुरू किया गया था ऐप

बता दें कि इससे पहले महाकुंभ के लिए भी रेलवे ने इसी तरह का 'कुंभ रेल सेवा' ऐप और पोर्टल की सुविधा उपलब्ध कराई थी। अब माघ मेला के लिए इसे अपडेट करके 'मेला रेल सेवा–2026' नाम दिया गया है।

इस ऐप से क्या-क्या मिलेगी जानकारी

ट्रेन जानकारी: *मेला स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल, स्टॉपेज, उपलब्ध सीटें और टिकट बुकिंग की सुविधा।* ***यात्री सुविधाएं:*** *स्टेशनों पर विश्राम गृह, वेटिंग रूम, पानी, शौचालय और अन्य व्यवस्थाएं।* ***मेडिकल सहायता:*** *मेला क्षेत्र और स्टेशनों पर उपलब्ध डॉक्टर, एम्बुलेंस और हेल्पलाइन नंबर।* ***स्टेशन गाइड:*** *प्रयागराज के सभी स्टेशनों का नक्शा, प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर और मेला क्षेत्र तक पहुंचने का रास्ता।*

माघ मेला प्रयागराज

- मेला प्रारंभ - 3 जनवरी शनिवार।
- मेला समापन - 15 फरवरी रविवार।
- कुल अवधि - 44 दिन।
- स्थान - त्रिवेणी संगम, प्रयागराज

माघ मेला 2026 प्रमुख स्नान तिथियां

पौष पूर्णिमा स्नान - 3 जनवरी। मकर संक्रांति स्नान - 14 जनवरी। मौनी अमावस्या स्नान - 18 जनवरी। बसंत पंचमी स्नान - 23 जनवरी। माघी पूर्णिमा स्नान - 1 फरवरी। महाशिवरात्रि स्नान - 15 फरवरी 2026।

रुमेटोलॉजी विशेषज्ञ की नियुक्ति, पहले दिन की ओपीडी में तीन मरीज

गठिया का अब सरकारी हॉस्पिटल में इलाज डीकेएस में खुला राज्य का पहला सेंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नए साल की शुरुआत के साथ राजधानी के डीकेएस सुपरस्पेशलिटी हास्पिटल में वात संबंधी रोग (गठिया) के इलाज की सुविधा प्रारंभ की गई है। इसके लिए रुमेटोलॉजी विशेषज्ञ महिला चिकित्सक की नियुक्ति की गई है। शुक्रवार को पहली ओपीडी में तीन मरीज पहुंचे, जिनकी संख्या आने वाले दिनों में बढ़ने की संभावना है। राज्य में रुमेटो संबंधी बीमारियों के इलाज की सुविधा देने वाला डीकेएस पहला हास्पिटल होगा।

डीके हास्पिटल में काफी समय पहले रुमेटोलॉजी विभाग प्रारंभ करने की योजना बनाई गई थी। इस आधार पर वहां रुमेटोलॉजी विशेषज्ञ डा. अश्लेषा शुक्ला की नियुक्ति की गई है। डा. शुक्ला प्रतिदिन ओपीडी में आने वाले मरीजों की जांच के बाद आवश्यक इलाज करेंगी। गुरुवार को उनकी ज्वाइनिंग के बाद शुक्रवार से ओपीडी की शुरुआत हुई, जिसमें तीन मरीजों ने आकर अपनी जांच कराई। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि आने वाले दिनों में इस विभाग की ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ेगी। राज्य के किसी भी मेडिकल कालेज अथवा सरकारी अस्पताल में गठिया रोग के इलाज का विशेषज्ञ नहीं है। इसके लिए सरकारी स्तर पर दूसरे विभाग अथवा निजी हास्पिटल के डाक्टरों के पास जाकर इलाज कराना पड़ता है। ठंड अथवा मौसम में होने वाले बदलाव के दौरान जोड़ों में दर्द के साथ वात से संबंधित समस्या बढ़ जाती है। खासकर बढ़ती उम्र में इस तरह की समस्या अधिक असर दिखाती है।

पांच भाषा की जानकार महिला चिकित्सक

रायपुर के अलावा ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों के इलाज के लिए रुमेटोलॉजिस्ट डा. अश्लेषा शुक्ला की नियुक्ति की गई है। डीएम इम्यूनोलॉजी एंड रुमेटोलॉजी डा. शुक्ला हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी के साथ उड़िया और मराठी भाषा की जानकार हैं। छत्तीसगढ़ की मूल निवासी और प्रथम महिला रुमेटोलॉजिस्ट के रूप में उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

मरीजों को मिलेगा लाभ

रुमेटोलॉजिस्ट की नियुक्ति की गई है। इससे गठिया रोग से पीड़ित मरीजों को जांच और आवश्यक उपचार की सुविधा प्रतिदिन ओपीडी में मिलेगी।

- डॉ. हेमंत शर्मा, उप अधीक्षक, डीकेएस सुपर स्पेशलिटी

छगः आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को दिए जाएंगे विद्यारंभ सर्टिफिकेट, इसके आधार पर स्कूलों में प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

खास खबर

राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले 3 से 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों को कक्षा पहली में प्रवेश से पहले अब सर्टिफिकेट मिलेगा। यह सर्टिफिकेट विद्यारंभ नाम से रहेगा। इस सर्टिफिकेट से साबित होगा कि बच्चे प्ले स्कूल स्तर की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और औपचारिक स्कूली शिक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। छत्तीसगढ़ राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं।

नए साल में बदलाव, बच्चों की पढ़ाई होगी सुविधाजनक

पहली कक्षा की दाखिले में यह सर्टिफिकेट महत्वपूर्ण

विद्यारंभ सर्टिफिकेट बच्चों की सालाना गतिविधियों और उनकी शिक्षा का स्तर का आंकलन होगा। उसके बाद विद्यारंभ सर्टिफिकेट वितरित किया जाएगा। बच्चों के सरकारी व निजी स्कूलों में कक्षा पहली में प्रवेश में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बच्चे स्कूल के माहौल में आसानी से ढल सकें इसलिए आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को प्री-स्कूल की तरह भाषा, पहचान, रंग, आकृतियां, सामाजिक व्यवहार जैसे गतिविधियां सिखाई जा रहीं हैं।

इसलिए शुरू किया है विद्यारंभ सर्टिफिकेट

महिला बाल विकास विभाग के दुर्ग जिला अधिकारी आरके जामुलकर ने बताया कि विद्यारंभ सर्टिफिकेट व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों को शुरूआती उम्र में ही शिक्षित व आत्मविश्वासी बनाना है। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को कक्षा एक के लिए आवश्यक बुनियादी शिक्षा भी दी जा रही है। विद्यारंभ सर्टिफिकेट बच्चों की इस तैयारी को मान्यता देगा। इससे अभिभावकों में भी जागरूकता बढ़ेगी और बच्चे बिना किसी डर व झिझक के स्कूल में कदम रख पाएंगे। इस उद्देश्य से यह सर्टिफिकेट दिया जा रहा है। सर्टिफिकेट देने की विभाग की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। हमने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों से बच्चों की जानकारी मंगवाई है। ताकि बच्चों को विद्यारंभ सर्टिफिकेट बांट सकें।

बच्चों को इस तरह दी जा रही है शिक्षा

आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को मेरा शरीर, मैं और मेरे दोस्त, रिमझिम बारिश, पानी रे पानी, जानवरों की दुनिया, पेड़-पौधे - हमारे दोस्त, खाना-खजाना, आई ठंड, हवा, आओ करें सवारी, हमारे मददगार, गर्मी, छतरी अंबर, चांद सितारे, हमारे त्योहार जैसे संदर्भ पढ़ाए जा रहे हैं। केन्द्रों में किताबों को तीन भाग में बांटकर बच्चों की उम्र के हिसाब से पढ़ाया जा रहा है।

भाजपा-कांग्रेस समर्थक भिड़े, एक मृत विधायक समेत 11 पर एफआईआर

एजेंसी ▶▶| बल्लारी

कर्नाटक के बल्लारी में हुई हिंसा व एक व्यक्ति की मौत के बाद के मामले में भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि दरअसल बैनर लगाने को लेकर कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी और भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के समर्थक आपस में भिड़ गए थे। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री और भाजपा नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलिखन और सोमशेखर रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राशिफल

मेष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

वृष — रहन–सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

कर्क — कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

सिंह — लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

कन्या — मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

तुला — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि

धनु — किसी पुराने मित्र से पुनःसम्पर्क हो सकता हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर — नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ

कुंभ — स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

मीन — कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान

ईडी और ईओब्ल्यू की गिरफ्तारी को दी थी चुनौती

पांच माह से जेल में बंद पूर्व सीएम के पुत्र चैतन्य को बड़ी राहत, मिली बेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट बड़ी राहत मिल है। पांच माह से जेल में बंद चैतन्य को जमानत मिल गई। इससे पहले जमानत याचिका पर बहस पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। यह राहत उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और छत्तीसगढ़ एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी और ईओडब्ल्यू) की ओर से दर्ज केसों में मिली है। ध्यान रहे कि ईडी ने चैतन्य बघेल को पिछले साल जुलाई 2025 में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जबकि भ्रष्टाचार के मामले में सितंबर में एसीबी ने उन्हें तब गिरफ्तार किया जब वे पहले से ही जेल में थे। अनुसार यह घोटाला 2019 से 2022 के बीच हुआ, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचा।

अपराध सिर्फ यही कि पूर्व सीएम के बेटे हैं

अपनी जमानत याचिका में चैतन्य बघेल की ओर से पेश एडवोकेट फैजल रिजवी ने कोर्ट को बताया कि पप्पू बंसल के बयान को आधार मानते हुए चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी की गई है, जो सही नहीं है। पप्पू बंसल के खिलाफ गैर जमानती वारंट है और वह बाहर घूम रहे हैं। इसलिए किसके दबाव में उन्होंने इस तरह का बयान दिया है यह आप समझ सकते हैं। याचिका में कहा गया कि 2022 से शराब घोटाले मामले में जांच चल रही है, और तीन साल बाद चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी तक एक भी समंस चैतन्य बघेल को नहीं दिया गया है। मार्च 2025 में जब उनके घर में रेड की गई थी तब उनके सभी डिजिटल डिवाइस जब्त कर लिए थे।

घोटाले का पैसा चैतन्य तक पहुंचा

कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी के वकील सौरभ पाण्डेय ने बताया कि शराब घोटाले की जो जांच चल रही है उसमें सामने आया है कि चैतन्य बघेल ने बहुत सारे पैसे की लेयरिंग की है । 1000 करोड़ का लेनदेन किया है। इसके साथ ही पप्पू बंसल ने अपने बयान में खुलासा किया है कि शराब के घोटालों के पैसों को चैनलाइज्ड करके चैतन्य बघेल तक पहुंचाया जाता था।

स्कोडा ऑटो का सिल्वर जुबली साल भारत में अब तक का सबसे शानदार साल साबित

जबलपुर

स्कोडा ऑटो ने अपनी 25वीं सालगिरह पर 2025 को अब तक का सबसे शानदार साल बताया। ब्रैंड ने सालाना 72,665 कारों की बिक्री के साथ 107% की ग्रोथ दर्ज की, जो 2024 की 35,166 यूनिट्स की तुलना में दोगुनी से अधिक है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने बताया कि काइलैक, कोडियाक, कुशाक, स्लाविया और ऑक्टेविया आरएस को ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला। 183 शहरों में 325 से अधिक कस्टमर टचपॉइंट्स स्थापित किए गए, जिससे ब्रैंड की पहुँच और मजबूत हुई। 2025 में प्रोडक्ट्स के अलावा ब्रैंड की पहचान, ग्राहक अनुभव और सेवा नेटवर्क भी मज़बूत हुआ। स्कोडा ने अपने डीलरशिप वर्कफोर्स को 7,500 से अधिक प्रोफेशनल्स तक बढ़ाया और 25,000 से ज्यादा ट्रेनिंग दिन आयोजित किए। एक्सटेंडेड वारंटी और फीचर-अपग्रेड जैसी पहलें ग्राहकों के ओनरशिप अनुभव को बेहतर बनाने के लिए शुरू की गईं। ब्रैंड ने कोडियाक को माउंट एवरेस्ट के नॉर्थ फेस बेस कैंप तक पहुँचने वाली पहली पेट्रोल एसयूवी बनाकर इंजीनियरिंग क्षमता का प्रदर्शन किया। 2026 में स्कोडा ऑटो नए प्रोडक्ट्स, सेल्स और आफ्टरसेल्स इनिशिएटिव्स, मार्केट विस्तार और ग्राहकों के साथ मजबूत जुड़ाव पर फोकस करेगा। स्कोडा का 25वां साल ग्राहकों के भरोसे, प्रोडक्ट्स की मांग और नेटवर्क विस्तार के मामले में कंपनी के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

BG कोचों की पेंटिंग और स्टेंसिलिंग के लिए ई-निविदा

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, MIB-WS, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित है:
निविदा सूचना सं.: MIBW-2025-19-06-09-08 दिनांक: 30.12.2025
कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में कार्य के दायरे के अनुसार BG कोचों की पेंटिंग और स्टेंसिलिंग कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,69,21,500/- (रु. एक करोड़ उनहत्तर लाख इक्कीस हज़ार पाँच सौ मात्र), सभी करों सहित, **बयाना राशि:** ₹ 2,34,600/- (रु. दो लाख चौंतीस हज़ार छह सौ मात्र), **अनुबंध की अवधि:** 01 (एक) वर्ष, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 0 (शून्य)।
प्री-बिड मीटिंग दिनांक **05.01.2026** को **11:00** बजे मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में होगी। निविदाकर्ता निविदा से संबंधित सवालों के स्पष्टीकरण के लिए मीटिंग में शामिल रहें।
निविदा जमा करना: बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां दिनांक **21.01.2026** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है व इन्हे अस्वीकार कर दिया जाएगा। ।
प्राप्त सभी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
सहायक कार्यशाला प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मोतीबाग, नागपुर
AIM/57-259
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

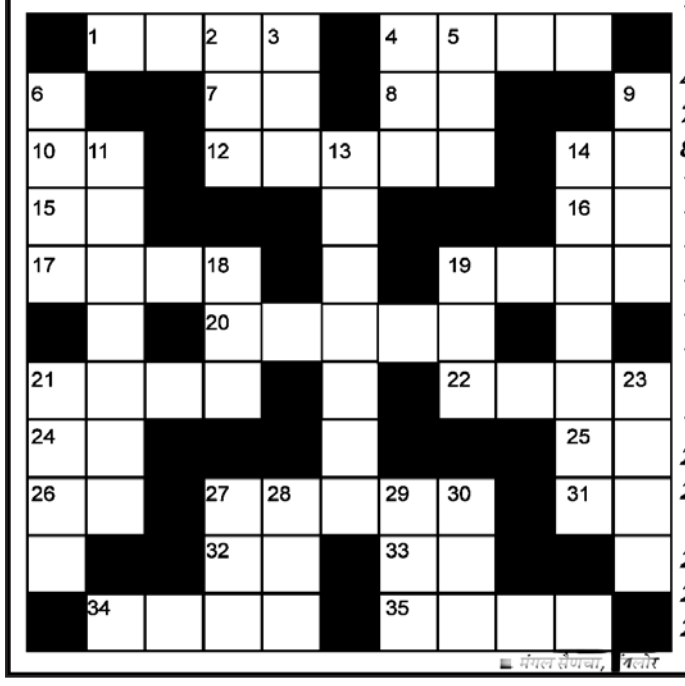

शब्द पहेली - 6098

बाएँ से दाए-

1.एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4.दान देने वाला-4
7.सवारी गाड़ी-2
8.संख्या,रत्न-2
10.जाप,मंत्र पाठ-2
12.आक्रमणकारी-5
14.अपशिष्ट पदार्थ-2
15.दिन,प्रहार-2
16.भीगा हुआ-2
17.शिशु,पैदा हुआ बच्चा-4
19.कीमती-4
20.आलसी,निष्ठाहीन-5
21.जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22.गारंटी,मुचलका-4
24.रिश्तेदार-2
25.शेर,नाहर-2
26.पिटाई,चोट-2
27.निम्नता,न्यूनता-5
31.परिणाम,निष्कर्ष-2
32.महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33.मूल,कंद-2
35. पितृपक्ष-2

ऊपर से नीचे

2.सवेरा,भोर-3
3.सांभर जैसा आहार -3
4.दैत्य,असुर-3
5.शहर-3
6.तरुण,जवान-4
9.एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11.ईश्वर,रब-7
13.डांट,फटकार, भर्त्सना -3,4
14.भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18.अधीन-3
19.निवेदन,प्रार्थना-3
21.असमतल-4
23.धमाका, सनसनी-4
27.करिश्मा-3
28.बारीक-3
29.कपड़े धोनेवाला-3
30.पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6097 का हल

सूडोकु नवताल - 6108

★★★✫✩ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6107 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 4 जनवरी 2026

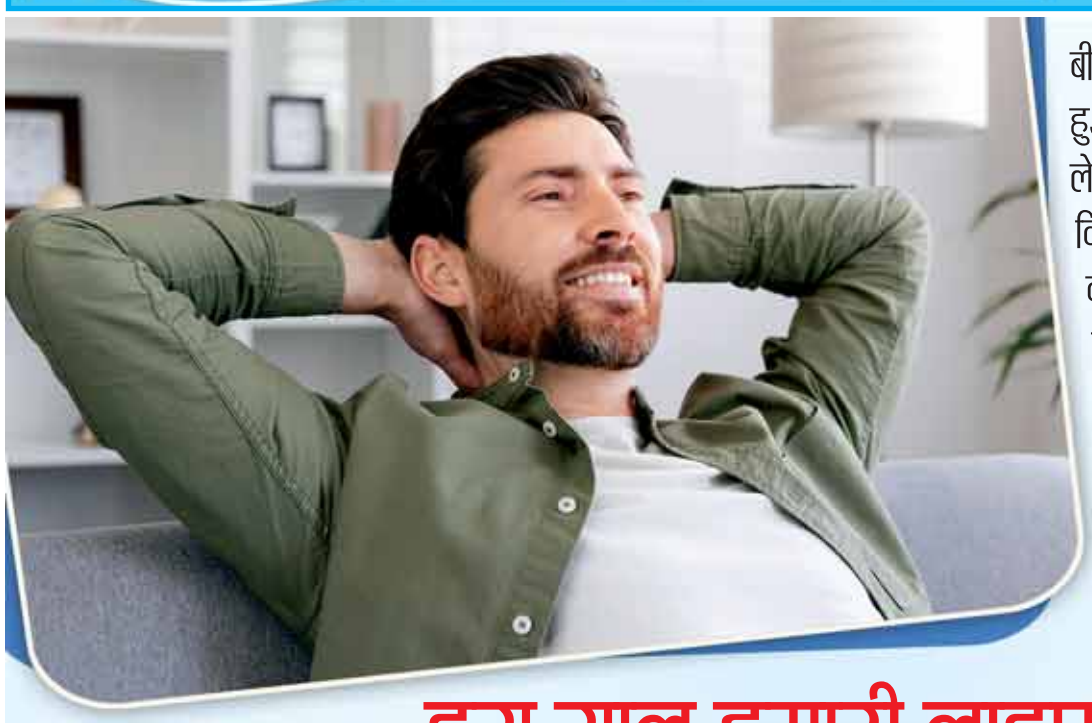

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

{ कवर स्टोरी }
संध्या सिंह

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

{ साइंस-टेक 2026 }
संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत

होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन

लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

{ दोहे }
गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

{ लघुकथाएं }

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, गिल संभालेंगे कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 11 जनवरी से होना है। इसके लिए बीसीसीआई ने वनडे टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इसमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल गर्दन मे इंजरी के बाद पूरी तरह से वापस आ गए हैं जबकि उपकप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज सिराज की वापसी हुई है। उनकी वापसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फाइनल फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है। वह पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खलिाफ सिडनी वनडे में चोटिल हो गए थे।

हार्दिक का वर्कलोड मैनेज

वहीं टीम इंडिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर जगह बनाने से चूक गए। इस बीच, हार्दिक पंड्या को पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने की इजाजत नहीं मिली है, जिसके चलते टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान से मैनेज कर रहा है और उन्हें वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। दरअसल इसके बाद भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी, जिसे देखते हुए सेलेक्टर्स खिलाड़ियों की फिटनेस और लंबे समय तक तैयार रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अय्यर-सिराज की वापसी

वनडे टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा,प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल.

इन प्लेयर्स को मिला मौका

शुभमन गिल चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम में बने रहेंगे। टीम में विकेटकीपिंग ऑप्शन के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत भी शामिल हैं, साथ ही ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी भी हैं। तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज संभालेंगे, जिन्हें अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा का साथ मिलेगा, जबकि कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

तारीख	मैच	स्थान
11 जनवरी	पहला वनडे	वडोदरा
14 जनवरी	दूसरा वनडे	राजकोट
18 जनवरी	तीसरा वनडे	इंदौर

खबर संक्षेप

मयंक यादव जल्द करेंगे मैदान में वापसी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन के कारण लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अब अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करने के लिए फिट होने के करीब हैं। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में अपनी तूफानी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद वह सबसे छोटे प्रारुप में भारत के लिए भी खेले। हालांकि पीठ की चोट के कारण वह 2025 में केवल दो प्रतिस्पर्धी मैच ही खेल पाए। मयंक की फिटनेस संबंधी समस्याओं के बावजूद उनकी आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस तेज गेंदबाज पर भरोसा दिखाया और पिछले महीने हुई नीलामी से पहले उन्हें अपनी टीम में बनाए रखा।

चोट के बाद अय्यर फिट खेलेंगे रिटर्न टू प्ले मैच

मुंबई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले साल अक्टूबर में लगी तिल्ली (स्पलीन) की चोट से उबरने के बाद अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई और हिमाचल प्रदेश के बीच 6 जनवरी को होने वाले मैच में खेलेंगे लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला में उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच के दौरान अय्यर को चोट लगी थी। उन्हें तिल्ली में घाव और आंतरिक रक्तस्राव के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नवंबर की शुरुआत में अय्यर को टीम से रिलीज कर दिया था। इसके बाद दाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब वापसी करने के करीब है। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के एक सूत्र के अनुसार यह 31 वर्षीय खिलाड़ी अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए 50 ओवरों की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

हार्दिक ने एक ओवर में लगाए लगातार 5 छक्के 144.57 की स्ट्राइक रेट से खेली शतकीय पारी

एजेंसी ▶▶| राजकोट

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का बल्ला जमकर गरज रहा है। हार्दिक ने विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन के पांचवें चरण के मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ तूफानी बैटिंग की और ओवर में लगातार 5 छक्के व एक चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। वहीं देवदत्त पडीक्कल ने भी अपने शतकों का चौका पूरा किया।

हार्दिक पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ अपना शतक 68 गेंदों पर पूरा किया। उन्होंने अपने शतक को एक ही ओवर में लगातार 5 छक्के और एक चौका लगाकर यानी 6 गेंदों पर 34 रन बनाकर पूरा किया। विदर्भ के खिलाफ हार्दिक ने इस मैच में 92 गेंदों पर 11 छक्के और 8 चौकों की मदद से 133 रन की जोरदारा पारी खेली। इस पारी के दौरान हार्दिक का स्ट्राइक रेट 144.57 का रहा। हार्दिक की इस पारी के दम पर बड़ोदा ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए।

पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ 68 गेंदों पर पूरा किया शतक

पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

विजय हजारे के इस सीजन में देवदत्त पडिक्कल का बल्ला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है और 5वें मैच में उन्होंने सीजन का चौथा शतक लगाया। कर्नाटक के इस बैटर ने त्रिपुरा के खिलाफ 120 गेंदों पर 3 छक्का और 8 चौकों की मदद से 108 रन की पारी खेली और उनकी टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 332 रन बनाए। देवदत्त का बल्ला इस सीजन में चल नहीं गरज रहा है। उन्होंने इससे पहले यानी इस सीजन के पहले मुकाबले में झारखंड के खिलाफ 147 रन की पारी खेली थी जबकि दूसरे मैच में केरल के खिलाफ 124 रन बनाए थे। तीसरे मैच में उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ 22 रन की पारी खेली थी जबकि चौथे मैच में पुडुचेरी के खिलाफ 113 रन की की पारी खेली थी। अब 5वें मैच में उन्होंने 108 रन बनाए।

अक्षर पटेल ने खेली 130 रन की पारी

गुजरात के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने आंध्रा के खिलाफ तूफानी बैटिंग की। इंजरी से वापसी के बाद अक्षर पहली बार मैदान पर उतरे थे और उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाते हुए इस टीम के विरुद्ध 111 गेंदों पर 130 रन ठोक दिए। अक्षर ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 10 चौके भी जड़े। गुजरात के लिए रवि बिश्नोई ने भी आखिरी पलों में 20 गेंदों पर नाबाद 31 रन का पारी खेली जबकि विशाल जायसवाल ने 60 गेंदों पर 70 रन की बेहतरीन पारी खेली। गुजरात ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 318 रन बनाए। आंध्रा के लिए कप्तान नितीश रेड्डी ने 2 विकेट लिए जबकि सत्यनारायण राजू ने 4 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

सैमसन ने 90 गेंदों पर ठोका शतक, इशान की टीम हारी

5वें चरण के मुकाबले में केरल ने संजू सैमसन और कप्तान रोहन कुन्नुमल की शानदार शतकीय पारी के दम पर इशान किशन की कप्तानी वाली झारखंड की टीम को हरा दिया। संजू और रोहन ने केरल को जोरदार शुरुआत की, जिसके दम पर इस टीम को आसान जीत मिली।इस मैच में झारखंड ने टॉस जीता था और फिर 50 ओवर में 7 विकेट पर 311 रन बनाए। केरल को जीत के लिए 312 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 42.3 ओवर में 2 विकेट पर 313 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। संजू और रोहन ने पहले विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी करके टीम की जीत की राह आसान कर दी।

टी20 विश्व कप 2026

नामीबिया टीम का ऐलान इरास्मस होंगे कप्तान

दुबई। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए नामीबिया क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर गेरहार्ड इरास्मस करेंगे। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक और बर्नार्ड शोल्ट्ज शामिल हैं। इसके अलावा, निकोल लॉफ्टी-ईटन, मायबर्ग और मालन क्रूगर नामीबिया की बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करेंगे। तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन और बेन शिकोंगो भी टीम का हिस्सा हैं। क्रिकेट नामीबिया ने एक्स पर लिखा, हमारी टीम भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयार है। टीम और मैनेजमेंट को शुभकामनाएं क्योंकि वे वैश्विक मंच पर नामीबिया का झंडा फहराएंगे। नामीबिया लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। उसे भारत, पाकिस्तान और यूएसए, और नीदरलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। नामीबिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 10 फरवरी को अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा। 12 फरवरी को भारत के खिलाफ उसका दूसरा मैच भी अरुण जेटली स्टेडियम में ही खेला जाएगा। 15 फरवरी को चेन्नई में यूएसए के साथ और 18 फरवरी को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में पाकिस्तान के साथ नामीबिया के लीग मैच हैं।

18 जनवरी को टाटा मुंबई मैराथन अनीश-निर्मबेन करेंगे अगुवाई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मौजूदा चैंपियन अनीश थापा और निर्मबेन ठाकोर 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस मैराथन को विश्व एथलेटिक्स से गोल्ड लेबल रेस का दर्जा हासिल है। इस वर्ष की मैराथन में देश के 36 शीर्ष एथलीट भाग लेंगे। इनमें 23 पुरुष और 13 महिला एथलीट शामिल हैं।

भारतीय एलीट पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः पांच लाख रुपए, चार लाख रुपए और तीन लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित

किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ी को दो लाख रुपए का अलग पुरस्कार मिलेगा। वर्तमान में भारतीय रिकॉर्ड पुरुष वर्ग में नितेंद्र सिंह रावत (2:15:48 - दो घंटे, 15 मिनट, 48 सेकंड) और महिला वर्ग में सुधा सिंह (2:34:56) के नाम हैं। अनीश को पिछली बार के उपविजेता मान सिंह से कड़ी चुनौती मिलेगी, जिन्होंने 2025 वालेंसिया मैराथन में 2:13:25 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इनके अलावा श्रीनु बुगाथा और प्रदीप सिंह चौधरी भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। महिला एलीट वर्ग में निर्मबेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने की कोशिश करेगी।

वावरिंका ने जीत के साथ की नए वर्ष की शुरुआत

पर्थ। इस सत्र के बाद संन्यास लेने की पहले ही घोषणा कर चुके स्टेन वावरिंका ने 40 वर्ष की उम्र में भी अपने दमखम का शानदार नमूना पेश करते हुए यूनाइटेड कप

टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ नए साल की शुरुआत की। तीन बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वावरिंका ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को 5-7, 7-6 (5), 7-6 (5) से हराया। रिंडरकनेच की विश्व रैंकिंग 29 जबकि वावरिंका की 157 है। यह मैच तीन घंटे 16 मिनट तक चला। वावरिंका ने दिसंबर में घोषणा की थी कि यह वर्ष एटीपी टूर पर उनका आखिरी वर्ष होगा। स्विट्जरलैंड की उनकी साथी खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच ने इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता के एक अन्य मुकाबले में फ्रांस की लियोलिया जीनजेन को 6-2, 6-4 से हराकर स्विस टीम को 2-0 से अजेय बढ़त दिलाई।

टेनिस

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नाओमी ओसाका कर सकती हैं वापसी

मैं अब ठीक होने के करीब हूं, लेकिन अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हूं। मैं बस हर दिन बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं।

-नाओमी ओसाका

एजेंसी ▶▶| पर्थ

चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ महसूस कर रही हैं लेकिन उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है।

ओसाका यूनान की मारिया सकारी से 6-4, 6-2 से हार गई थ्री। उन्होंने मैच के बाद कहा कि वह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 'वास्तव में बीमार' हो गई थीं और इसलिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई। मैच के दौरान ओसाका को बीच-बीच में खांसी आ रही थी और वह थकी हुई लग रही थीं। ओसाका ने कहा, 'मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी, इसलिए अभी यहां आकर खुशी हो रही है। यह गंभीर नहीं है, लेकिन मैं उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर पा रही हूं, जिस स्तर पर मैं करना चाहती हूं, जो थोड़ा निराशाजनक है।'

ओसाका ने कहा, ' मैं अब ठीक होने के करीब हूं, लेकिन अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हूं। मैं बस हर दिन बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं। मुझे खांसी, नाक बहना और इस तरह की कई परेशानियां थीं, इसलिए उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले ये सब ठीक हो जाएगा।'

आईएलटी20 : एमआई एमिरेट्स ने बनाई फाइनल में जगह

शारजाह। एमआई एमिरेट्स ने अपने ऑलराउंड खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए एक कम स्कोर वाले मैच में अबूधाबी नाइट राइडर्स को 7 विकेट से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को एमआई एमिरेट्स का सामना डेजर्ट वाइपर्स से होगा। एमआई एमिरेट्स ने नाइट राइडर्स को केवल आठ विकेट पर 120 रन पर रोक दिया और फिर 16.1 ओवर में तीन विकेट पर 122 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। नाइट राइडर्स के लिए अलीशान शरफू ने 40 गेंदों में 50 रन बनाए, लेकिन एमआई एमिरेट्स ने नियमित अंतराल में विकेट लेकर उस पर दबाव बनाए रखा। एमआई एमिरेट्स की तरफ से एएम ग़ज़नफ़र ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मुहम्मद रोहिद और फजलहक फारुकी ने दो-दो विकेट हासिल किए। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई एमिरेट्स ने दूसरे ओवर की शुरुआत में ही मोहम्मद वसीम (10) का विकेट खो दिया और आंद्रे फ्लेचर (05) के सस्ते में आउट होने के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 36 रन हो गया। लेकिन टॉम बैंटन (53 गेंदों में नाबाद 64) और शाकिब अल हसन (24 गेंदों में 38) के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की मदद से एमआई एमिरेट्स ने 23 गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर दिया।

पार्ल रॉयल्स ने एमआई केपटाउन को 1 रन से हराया

पार्ल। लुआन ड्रे प्रिटोरियस 98 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे पार्ल रॉयल्स ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक मैच में एमआई केपटाउन को एक रन से हराया। प्रिटोरियस शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उनकी 69 गेंद पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से खेली गई शानदार पारी और आसा ट्राइब (34 गेंदों में 51 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की मदद से रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 181 रन बनाए। इसके जवाब में एमआई केपटाउन ने आठ विकेट 180 रन बनाए। रयान रिकेलटन (36) और रासी वैन डेर डुसेन (42 गेंदों में 59 रन) ने पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी करके एमआई केपटाउन को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए और 15 ओवर तक उसका स्कोर छह विकेट पर 118 रन हो गया। एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान (18 गेंदों में 35 रन) ने जॉर्ज लिंडे (नाबाद 20) के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। उसे अंतिम ओवर में 15 रन की जरूरत थी, लेकिन राशिद और कागिसो रबाडा के आउट होने से उसकी टीम लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रही। रॉयल्स की तरफ से ओटनील बार्टमैन ने 51 रन देकर चार और सिकंदर रजा ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए।

संस्कारधानी में सैंड आर्ट ने रचा कला और आस्था का अद्भुत संगम

भए प्रकट कृपाला... रेत में साकार हुआ राम मंदिर

अनुरोध पटेरिया

जबलपुर। चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिवस जबलपुर में कला और श्रद्धा का दुर्लभ दृश्य देखने को मिला, जब ओडिशा के प्रख्यात सैंड आर्ट कलाकार गोपाल चरण सामल ने रेत से भव्य राम मंदिर और भगवान श्रीराम की दिव्य प्रतिकृति उकेरी। कृति के पूर्ण होते ही परिसर "भए प्रकट कृपाला" के जयघोष से गूंज उठा और दर्शक भाव-विभोर हो गए। मानस भवन परिसर में रेत के विशाल टीले पर दोनों हाथों से आकार लेती इस कलाकृति ने बचपन की घरौंदा बनाने की स्मृतियों को जीवंत कर दिया। विशेष बात यह रही कि कलाकार ने मंदिर निर्माण की परंपरागत प्रक्रिया को उलटते हुए पहले शिखर, फिर मंडप, दीवारें, अलंकरण और अंत में आधार को साकार किया। जैसे-जैसे मंदिर आकार लेता गया, दर्शक मंत्रमुग्ध होकर इस सृजन प्रक्रिया के साक्षी बनते रहे। इसके बाद गोपाल चरण सामल ने मंदिर के शिखर से एक लंबी रेखा खींचते हुए सूर्य, मुकुट, केश, मुख और कुंडलों के माध्यम से भगवान श्रीराम की दिव्य आकृति उकेरी। रंगोली के रंगों से सजी यह कृति और भी आकर्षक बन गई। कृति पूर्ण होते ही उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से कलाकार का अभिनंदन किया।

मंडला से लाई नर्मदा नदी की रेत का उपयोग

ब्रह्मर्षि मिशन समिति, श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास, भोपाल एवं श्री राम अवेयरनेस मूवमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में जबलपुरवासियों को पहली बार सैंड आर्ट का इतना भव्य और जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। ओडिशा के भद्रक नगर में जन्मे, फाइन आर्ट में स्नातक गोपाल चरण सामल ने मानस भवन की आर्ट गैलरी के मुख्य द्वार पर यह कलाकृति निर्मित की, जिसमें मंडला से लाई गई नर्मदा नदी की रेत का उपयोग किया गया। सैंड आर्ट की खासियत यह रही कि दर्शक राम मंदिर की निर्माण प्रक्रिया को अपनी आंखों के सामने साकार होते देख सके। यह अनुभव कला प्रेमियों और श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गया।

कलाकृतियों ने बनाई अंतरराष्ट्रीय पहचान

उल्लेखनीय है कि गोपाल चरण सामल ने प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट गुरु सुदर्शन पटनायक से इस कला का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। समुद्र तटों पर रेत से बनाई गई कलाकृतियों के माध्यम से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। अपने दादा निधि सामल से पीतल, फाइबर और मिट्टी की मूर्तिकला सीखने के बाद वे अब तक 400 से अधिक भारत माता की प्रतिमाएं बना चुके हैं, जिन्हें 11 देशों में स्थापित किया गया है। उन्हें राष्ट्रीय सैंड आर्ट फेस्टिवल सम्मान (कोणार्क), युवा कलाकार सम्मान, न्यूज़ सेवन एवं प्रमेय उत्कृष्ट अवार्ड, साधना शिखर सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

नीदरलैंड से मिले 10 मूर्तियों के ऑर्डर

चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस में रेत से निर्मित राम मंदिर ने जबलपुर की सांस्कृतिक पहचान में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। रविवार को विद्यार्थियों को निःशुल्क कला शिक्षा देने वाले गोपाल चरण सामल ने बताया कि उन्हें नीदरलैंड से 10 मूर्तियों के ऑर्डर मिले हैं तथा प्रयागराज के लाक्षागृह में 51 फीट ऊंची भगवान कृष्ण की प्रतिमा का निर्माण कार्य भी जारी है। भविष्य में वे सैंड आर्ट के विस्तार के लिए एक समर्पित स्कूल की स्थापना करना चाहते हैं।

500 वर्ष पुरानी परंपरा

सैंड आर्ट की परंपरा लगभग 500 वर्ष पुरानी मानी जाती है। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान भक्त बलराम दास ने समुद्र तट पर रेत के टीले पर रथ की आकृति बनाई थी। तभी से यह कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती आ रही है और आज भी आस्था व सृजन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

दक्षिण भारत तक जबरदस्त मांग

कोहरे–ओस ने बढ़ाई जबलपुरी मटर की मिठास

जबलपुर। ठंड के मौसम में कोहरे की बढ़ती धुंध और ओस की बूंदों ने इस साल जबलपुर की मटर को खास बना दिया है। ओस की नमी में तैयार होने वाला मीठा जबलपुरी मटर अब मंडियों में पहुंचने लगा है और इसकी खुशबू व स्वाद ने देशभर के व्यापारियों का ध्यान खींच लिया है। जबलपुर जिले की प्रमुख मटर मंडियां—औरिया एवं सहजपुर—में इन दिनों रोजाना हजारों बोरों में मटर की आवक हो रही है।

खास बात यह है कि जबलपुरी मटर की दीवानगी दक्षिण भारत के राज्यों में सबसे ज्यादा देखने को मिल रही है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की मंडियों के लिए रोजाना दर्जनों ट्रक मटर रवाना हो रहे हैं। इसके अलावा आसपास के प्रदेशों में भी जबलपुर की मटर की मांग लगातार बढ़ रही है।

रोजाना 40 से 45 हजार बोरा मटर की आवक

मटर व्यापारी इंद्रेश दुबे के अनुसार, जबलपुर मटर मंडी औरिया में प्रतिदिन करीब 40 से 45 हजार बोरा मटर आ रहा है। सोमवार को मटर का थोक भाव 14 से 26 रुपए प्रति किलो के बीच रहा। एक बोरे का औसत वजन लगभग 55 किलो होता है।

मंडी में आने वाली मटर में मिर्ची, एम7, पीएसएम और एपी3 जैसी वैरायटी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

भारी आवक के कारण थोक बाजार में दाम नीचे आए हैं, जिसका सीधा फायदा आम उपभोक्ताओं को मिल रहा है। फुटकर बाजार में अब मटर 18 से 30 रुपए प्रति किलो तक बिकने लगा है। व्यापारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में आवक और बढ़ने पर कीमतों में और गिरावट देखने को मिल सकती है।

मीठे जबलपुरी मटर की दस्तक

इंद्रेश दुबे ने बताया कि दुनियाभर में प्रसिद्ध मीठे जबलपुरी मटर की वैरायटी—मिर्ची, पीएसएम और एपी3—अब बड़ी मात्रा में मंडी पहुंचने लगी है। खासतौर पर 'मिर्ची' वैरायटी की शुरुआत पिछले एक सप्ताह से हुई है। अगले 15 दिनों में इसकी आवक चरम पर पहुंचने की संभावना है, जो मार्च के अंत तक बनी रहेगी। यही मीठा मटर आम लोगों के बीच सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है, क्योंकि इसका स्वाद प्राकृतिक रूप से मीठा और दाने मुलायम होते हैं।

एम7 मटर की सबसे ज्यादा आवक

फिलहाल मंडी में सबसे ज्यादा आवक एम7 वैरायटी की हो रही है। यह एक कमर्शियल मटर है, जिसकी मांग होटल, रेस्टॉरेंट और प्रोसेसिंग यूनिट्स में ज्यादा रहती है। इसका उपयोग फ्रोजन फूड, सब्जी प्रोसेसिंग और थोक खपत के लिए किया जाता है।

किसानों और व्यापारियों के लिए राहत

भले ही कीमतें नीचे आई हों, लेकिन भारी मात्रा में आवक और मजबूत मांग के कारण किसानों और व्यापारियों दोनों को संतुलित लाभ मिल रहा है। किसानों का कहना है कि मौसम ने इस बार साथ दिया है, जिससे मटर की गुणवत्ता बेहतर हुई है। व्यापारियों को उम्मीद है कि जैसे-जैसे मीठे मटर की आवक बढ़ेगी, जबलपुर की मटर देशभर की मंडियों में अपनी पहचान और मजबूत करेगी।

रांझी में आतंक का पर्याय बना बदमाश गिरफ्तार

जबलपुर। शहर के उपनगरीय इलाके रांझी में लंबे समय से दहशत का माहौल बनाने वाले एक कुख्यात बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया है। क्षेत्र में कानून का भरोसा कायम करने के लिए पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल तक ले जाकर सार्वजनिक रूप से जुलूस निकालते हुए सख्त संदेश दिया। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी वैभव उर्फ बाबू मराठा, झंडा चौक रांझी का निवासी है। आरोपी की आपराधिक गतिविधियों के कारण इलाके में लोगों के बीच भय का माहौल बन गया था। दो दिन पहले उसने झंडा चौक क्षेत्र में एक दुकान पर जमकर तोड़फोड़ की, गल्ले से नकदी लूट ली और चाकू दिखाकर दुकानदार को धमकाया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लूट सहित अन्य धाराओं में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही पांच आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें चोरी, लूट और अवैध वसूली जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इसके अलावा आरोपी द्वारा मोहल्ले के एक सामुदायिक भवन पर ताला लगाकर सामाजिक कार्यक्रमों को बाधित करने की शिकायत भी सामने आई थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर से चाबी मंगवाकर सामुदायिक भवन का ताला खुलवाया और उसे उसके अवैध कब्जे से मुक्त कराया।

स्कॉर्पियो चालक की चाकुओं से गोदकर हत्या

शहजपुर फ्लाईओवर के पास वारदात, इलाके में दहशत

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत शहजपुर फ्लाईओवर के पास शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने एक स्कॉर्पियो चालक की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। भेड़ाघाट थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 30 वर्षीय महेंद्र साहू के रूप में हुई है। वह शनिवार सुबह अपनी स्कॉर्पियो वाहन लेकर उज्जैन जाने के लिए निकला था। जैसे ही वह शहजपुर फ्लाईओवर के पास पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे नकाबपोश बदमाशों ने उसे रोक लिया और अचानक चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि महेंद्र साहू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही पलों में पूरी घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। सड़क किनारे खून से लथपथ शव पड़े होने की सूचना पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे एक दिन पूर्व शहपुरा स्थित शराब दुकान पर हुए विवाद को कारण मान रही है। बताया जा रहा है कि मृतक का शराब दुकान पर कुछ लोगों से झगड़ा हुआ था। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस एंगल की अभी

आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल भेड़ाघाट थाना पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर हर पहलू से जांच में जुटी हुई है।

डिंडौरी के शहपुरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसा

बस खाई में गिरी, 30 से अधिक घायल, 3 गंभीर

जबलपुर। संभाग के डिंडौरी जिलांतर्गत शहपुरा थाना के राछो घाट के पास डिंडौरी से जबलपुर आ रही तेज रफ्तार बस शनिवार को पूर्वान्ह लगभग 10 बजे अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग को तोड़ते हुए खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में बस में सवार 30 से अधिक लोग घायल हो गए जिनमें से तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। राछो घाट के पास बस के पलटने की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और क्षेत्र के ग्रामीणों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा लाया गया, जहां सभी का प्राथमिक उपचार कर गंभीर घायलों को उपचार के लिए जबलपुर मेडीकल अस्पताल रवाना किया गया। शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार ने बताया कि बस में सवार लोग निःशुल्क उपचार के लिए सुखसागर हॉस्पिटल जबलपुर जा रहे थे। राछो घाट शहपुरा में अचानक जिले के मझौली से जबलपुर जा रही वाहन क्रमांक एमपी 20जेके 9559 जिले के मझौली से जबलपुर जा रही थी. वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। सभी घायलों की पहचान कर उनके परिवार जनों को अवगत कराया गया है। बताया गया कि सभी घायल शहपुरा जनपद क्षेत्र के ही आसपास के गांव के निवासी हैं।

ठंडे भजिया ने गर्म किया शहर का माहौल

ग्राहक और होटल कर्मियों के बीच वाद विवाद ने लिया बड़ा रुप

कमानिया पर आधी रात तक रही तनातनी

जबलपुर। शुक्रवार देर रात ठंडे भजिया को लेकर हुई मामूली कहासुनी ने कुछ ही देर में शहर का माहौल गर्म कर दिया। ग्राहक राजकुमार जैन द्वारा कमानिया के समीप बड़कुल होटल में ठंडे भजिया होने की शिकायत किए जाने पर दुकान के मैनेजर और कर्मचारियों की ग्राहक से बहस हुई और कुछ ही देर में यह बहस बड़े विवाद में बदल गई। आरोपित है कि होटल मैनेजर रोहित राजपूत ने मोबाइल पर अपने कुछ मित्रों को बुला भेजा। कार पर सवार होकर आए मैनेजर के मित्र वाहन से उतरते ही बेसबॉल के डंडे घुमाने लगे। बताया जाता है कि उन्होंने इस दौरान आसपास खड़े वाहनों में भी तोड़फोड़ की। इस बीच युवकों द्वारा जैन समाज को लेकर कुछ टिप्पणी की गई, जिसके बाद संबंधित ग्राहक के पक्ष में भी बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने भी आरोपियों पर हमला कर दिया। बढ़ती भीड़ से जान बचाने तीन युवक होटल के अंदर घुसे गए। उन्हें बाहर निकलवाने को लेकर जैन समाज की भीड़ उग्र हो चली। यहां मामलें की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल और एडीशनल एसपी सहित दो सीएसपी मौके पर जा पहुंचे और उन्होंने स्थिति संभालने की कोशिश की। हालत बिगड़ती देख पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने हल्का बल प्रयोग किया। दो हमलावरों को भीड़ से बचाकर पुलिस अपनी हिरासत में ले जाने में सफल रही। जबकि तीसरे हमलावर को ले जाने के प्रयास में बड़ी संख्या में एकत्रित भीड़ अड़ गई और उसे भीड़ को सौंप देने की मांग करने लगी। इस बीच जैन समाज के कुछ युवकों ने उसे पुलिस के हाथों से अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस ने पुनः एक बार लाठियां भांजी। शहर के हृदयस्थल का माहौल रात 10 बजे से शुरु होकर रात 1 बजे तक अशांत रहा। पुलिस द्वारा किए गए बल प्रयोग और अफरा-तफरी में जहां एक ओर जैन समाज के कई लोग घायल हुए, वहीं एक ऐसा ही और कुछ पुलिस कर्मियों के भी घायल होने का दांवा किया गया हैं।

पुलिस ने चलाई लाठियां, अब तक 3 गिरफ्तार

तीन गिरफ्तार

एडिशनल एसपी आयुष वर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त पूरे मामलें में तीन युवकों अतुल पटेल, रोहित राजपूत व सचिन शुक्ला के खिलाफ राजकुमार जैन की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया हैं जबकि एक अन्य की भूमिका की जांच की जा रही है। उनका कहना है कि लाठी चार्ज के दौरान कुछ लोग गिरने से घायल हुए हैं। इस दौरान एसआई अनिल गौर सहित कुछ अन्य पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। पूरे मामलें में दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जैन समाज में जताया रोष

यहां दूसरी ओर जैन समाज ने इस घटना पर रोष व्यक्त करते हुए जहां एक और पुलिस पर ज्यादती किए जाने का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की हैं तो वहीं व्यस्त व्यवसायी क्षेत्र में व्यापार के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग की हैं।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जैन समाज की एक बैठक भी आहूत की गई हैं। जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

घने कोहरे के चलते ट्रैक्टर से टकराकर पलटा ट्रक, 3 घायल, 1 गंभीर

लगा लंबा जाम, बेलखेडा में सडक दुर्घटना

जबलपुर। जिला मुख्यालय से लगभग 40 किमी दूर बेलखेडा थानांतर्गत राजमार्ग पर शनिवार की सुबह घने कोहरे के बीच एक तेज रप्तार माजदा ट्रक विपरीत दशा से आ रहे ट्रैक्टर को टक्कर मारकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए शहपुरा स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया। वहां से एक की हालत गंभीर होने पर से जबलपुर मेडीकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद सडक पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से पलटे ट्रक को रास्ते से हटवाया और तब जाकर जाम से मुक्ति मिल सकी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

सडक किनारे खडे ट्रक में अचानक भडकी आग

जबलपुर-रीवा नेशनल हाईवे पर खजरी खिरिया चौराहे के समीप घटना

जबलपुर। शहर के खजरी खिरिया चौराहे के समीप शनिवार की सुबह जबलपुर-रीवा नेशनल हाईवे पर एक बड़ा हादसा होते बचा। बताया जाता है कि यहां बायपास चौराहे के समीप सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में अचानक आग लग गई। धुआं उठने के साथ आग कील लपटें बढती देख मौके पर हड़कम्प मच गया। तत्काल ही ट्रक में आग लगने की सूचना राहगीरों ने नगर निगम फायर ब्रिगेड को दी। इस सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाडिय़ों ने कुछ देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। संयोग रहा कि घटना के वक्त ट्रक में कोई मौजूद नहीं था जिससे जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों का नुकसान ट्रक के जलने से हुआ है। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑटो की टक्कर में खेत से लौट रहे 3 किसान जख्मी

जबलपुर

खमरिया थानातंर्गत सोनपुर के आगे मेन रोड़ पर खेत में काम करके वापस घर जा रहे तीन किसानों को एक आटो ने टक्कर मार दी, जिससे तीनों घायल हो गए, तीनों युवकों को उपचार के लिए अस्तपाल में भर्ती कराया गया है। खमरिया पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधारताल निवासी 20 वर्षीय लोटन लोधी गत रात लगभग 10.30 बजे देवी सिंह लोधी, जगत सिंह लोधी और सूजान लोधी के साथ ग्राम सोनपुर से खेत में काम करके वापस अधारताल जा रहे थे। सोनपुर के आगे मेन रोड़ पहुँचने वाले थे कि मोड़ के पास आटो क्रमांक एमपी 20 जेड पी 3129 के चालक ने देवी सिंह लोधी, जगत सिंह लोधी, सूजान सिंह लोधी को टक्कर मार दी, जिससे तीनों के हाथ पैर में चोटें आ गई हैं, वहीं आटो चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। लोटन लोधी ने तीनों घायलों को उपचार के लिए रांझी अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने आरोपी आटो चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240